THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 180 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.3 15 2079 मंगलवार, 13 सितंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

वो झूठ की फैक्टरी चला रहे, हम अंडरवियर और टी-शर्ट पर बात नहीं करते-भाजपा पर कांग्रेस का पलटवार

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारत जोड़ो यात्रा को लेकर भाजपा के आरोपों पर कांग्रेस की ओर से पलटवार किया गया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि हम टी-शर्ट और अंडरवियर के बारे में बात नहीं करते हैं। एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए रमेश ने कहा, अगर वे कंटेनर, जूते और टीशर्ट को मुद्दा बनाते हैं तो मैं कहना चाहता हूं कि यह भाजपा के डर को दर्शाता है। डर के मारे वे कुछ भी कह रहे हैं। उन्होंने कहा, भाजपा सोशल मीडिया पर झूठ की फैक्टरी चला रही है।

श्रृंगार गौरी पूजा पर सुनवाई जारी रहेगी

वाराणसी जिला कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की दलीलें खारिज कीं

22 सितंबर को अगली सुनवाई

वाराणसी, 12 सितंबर (एजेंसियां)। वाराणसी के ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी विवाद में आगे सुनवाई जारी रहेगी। वाराणसी जिला कोर्ट ने कहा कि यह केस सुनने लायक है। कोर्ट ने इस केस को न सुनने के लिए मुस्लिम पक्ष की तरफ से दर्ज आपत्तियों को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने माना कि यह केस 1991 के वर्शिप एक्ट के तहत नहीं आता। अब वाराणसी जिला कोर्ट 22 सितंबर को इस मामले में अगली सुनवाई करेगी।

कोर्ट के फैसले के दौरान हिंदू पक्ष के वकील हरिशंकर जैन और विष्णु शंकर जैन कोर्ट में मौजूद थे। हालांकि मुख्य याचिकाकर्ता राखी सिंह मौजूद नहीं थीं। जज ने कुल 62 लोगों को कोर्ट रूम में मौजूद रहने की इजाजत दी थी। इस मामले में 24 अगस्त को हिंदू और मुस्लिम पक्ष की बहस पूरी हो गई थी। इसके बाद वाराणसी के जिला जज एके विश्वेश ने 12 सितंबर तक के लिए फैसला सुरक्षित रख लिया था। वाराणसी के पुलिस आयुक्त ए सतीश गणेश ने फैसले से पहले बताया था, शहर के संवेदनशील इलाकों में धारा 144 लागू है। शहर में हिंदू-मुस्लिमों की मिली-जुली आबादी वाले इलाके में पुलिस फोर्स तैनात है। पुलिस ने कुछ इलाकों में बीती रात से ही गश्त बढ़ा दी थी, ताकि आदेश के बाद कानून-व्यवस्था के हालात न बिगड़ें। फैसले के मद्देनजर पूरे शहर को हाई अलर्ट पर रखा गया था। सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग की जा रही थी। जिला अदालत परिसर में खास चौकसी बरतते हुए बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड भी तैनात किया गया था।

ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी से जुड़ा केस क्या है?

पांच हिंदू महिलाओं ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में मौजूद हिंदू देवी-देवताओं की पूजा की अनुमति मांगी थी। इन महिलाओं ने खासतौर पर श्रृंगार गौरी की हर दिन पूजा करने की इजाजत चाही थी। कोर्ट के आदेश पर मस्जिद में सर्वे भी किया गया था। सर्वे के बाद हिंदू पक्ष ने दावा किया था कि मस्जिद के तहखाने में शिवलिंग मौजूद है, जबकि मुस्लिम पक्ष ने इसे फव्वारा बताया था।

केस में अब तक क्या हुआ, 3 पॉइंट्स में समझिए...

18 अगस्त 2021 को 5 महिलाएं ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में मां श्रृंगार गौरी, गणेश जी, हनुमान जी समेत परिसर में मौजूद अन्य देवताओं की रोजाना पूजा की इजाजत मांगते हुए कोर्ट पहुंची थीं। अभी यहां साल में एक बार ही पूजा होती है। इन पांच याचिकाकर्ताओं का नेतृत्व दिल्ली की राखी सिंह कर रही हैं, बाकी चार महिलाएं सीता साहू, मंजू व्यास, लक्ष्मी देवी और रेखा पाठक बनारस की हैं। 26 अप्रैल 2022 को वाराणसी सिविल कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में श्रृंगार गौरी और अन्य देव विग्रहों के सत्यापन के लिए वीडियोग्राफी और सर्वे का आदेश दिया था। मान्यता है कि 1669 में औरंगजेब ने काशी विश्वनाथ मंदिर का एक हिस्सा तोड़कर ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई थी। कुछ इतिहासकार कहते हैं कि 14वीं सदी में जौनपुर के शर्की सुल्तान ने मंदिर को तुड़वाकर ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई थी।

कुछ मान्यताओं के अनुसार अकबर ने 1585 में नए मजहब दीन-ए-इलाही के तहत विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई थी। मस्जिद और विश्वनाथ मंदिर के बीच 10 फीट गहरा कुआं है, जिसे ज्ञानवापी कहा जाता है। इसी कुएं के नाम पर मस्जिद का नाम पड़ा।

अंतिम संस्कार के लिए नहीं मिलेगा आतंकी का शव

परिवार की याचिका खारिज, सुप्रीम कोर्ट ने कहा भावनाओं का सम्मान, लेकिन कानूनन सही नहीं

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के हैदरपोरा में सुरक्षाबलों के साथ एनकाउंटर में मारे गए आतंकी अमीर माग्रे का शव कब्र से बाहर निकालने की मांग को सुप्रीम कोर्ट ने ठुकरा दी है। आमिर के पिता लतीफ ने याचिका दाखिल कर मांग की थी कि विधिवत अंतिम संस्कार के लिए उसके बेटे के शव को निकालने की मंजूरी दी जाए।

सोमवार को जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस बीएस पारदीवाला की बेंच ने सुनवाई करते हुए कहा कि शव के विघटन का आदेश तब तक नहीं दे सकते, जब तक यह न दिखे कि इससे न्याय का हित हो रहा है। कोर्ट ने आगे कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि आमिर के शव का प्रशासन ने सही तरीके से अंतिम संस्कार नहीं किया।

वर्ल्ड डेयरी समिट का पीएम ने किया उद्घाटन

नोएडा, 12 सितंबर (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने ग्रेटर नोएडा में सोमवार को वर्ल्ड डेयरी समिट-2022 का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा, पिछले कुछ समय में भारत के अनेक राज्यों में लंपी नामक की बीमारी से पशुओं का नुकसान हुआ। राज्य सरकारों के साथ मिलकर केंद्र सरकार इसे कंट्रोल करने की कोशिश कर रही है। हमारे वैज्ञानिकों ने लंपी रोग की स्वदेशी वैक्सीन भी तैयार कर ली है। भारत में हम पशुओं के यूनिवर्सल वैक्सीनेशन पर भी बल दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमने संकल्प लिया है कि 2025 तक हम शत-प्रतिशत पशुओं को फुट एंड माउथ डिजीज और ब्रुसेलोसिस की वैक्सीन लगाएंगे। हम इस दशक के अंत तक इन बीमारियों से पूरी तरह से मुक्ति का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

समिट में 50 देशों के डेलिगेट्स, 800 किसानों समेत करीब 1500 प्रतिनिधि शामिल हुए। पीएम मोदी ने कहा, हमारे पास भैंस और गायों की जो नस्ल है, वह कठिन समय में भी खुद को ढालती हैं। पीएम ने कहा, 2014 के बाद से हमारी सरकार ने भारत के डेयरी सेक्टर के कैपेसिटी को बढ़ाने के लिए काम किया। आज इसका नतीजा है कि दूध उत्पादन से लेकर किसानों की आय में बढ़ी है। 2014 में भारत में 146 मिलियन टन दूध का उत्पादन होता था। 2022 में ये बढ़कर 210 मिलियन टन पहुंच गया। इन 8 सालों में करीब 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

डेयरी सेक्टर में 70 प्रतिशत महिलाएं :

पीएम मोदी ने कहा, भारत के डेयरी सेक्टर में 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। भारत के डेयरी सेक्टर की असली कर्णधार महिलाएं हैं। इतना ही नहीं भारत के डेयरी कॉपरेटिव्स में भी एक तिहाई से ज्यादा सदस्य महिलाएं ही हैं। पीएम मोदी ने कहा, डेयरी सेक्टर का कैपेसिटी न सिर्फ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देता है, बल्कि ये दुनिया भर में करोड़ों लोगों की आजीविका का भी प्रमुख साधन है। भारत में डेयरी सेक्टर की असली ताकत छोटे किसान हैं जो विश्व के अन्य विकसित देशों से अलग हैं।

2 संत बने शंकराचार्य स्वरूपानंद के उत्तराधिकारी

अविमुक्तेश्वरानंद ज्योतिष पीठ और सदानंद शारदा पीठ के प्रमुख होंगे

ज्योतिर्मठ बद्रीनाथ और शारदा पीठ द्वारका के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती

नरसिंहपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। ज्योतिर्मठ बद्रीनाथ और शारदा पीठ द्वारका के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के उत्तराधिकारियों के नाम सोमवार दोपहर घोषित कर दिए गए। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को ज्योतिष पीठ बद्रीनाथ और स्वामी सदानंद को द्वारका शारदा पीठ का प्रमुख घोषित किया गया है। उनके नामों की घोषणा शंकराचार्य जी की पार्थिव देह के सामने की गई। स्वरूपानंद सरस्वती का 98 वर्ष की आयु में रविवार को निधन हो गया था। उन्होंने झोतेश्वर स्थित परमहंसी गंगा आश्रम में दोपहर करीब साढ़े 3 बजे अंतिम सांस ली।

सीबीआई करेगी सोनाली फोगाट मर्डर केस की जांच

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एजेंसी से की सिफारिश, गोवा सरकार ने लिखा था लेटर

फतेहाबाद, 12 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की भाजपा नेता सोनाली फोगाट के मर्डर की जांच अब सीबीआई करेगी। गोवा सरकार ने इस केस की सीबीआई जांच करवाने का फैसला लिया। और इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को लेटर लिखा। इस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी सीबीआई से जांच की सिफारिश कर दी है।

इसकी जानकारी गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने दी। उन्होंने कहा कि लोगों की लगातार डिमांड आ रही थी कि मामले की जांच सीबीआई से हो। इसके अलावा सोनाली की बेटी यशोधरा भी लगातार सीबीआई जांच की मांग उठा रही थीं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी पुलिस पर पूरा भरोसा है। पुलिस जांच सही दिशा में जा रही है। कई क्लू भी पुलिस को हासिल हुए, लेकिन लोगों और उनकी बेटी की मांग को ध्यान में रखते हुए यह केस अब सीबीआई को दिया जा रहा है।

गौरतलब है कि सोनाली फोगाट 23 अगस्त की सुबह गोवा के एक रिजॉर्ट में मृत मिली थी। उस समय सोनाली का पीए सुधीर सांगवान और सुखविंदर ही उसके साथ थे। सुधीर ने मंगलवार सुबह 8 बजे सोनाली के भाई को फोन करके मौत की सूचना दी और उसके बाद परिवार के सदस्यों के फोन उठाने बंद कर दिए। परिवार का आरोप है कि सुधीर और सुखविंदर ने ही सोनाली का मर्डर किया है। सुधीर की नजर सोनाली की प्रॉपर्टी पर थी। प्रॉपर्टी हड़पने के लिए उसने सोनाली की हत्या की है।

पीएम-सीएम को भी किया था ट्वीट :

मामले में सीबीआई जांच के लिए सोनाली फोगाट की बेटी यशोधरा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को ट्वीट किया था। जिसमें लिखा था कि केस सीबीआई को हैंडओवर किया जाए।

एबीटी के दो संदिग्ध आतंकवादी गिरफ्तार

गुवाहाटी, 12 सितंबर (एजेंसियां)। असम में आतंकी मॉड्यूल के खिलाफ कार्रवाई जारी है। सोमवार को पुलिस ने दो और संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों की गिरफ्तारी मोरीगांव से हुई है। पुलिस अधीक्षक अपर्णा एन. ने बताया कि दोनों संदिग्ध आतंकवादियों की पहचान मुसादिक हुसैन और इकरामुल इस्लाम के रूप में हुई है। दोनों के आतंकी संगठन अंसारूल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) से संबंध होने के सबूत मिले हैं।

कई लोगों की हो चुकी है गिरफ्तारी :

असम में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ होने के बाद से यहां आतंकियों की गिरफ्तारी का सिलसिला जारी है। बीते कुछ दिनों में कई आतंकियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सभी के एबीटी और अलकायदा से संबंध सामने आए थे। इसके अलावा इन सभी आतंकवादियों का क्षेत्रीय मदरसों से भी लिंक मिला था। इन मदरसों के जरिए ये आतंकी आतंकी संगठनों के पैसे जुटाने और युवाओं की भर्ती करने का काम करते थे। असम पुलिस ने इस साल मार्च से अब तक एक्यूआईएस/एबीटी से जुड़े 37 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है।

ढहाए गए मदरसे :

आतंकियों का मदरसा लिंक सामने आने के बाद से इन मदरसों को भी गिराए जाने की कार्रवाई जारी है। बीते दिनों बारपेटा, बोंगाईगांव और गोपालपाड़ा में मदरसों को ढहाया गया था। गोपालपाड़ा में तो स्थानीय लोगों ने खुद मदरसे को गिरा दिया था। बारपेटा जिले के मदरसे में आतंकियों को चार साल तक पनाह देने वाले का मामला सामने आया था।

इसके अलावा बोंगाईगांव जिले के कबाईटरी पार्ट-IV गांव में स्थित मरकजुल मा-आरिफ क्वारियाना मदरसा को तोड़ा गया था। इसी तरह के कार्रवाई गोपालपाड़ा में भी की गई थी।

बंगाल सरकार लाएगी सीबीआई और ईडी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव

कोलकाता, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बंगाल की तृणमूल कांग्रेस की ममता सरकार केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई के खिलाफ बंगाल विधानसभा में निंदा प्रस्ताव लाएगी। सोमवार को संसदीय कार्य मंत्री शोभनदेव चटर्जी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 19 सितंबर को विधानसभा में यह प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों के अत्यधिक इस्तेमाल के खिलाफ विधानसभा में निंदा प्रस्ताव लाया जा रहा है। सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग जैसी जांच एजेंसियों का इस्तेमाल केंद्र सरकार राजनीतिक फायदे के लिए कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में देखा गया है कि चुनाव आयोग का विभिन्न विपक्षी राजनीतिक दलों के साथ-साथ विपक्षी सरकारों के खिलाफ भी इस्तामाल करना शुरू कर दिया है।

हिजाब के मुद्दे पर सुनवाई के दौरान सलमान खुर्शीद ने सुप्रीम कोर्ट में कहा

कुरान में जो कुछ है वह अनिवार्य है

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में हिजाब मामले में सुनवाई के दौरान वकील सलमान खुर्शीद ने कहा कि इस्लाम में अनिवार्य और गैर-अनिवार्य जैसी कोई बात नहीं है। कुरान में जो कुछ है वह अनिवार्य है और पैगंबर ने जो व्याख्या की है वह भी अनिवार्य है। खुर्शीद ने बुर्का, हिजाब और जिलबाब की तस्वीरों को दिखाकर उनके बीच के अंतर को अदालत को बताया। खुर्शीद ने अदालत में कहा कि संस्कृति महत्वपूर्ण है क्योंकि संस्कृति पहचान की ओर ले जाती है। खुर्शीद ने कहा कि क्या मुझे ड्रेस कोड की सदस्यता लेनी होगी? लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि मैं इसके अलावा कुछ भी नहीं पहन सकता जो मेरी संस्कृति या धर्म के लिए महत्वपूर्ण हो?

सलमान खुर्शीद ने कहा कि जब हम गुरुद्वारा जाते हैं तो लोग हमेशा अपना सिर ढक कर रखते हैं, यह संस्कृति है। कुछ देशों में लोग मस्जिदों में अपना सिर नहीं ढकते हैं, लेकिन भारत में हर कोई सिर ढकता है, यह संस्कृति है। खुर्शीद ने कहा कि मैं निर्धारित वर्दी पहनूंगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या मैं कुछ और पहन सकता हूं जो मेरी संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अगर मैं सेना में हूं तो मुझे निर्धारित वर्दी पहननी होगी। अगर मैं बार काउंसिल का सदस्य हूं तो मुझे निर्धारित यूनिफार्म पहननी होगी। मैं निर्धारित यूनिफॉर्म पहनूंगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या मैं कुछ और पहन सकता हूं जो मेरी संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण है। पुट्टस्वामी फैसले का हवाला देते हुए कहा कि परिधान और दिखने की पसंद भी निजता का एक पहलू है। अबइस मामले पर सुनवाई बुधवार को होगी। सोमवार को जस्टिस हेमन्त गुप्ता ने कि 16 सितंबर तक सुनवाई पूरी करने के संकेत दिए।

सुप्रीम कोर्ट ने सीएए को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई 19 सितंबर तक की स्थगित

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई 19 सितंबर तक के लिए टाल दी हैं। 18 दिसंबर 2019 में कोर्ट में पहली बार सुनवाई हुई। जिसमें कोर्ट ने सीएए पर रोक से इनकार किया था। सोमवार को याचिकाओं पर चीफ जस्टिस यूयू ललित और एस रवींद्र भट की पीठ को सुनवाई करनी थी।

कोर्ट में सीएए के खिलाफ दायर याचिकाओं पर 18 दिसंबर 2019 को सबसे पहले सुनवाई हुई थी। 15 जून 2021 को आखिरी बार सुनवाई हुई थी। उल्लेखनीय है कि सीएए के तहत पड़ोसी देशों पाकिस्तान, अफगानिस्तान व बांग्लादेश से 31 दिसंबर, 2014 या उससे पहले भारत आए गैर-मुस्लिमों जैसे हिंदू, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन और पारसी को भारत की नागरिकता दी जा सकती है। बता दें कि, संसद ने 11 दिसंबर 2019 को नागरिकता अधिनियम (सीएए) पारित किया था। उस दौरान पूरे देश में अधिनियम को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए।

युद्ध केवल सेनाओं के बीच नहीं, इसमें पूरे देश का प्रयास शामिल : आर्मी चीफ

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना द्वारा आर्मी लॉजिस्टिक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भाग लिया। इस दौरान सेना को आधुनिक बनाने से लेकर युद्ध के प्रभाव पर चर्चा की गई। इस दौरान सेना प्रमुख ने अपना संबोधन भी दिया। उन्होंने युद्ध पर चर्चा करते हुए कहा कि युद्ध केवल सेनाओं के बीच नहीं होते हैं बल्कि इसमें पूरे देश का प्रयास शामिल होता है। युद्ध राष्ट्रीय लचीलापन का परीक्षण करते हैं और देश के संसाधनों और क्षमताओं को बढ़ाते हैं। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष इसका एक उपयुक्त उदाहरण है।

सैन्य अभियानों की गति तेज करने के लिए पर्याप्त रसद आपूर्ति बहुत जरूरी :

सेना प्रमुख ने कहा कि युद्ध में अगर कोई देश पिछड़ता है तो उसके पीछ रसद आपूर्ति की कमी भी एक बड़ी वजह होती है। सैन्य अभियानों की गति, तीव्रता और पहुंच बनाने के लिए पर्याप्त रसद आपूर्ति बहुत जरूरी है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए रसद आपूर्ति की निगरानी बहुत जरूरी है। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा कि कुशल संयुक्त सैन्य-नागरिक संरचनाओं को लागू करने में अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और हाल ही में चीन द्वारा उठाए गए त्वरित कदम इस मुद्दे से जुड़ी तात्कालिकता को रेखांकित करते हैं।

देश के लिए सुरक्षित और त्वरित रसद आपूर्ति प्रणाली :

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले कुछ दशकों में दुनिया इस तरह जुड़ी है जैसा पहले कभी नही था। इसमें भी रसद और आपूर्ति श्रृंखला की बड़ी भूमिका है। हम दुनिया के एक हिस्से में बैठकर दूसरे हिस्से की जानकारी प्राप्त करने के साथ कोई सामान भी मंगवा सकते हैं। किसी देश की अर्थव्यवस्था को और ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए एक मजबूत, सुरक्षित और त्वरित रसद आपूर्ति प्रणाली एक महत्त्वपूर्ण आवश्यकता होती है। आज हमारा देश दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।

भारत 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा :

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में देश में रसद को एकीकृत करने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार ने अनेक महत्वपूर्ण नीतियां तैयार की हैं।

गोगरा-हॉटस्प्रिंग क्षेत्र से वापसी तय कार्यक्रम के अनुसार :

कार्यक्रम से इतर, सेना प्रमुख ने कहा कि पूर्वी लद्दाख में गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स क्षेत्र में पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 से भारतीय और चीनी सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चल रही है। उन्होंने कहा, मुझे इस संबंध में अभी समीक्षा करनी है। लेकिन, यह निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चल रही है।

दरअसल, पांच मई, 2020 को पैंगोंग झील क्षेत्र में हिंसक झड़प के बाद पूर्वी लद्दाख सीमा पर गतिरोध शुरू हो गया था। दोनों पक्षों ने धीरे-धीरे भारी हथियारों से लैस हजारों सैनिकों की तैनाती कर दी थी। हाल ही में चीनी की सेना ने घोषणा की थी कि उसने गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स पेट्रोलिंग पॉइंट 15 से हटना शुरू कर दिया है, जिसके एक दिन बाद नौ सितंबर को विदेश मंत्रालय की ओर से इस बारे में टिप्पणी की गई थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि समझौते के अनुसार, इस क्षेत्र में वापसी की प्रक्रिया 8 सितंबर को सुबह 8:30 बजे शुरू हुई और 12 सितंबर तक पूरी हो जाएगी।

पिछले एक साल में 655 करोड़ की ड्रग्स जब्त, 4750 लोग हुए गिरफ्तार : सीएम सरमा

गुवाहाटी, 12 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले एक साल में असम में 665 करोड़ रुपये का ड्रग्स बरामद किया गया और 4,750 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने

आज यह जानकारी विधानसभा में दी। एक सवाल के लिखित जवाब में भाजपा विधायक तेराश गोवाल्ला ने कहा कि सरकार, राज्य में ड्रग्स के खतरे का मुकाबला करने के लिए तीन स्तर पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री सरमा ने बताया, हम तीन तरीकों पर काम काम कर रहे हैं, आपूर्ति में कटौती, (ड्रग्स की) मांग को रोकना और (स्वास्थ्य के) नुकसान को कम करना। पुलिस ड्रग तस्करों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई भी कर रही है। उन्होंने बताया कि पिछले साल सत्ता में आने के बाद से नई सरकार राज्यभर में प्रतिबंधित पदार्थों को जब्त करने के लिए लगातार अभियान चला रही है।

भारत क्यों है यूएनएससी का स्थायी सदस्य बनने का प्रबल दावेदार? विदेश मंत्री जयशंकर ने बताए कारण

रियाद, 12 सितंबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब की यात्रा पर चल रहे विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होने का प्रबल दावेदार है। उन्होंने इसके पीछे की कई वजहें भी गिनवाईं। उन्होंने कहा कि भारत अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने के अपने उद्देश्यों को पूरा करने में हमेशा अग्रसर रहा है, साथ ही वैश्विक परिस्थितियों के अनुकूल कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़े लोकतंत्र, पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, परमाणु ऊर्जा, तकनीकी केंद्र और वैश्विक जुड़ाव की परंपरा के रूप में भारत के पास सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होने का एक शक्तिशाली मामला है। उन्होंने एक साक्षात्कार में बताया कि परिषद को न केवल अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने के अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, बल्कि प्रासंगिक बने रहने के लिए, विकसित वैश्विक परिस्थितियों के अनुकूल होना चाहिए।

एस जयशंकर ने कल प्रवासी भारतीयों को भी संबोधित किया था :

बता दें कि एस जयशंकर ने कल रियाद में प्रवासी भारतीयों को भी संबोधित किया था। इस दौरान जयशंकर ने कहा था कि यूक्रेन संकट की वजह से दुनियाभर में तेल की कीमतें बढ़ी हैं और परिणामस्वरूप मुद्रा स्फीति बढ़ी है, लेकिन इन सबके बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। जयशंकर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था को विकसित करने और उच्च आय वाला देश बनाने की दिशा में शक्तिशाली प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत उन तरीकों के बारे में सोचता है जिससे वह अपनी क्रेडिट, बैंकिंग, शिक्षा और श्रम नीति को बदल सकता है। उन्होंने कहा कि कई बड़े सुधार हुए हैं और हम उसके परिणाम दो बहुत ही दिलचस्प वाकयों से देख सकते हैं।

31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए बीते वित्त वर्ष में हमने अब तक का सबसे अधिक निर्यात किया है। हमारा कुल निर्यात 670 अरब अमेरिकी डॉलर का रहा। इसमें से 400 अरब अमेरिकी डॉलर के माल का व्यापार किया गया। जयशंकर ने जोर देकर कहा कि एक व्यापारिक शक्ति के रूप में भारत का आइडिया आज विश्वसनीय हो गया है। जयशंकर दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शनिवार को तीन दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब पहुंचे थे।

मूसेवाला मर्डर केस में 50 जगहों पर छापे

दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और पंजाब पहुंची एनआईए टीमें

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने सोमवार को सिंगर सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस में 50 जगहों पर छापे मारे हैं। एनआईए की टीमें दिल्ली, एनसीआर, हरियाणा और पंजाब में कई ठिकानों में पहुंची हैं। यहां गैंगस्टर्स की तलाश की जा रही है। एनआईए के पास इनपुट्स हैं कि सिद्धू मूसेवाला मर्डर का कनेक्शन टेरर ग्रुप्स से है। एनआईए ने इस केस में नीरज बवाना, लॉरेंस बिश्नोई और ताजपुरिया गैंग से जुड़े लोगों की लिस्ट तैयार की है। एजेंसी का कहना है कि कुछ गैंगस्टर्स जेलों से भी ऑपरेट कर रहे हैं।

लॉरेंस और ताजपुरिया गैंग के गैंगस्टर्स की तलाश

लॉरेंस, ताजपुरिया के ठिकानों पर NIA

NIA गैंगस्टर्स लॉरेंस बिश्नोई और टिल्लू ताजपुरिया के ठिकानों पर पहुंची। ये तस्वीर दिल्ली की है।

सभी गैंगस्टर्स के आतंकियों से कनेक्शन का शक

केंद्रीय गृह मंत्रालय को शक है कि इन सभी गैंगस्टर्स के आतंकियों से कनेक्शन हैं। इन्हें सीमा पार पाकिस्तान से हथियार मुहैया करवाए जा रहे हैं। मूसेवाला के मर्डर में भी पाकिस्तान से आए हथियार यूज होने का शक है। इसके अलावा यह भी संदेह है कि भारत में टारगेट किलिंग कर सकते हैं। सरकार ने इन संगठनों को आतंकी की लिस्ट में डाला है।

मई में हुआ मूसेवाला का मर्डर, 24 कातिलों के खिलाफ चार्जशीट पहली एफआईआर में लॉरेंस गैंग के गैंगस्टर नामजद किए गए। जिनमें गैंग का मुखिया लॉरेंस, कनाडा बैठा गैंगस्टर गोल्डी बराड़, बिक्रम बराड़, काला जठेड़ी, जसदीप सिंह उर्फ जग्गू भगवानपुरिया, सचिन थापन, लॉरेंस का भाई अनमोल और पाकिस्तान से ऑपरेशन चला रहे हैं। मूसेवाला का 29 मई को मानसा के गांव जवाहरके में कत्ल कर दिया गया था। इस मामले में पुलिस ने 24 कातिलों के खिलाफ मानसा कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी है। इसमें एनकाउंटर में मारे शूटर मन्नू और रूपा का भी ब्योरा है। इसमें विदेश बैठे गैंगस्टरों में अब गोल्डी बराड़ और लिपिन नेहरा शामिल है। वहीं इस चार्जशीट में 166 गवाह बनाए गए हैं। मुंडी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस जल्द सप्लीमेंट्री चालान पेश करेगी।

अब तक कितनी गिरफ्तारियां और कितने एनकाउंटर

मूसेवाला का कत्ल में मुख्य रूप से 6 शूटर शामिल थे, जो कोरोला और बोलेरो मॉड्यूल में आए थे। इनमें से बोलेरो मॉड्यूल के लीडर शूटर प्रियवर्त फौजी, अंकित सेरसा, कशिश उर्फ कुलदीप के बाद पुलिस ने दीपक मुंडी को भी पकड़ लिया। वहीं कोरोला मॉड्यूल के शूटर जगरूप रूपा और मनप्रीत मन्नू को पंजाब पुलिस ने अमृतसर के अटारी के पास भकना गांव में एनकाउंटर में मार गिराया था।

गैंगस्टर लॉरेंस की जान को खतरा : बंबीहा गैंग ने दी धमकी

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मास्टरमाइंड गैंगस्टर लॉरेंस की जान को खतरा है। सूत्रों के मुताबिक पुलिस को लॉरेंस पर बंबीहा गैंग के अटैक का खुफिया इनपुट मिला। जिसके बाद उसकी सुरक्षा में पूरी सख्ती बरती जा रही है।

मूसेवाला मर्डर में संदीप केकड़ा का भाई गिरफ्तार

सिद्धू की रेकी करने का आरोप, लॉरेंस के साथ जेल में रह चुका बिट्टू

बठिंडा, 12 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस में एक और गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने मूसेवाला की रेकी करने वाले गैंगस्टर संदीप केकड़ा के भाई बिट्टू को पकड़ा है। बिट्टू को हरियाणा के डबवाली से गिरफ्तार किया है। उस पर मूसेवाला की रेकी करने का भी आरोप है। बिट्टू लॉरेंस के साथ जेल में रह चुका है। पुलिस उसकी काफी दिनों से तलाश कर रही थी।

सूत्रों के मुताबकि, बिट्टू सिंह मूसेवाला की गाड़ी पर ताबड़तोड फायरिंग करने वाले शूटरों में से एक प्रियव्रत के संपर्क में था। इसके अलावा वह लॉरेंस के साथ जेल में भी रह चुका। दोनों भाई संदीप और बिट्टू लंबे समय से रेकी कर रहे थे।

बिट्टू को पुलिस द्वारा मानसा लाया गया है। उसे जिला अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड लिया जाएगा। उससे पूछताछ की जाएगी कि वह और किसके संपर्क में था।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में करीब आधा दर्जन और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। पुलिस ने शनिवार को ही मूसेवाला की हत्या करने वाले छठे शूटर दीपक मुंडी को उसके दो साथियों कपिल पंडित और राजिंदर जोकर के साथ पकड़ा था। वह दुबई जाने की तैयारी में थे, लेकिन इससे पहले वह पकड़े गए।

29 मई को हुई थी मूसेवाला की हत्या

बता दें कि मनसा के जवाहरके गांव में 29 मई 2022 को सिद्धू मूसेवाला की हत्या कर दी गई थी। कत्ल को उस समय अंजाम दिया गया था जब मूसेवाला अपनी थार जीप से गांव की तरफ जा रहे थे। उसी दौरान उन्हें घेरकर आरोपियों ने अंधाधुंध फायरिंग की थी, जिसने उनकी मौत हो गई।

रोचक खबरें

10वीं के छात्र ने महज 3000 रुपये के कबाड़ से बना डाली बाइक

1 लीटर पेट्रोल में कराती है 120 कि.मी. का सफर

अक्सर मुफलिसी में कोई भटक जाता है तो कोई ऐसा काम कर जाता है जिसकी दूसरों को मिसाल दी जाती है. ऐसा ही मामला उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के दसवीं कक्षा के एक छात्र का सामने आया है. छात्र रजनीश का कहना है कि वह महंगी बाइक खरीदने में समर्थ नहीं है, ऐसे में उसने मात्र 3,000 रुपये में कबाड़ से सामान खरीद कर बाइक तैयार कर डाली. उसका दावा है कि कबाड़ से बनाई गई यह बाइक एक लीटर पेट्रोल में 120 किलोमीटर तक का सफर तय करती है.

लखीमपुर खीरी के मैलानी स्थित कोतवाली क्षेत्र के कस्बे में रहने वाले दसवीं के छात्र रजनीश कुमार की इच्छा महंगी बाइक खरीदने की थी, लेकिन पैसों की कमी के चलते ऐसा नहीं कर पाया. उसने कबाड़ से मिलने वाला सामान खरीद कर करीब 3000 खर्चे में जुगाड़ की बाइक बनाने में सफलता हासिल की. उसका दावा है कि यह बाइक एक लीटर पेट्रोल में 120 किलोमीटर तक चलती है.

दसवीं के छात्र रजनीश कुमार ने बताया उनके पास महंगी बाइक खरीदने के लिए पैसा नहीं था.

उन्होंने सोचा कि वह सस्ती बाइक बनाएं जिससे स्कूल जाने और कहीं आने जाने में आसानी हो जाए. उन्होंने इसके लिए खेतों में स्प्रे करने वाली पेट्रोल की मशीन जो किसान ने खराब होने के बाद कबाड़ में बेच दी थी. उसने उसको कबाड़ से खरीद कर मोटर निकालकर रिपेयर कर कुछ सामान मोटरसाइकिल का खरीदा और एक साइकिल पर कुछ बदलाव करते हुए उस मोटर को उस में फिट कर दिया. करीब 1 सप्ताह की मेहनत के बाद उसने उस साइकिल को बाइक में तब्दील कर दिया. अब यह जुगाड़ की बाइक करीब 30 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार पर चलती है और 1 लीटर में करीब 120 किलोमीटर का सफर तय कर देती है।

शेर को छेड़ोगे तो छोड़ेगा नहीं, जंगल के राजा से पंगा लेना शख्स को पड़ गया महंगा

इंस्टाग्राम earth.reel पर शेयर एक वीडियो को देख आपकी रूह कांप उठेगी. पिंजरे में बंद शेर को कमजोर समझकर एक शख्स उसके साथ पंगा लेने लगा. पिंजरे के बाहर से शेर को चिढ़ाकर छेड़ने लगा. उसके बाद जंगल के राजा ने जो किया वो देख लोग दंग रह गए.

पिंजरे में बंद शेर को छेड़ा तो जानवर ने दबोच लिया

सोशल मीडिया पर एक चिड़ियाघर का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. जिसमें पिंजरे में बंद शेर के पास एक शख्स खड़ा दिखाई दे रहा है. दरअसल जंगल के राजा को कैद में देखकर शख्स खुद को कुछ ज्यादा ही बहादुर समझने लगा था. वो शेर को कमजोर समझने की गलती कर बैठा था. इसी चक्कर में वो पिंजरे में बंद शेर को पिंजरे के बाहर से परेशान करने लगा. हाथ लगा लगाकर उसे छेड़ने लगा. शेर ने भी कुछ देर तक तो बर्दाश्त कर लिया शख्स के थम जाने का इंतजार किया. लेकिन जब फिर भी शख्स मानने को तैयार नहीं हुआ तो जंगल के राजा ने अपना असली रूप दिखा ही दिया. एक ही झपट्टे में शख्स का हाथ दबोच लिया.

इतनी खास क्यों है बन्नी भैंस, जिसका उल्लेख खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया

भारत में तकरीबन आधी सदी के बाद वर्ल्ड डेयरी समिट का आयोजन किया जा रहा है. इस 4 दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के मशहूर विशेषज्ञ अपना अनुभव किसानों से साझा करेंगे. साथ ही किसान भाइयों को सलाह भी देंगे, ताकि वे दुग्ध व्यवसाय से ज्यादा से ज्यादा कमाई कर सकें. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को ग्रेटर नोएडा में वर्ल्ड डेयरी समिट का उद्घाटन किया. इस मौके पर उन्होंने गुजरात के कच्छ इलाके में पायी जाने वाली बन्नी भैंस का उल्लेख किया. पीएम मोदी ने स्वदेशी पशुओं की प्रजाति का उल्लेख करते हुए बन्नी भैंस के बारे में खासकर विदेशी मेहमानों को अवगत कराने की कोशिश की. अब सवाल यह उठता है कि आखिर बन्नी भैंस इतनी खास क्यों है? इसकी क्या-क्या विशेषताएं हैं?

बन्नी भैंस का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद इसकी खासियत बताई. वर्ल्ड डेयरी समिट को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने बताया कि बन्नी भैंस कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी सर्वाइव करने के लिए जानी जाती है. उन्होंने कहा कि बन्नी भैंस कच्छ के रेगिस्तान और वहां की परिस्थितियों से ऐसे घुल-मिल गई हैं कि उनको देखकर कई बार हैरानी होती है. पीएम मोदी ने आगे बताया कि कच्छ के इलाकों में दिन के समय भीषण धूप होती है.

इसकी वजह से गर्मी भी बहुत होती है, ऐसे में बन्नी भैंस रात के कम तापमान में घास चरने के लिए निकलती है. उस समय पशुपालक उसके साथ नहीं होते हैं. वह गांवों के पास बने चारागाहों में खुद ही जाती है. पीएम मोदी ने बन्नी भैंस की खासियत गिनाते हुए कहा कि रेगिस्तानी इलाकों में पानी काफी कम मात्रा में पाया जाता है, ऐसे में इस प्रजाति की भैंस का काम काफी कम पानी से ही चल जाता है.

गवर्नमेंट हॉस्टल से 6 नाबालिग लड़कियां फरार

सिक्योरिटी गार्ड का दरवाजा बाहर से बंद किया; खिड़की को पत्थर से तोड़ा, ग्रिल तोड़ने में मिली बाहरी मदद

मुंबई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई के गोवंडी इलाके में बने राजकीय बालिका विशेष पुनर्वास केंद्र से छह नाबालिग लड़कियां भाग गईं। घटना रविवार रात की है। लड़कियों ने भागने के लिए हॉस्टल बाथरूम में बनी सीमेंट की खिड़की को पत्थर से तोड़ दिया। इसके लिए सुबह 3 से 4 बजे का वक्त चुना। भागने से पहले उन्होंने सिक्योरिटी गार्ड के कमरे का दरवाजा को बाहर से बंद कर दिया ताकि वह उनका पीछा न कर सके।

लड़कियों को मिली बाहरी मदद

पुलिस के मुताबिक किसी बाहरी शख्स ने इनकी भागने में मदद की है। क्योंकि उसी ने खिड़की के आगे लगी लोहे की ग्रिल को हटा दिया था। घटना का पता चलते ही हॉस्टल रजिस्टर से पता लगाया गया कि कौन-कौन हॉस्टल में है या नहीं, इसके बाद इन 6 की पहचान की गई। पुलिस ने लड़कियों के मददगार अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

जहां से रेस्क्यू किया वहीं पता लगाएगी पुलिस

मुंबई में अलग-अलग जांच एजेंसी मानव तस्करी, भिखारी गैंग जैसे अवैध काम करवाने वालों के खिलाफ काम करती है। ये लोग वहां से नाबालिग बच्चियों को रेस्क्यू करते हैं और गोवंडी के इसी हॉस्टल में रखते हैं। पुलिस इन लड़कियों का पता लगाने के लिए उसी जगह जांच करने वाली है जहां से उनका रेस्क्यू किया गया था। वहीं मददगार का पता लगाने पुलिस अलग-अलग सीसीटीवी फुटेज भी चेक कर रही है।

मरीज बचाने के लिए दौड़े डॉक्टर

बेंगलुरु में जाम लगा था, वक्त पर सर्जरी करने के लिए कार छोड़ी, 3 किमी दौड़कर हॉस्पिटल पहुंचे

बेंगलुरु, 12 सितंबर (एजेंसियां)। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से शहर बारिश से जूझ रहा है। इस बीच एक डॉक्टर ने अपने मरीज की जान बचाने के लिए ऐसा कदम उठाया जो दूसरों के लिए मिसाल बन गया है। ये डॉक्टर हैं मणिपाल हॉस्पिटल में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के सर्जन डॉ. गोविंद नंदकुमार। जो 30 अगस्त को एक अर्जेंट लेप्रोस्कोपिक गॉलब्लैडर की सर्जरी करने जा रहे थे, लेकिन वे सरजापुर-मराठल्ली पर जाम में फंस गए। डॉ. नंदकुमार ने ट्रैफिक देखकर सोचा कि देर होने से महिला की जान को खतरा हो सकता है इसलिए उन्होंने कार वहीं छोड़ दी और सर्जरी करने के लिए तीन किलोमीटर तक दौड़ लगाकर हॉस्पिटल पहुंचे।

12 दिन पुराना है वाकया

डॉ. नंद कुमार ने बताया कि वे सेंट्रल बेंगलुरु से मणिपाल अस्पताल, सरजापुर के लिए डेली ट्रैवल करते हैं। उस दिन भी वे टाइम से पहले घर से निकले। उनकी टीम सर्जरी के लिए पूरी तरह से तैयार थी। हैवी ट्रैफिक को देखते हुए उन्होंने कार को ड्राइवर के साथ छोड़ने का फैसला किया और बिना सोचे-समझे अस्पताल की ओर दौड़ लगा दी।

डॉक्टर नंदकुमार की टीम जो मरीज को एनेस्थीसिया देने के लिए तैयार थी, उनके ऑपरेशन थिएटर में पहुंचते ही हरकत में आ गई। बिना किसी देरी के डॉक्टर ने सर्जिकल ड्रेस पहना और ऑपरेशन किया। जो सफल रहा और महिला मरीज को समय पर छुट्टी दे दी गई।

ट्विटर पर शेयर की रनिंग की क्लिप

डॉक्टर नंद कुमार ने दौड़ने का एक शॉर्ट वीडियो भी बनाया था, जिसे उन्होंने सोमवार को शेयर किया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि- यह पहली बार नहीं है जब मुझे इस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा है। बेंगलुरु के कई हिस्सों में कई बार पैदल यात्रा करनी पड़ती है, कभी-कभी रेलवे लाइनों को पार करना पड़ता है। मैं चिंतित नहीं था, क्योंकि हमारे अस्पताल में एक मरीज की अच्छी देखभाल करने के लिए पर्याप्त स्टाफ और बुनियादी ढांचा है। छोटे अस्पतालों के लिए स्थिति समान नहीं हो सकती है।

लॉरेंस के टारगेट पर सलमान खान

चंडीगढ़, 12 सितंबर (एजेंसियां)। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस ने बॉलीवुड सुपर स्टार सलमान खान की फिर रेकी कराई है। रेकी करने के लिए कपिल पंडित और महाराष्ट्र का शार्प शूटर संतोष जाधव कई दिन मुंबई में रहे। कपिल पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के कत्ल का आरोपी है। इन सबको लॉरेंस का भांजा सचिन थापन लीड कर रहा था। यह खुलासा पंजाब पुलिस की कपिल पंडित से पूछताछ में हुआ है।

पंजाब पुलिस सलमान को धमकी की भी जांच में जुट गई है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि लॉरेंस ने गैंगस्टर संपत नेहरा और गोल्डी बराड़ के जरिए कपिल पंडित से अप्रोच किया था। लॉरेंस उसके जरिए सलमान खान को टारगेट करना चाहता था। कपिल ने लॉरेंस के भांजे सचिन थापन और महाराष्ट्र के शूटर संतोष जाधव के साथ मिलकर काफी वक्त मुंबई में बताया।

गुजरात में आप ऑफिस पर छापा

कुछ नहीं मिलने पर पुलिस ने फिर आने की बात कही केजरीवाल बोले- समर्थन से बौखला गई है भाजपा

अहमदाबाद, 12 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात में रविवार को आम आदमी पार्टी ऑफिस में पुलिस ने छापा मारा है। इसका दावा आप नेता इसुदान गढवी ने अपने ट्वीट में किया है।

उन्होंने कहा कि ऑफिस में पुलिस ने 2 घंटे तक तलाशी ली, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। जाते-जाते पुलिस ने यह भी कहा कि हम फिर आएंगे।

इस मामले में दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने कहा कि गुजरात की जनता से मिल रहे अपार समर्थन से भाजपा बुरी तरह बौखला गई है। आप पार्टी के पक्ष में गुजरात में आंधी चल रही है। इसीलिए बीजेपी सत्ता का दुरुपयोग कर हमारे ऑफिस पर रेड करवा रही है। गुजरात बीजेपी का गढ़ कहा जाता है, लेकिन पिछले कुछ महीनों से यहां आप पार्टी काफी एक्टिव है। इसी साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। सत्ता में आने के लिए पार्टी नेता और कार्यकर्त्ता खूब मेहनत कर रहे हैं। केजरीवाल रविवार शाम ही 2 दिन के गुजरात दौरे पर अहमदाबाद पहुंचे हैं।

दिल्ली हो या गुजरात, रेड में कुछ भी गलत नहीं मिलेगा। हम कट्टर ईमानदार और देशभक्त लोग हैं।
अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री

गुजरात के ऑफिस में छापा पड़ने के बाद सीएम केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने इससे पहले दिल्ली में भी हमारे कई नेताओं के यहां रेड करवाई थी, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। दिल्ली हो या गुजरात, इनको कुछ भी गलत नहीं मिलने वाला है। हम कट्टर ईमानदार और देशभक्त लोग हैं। गुजरात में सत्ता में आने के लिए केजरीवाल लगातार दौरा कर रहे हैं। रविवार शाम से 2 दिन के लिए अहमदाबाद पहुंचे हैं।

अरविंद केजरीवाल ने गुजरात सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सबसे ज्यादा ड्रग्स गुजरात के एक पोर्ट से आ रही है। यहां से ड्रग्स पंजाब और देश के बाकी राज्यों में जा रही है। अखबार में छपा था कि राज्य में 22000 करोड़ का ड्रग्स आया है। अपने दोस्तों को फायदा पहुंचाने के लिए इन लोगों ने पूरे देश के युवाओं को ताक पर रख दिया। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि गुजरात चुनाव नजदीक आते ही भाजपा का डर बढ़ता जा रहा है।

गुजरात चुनाव में भाजपा का एकमात्र लक्ष्य है कि किसी भी तरह आम आदमी पार्टी को रोकना। मैं भाजपा से पूछना चाहता हूं केजरीवाल जी से इतना डरते क्यों हो?

ट्रेलर से टकराई बस, मां-बेटा सहित 7 की मौत

कोरबा, 12 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर से रेणुकूट जा रही बस सोमवार तड़के हादसे का शिकार हो गई। कोरबा में तेज रफ्तार बस सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से जा टकराई। हादसे में 7 यात्रियों की मौत हो गई है। इनमें दो बच्चे और 2 महिलाएं भी शामिल हैं। जबकि 12 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया है। अभी तक सभी मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। हादसा बांगो थाना क्षेत्र में हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, रॉयल्स ट्रांसपोर्ट की लग्जरी बस स्लीपर कोच देर रात रायपुर से रेणुकूट के लिए निकली थी। बताया जा रहा है कि तड़के करीब 4 बजे बस कोरबा के पौड़ी उपरेड़ा में नेशनल हाईवे-130 पर पहुंची थी कि मड़ई के पास सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। एक तरफ से बस बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के दौरान लोग गहरी नींद में थे। टक्कर होते ही चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने सुबह हादसा देखा तो पुलिस को सूचना दी। इसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। हालांकि हादसे में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।

मृतकों में सीतापुर के घोंसू पंडरीपानी निवासी उषा लकड़ा (43) पत्नी अनिल कुमार लकड़ा, उनका 5 साल का बेटा रिलायंस लकड़ा, सीतापुर के चिड़ापारा निवासी अजय वरदान (40) और मैनपाट हाईस्कूल में टीचर सरगुजा के लुंड्रा निवासी रोहित सिंह (30) शामिल हैं। सभी घायलों को एंबुलेंस से स्थानीय उप स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। वहां से गंभीर घायलों को जिला अस्पताल कोरबा रेफर किया जा रहा है।

'स्कूल-कॉलेजों में हिंदुत्व पढ़ाएं'

डॉ. मनमोहन बोले- कांग्रेसियों के बाप-दादाओं ने संघ का तिरस्कार किया

रायपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। सोमवार को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य ने कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा और सोशल मीडिया पर संघ के खिलाफ किए पोस्ट पर तीखी प्रतिक्रिया दी। मीडिया से बात करते हुए डॉ वैद्य ने कहा कि कांग्रेसियों के बाप-दादा ने तो हमेशा संघ का तिरस्कार किया। मगर संघ बढ़ा, संघ क्यों बढ़ा, क्योंकि राष्ट्र के लिए सत्य सिद्धांत पर काम करता रहा। दरअसल, बीते तीन दिनों से जो बैठक रायपुर में संघ कर रहा था, ये बातचीत उसी को लेकर थी। इस बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे। संघ की विचारधारा के तहत काम कर रहे देश के 36 संगठनों के 250 से अधिक प्रमुख लोग इस बैठक में शामिल थे। सोमवार को ये बैठक खत्म हुई। एयरपोर्ट के पास मानस भवन में चली बैठक के बाद संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य ने अहम जानकारी दी। बैठक में शामिल संघ प्रमुख मोहन भागवत ने देश के सभी संगठनों से चर्चा की। तय किया गया कि, आने वाले दिनों में देश में कुछ सकारात्मक बदलावों पर काम होना चाहिए। इसमें देश के स्कूल कॉलेजों में हिंदुत्व के कोर्स की बात भी है। संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य ने कहा कि बैठक में ये तय किया गया कि देश के विद्यापीठों में हिंदुत्व की पढ़ाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यूएस और यूके में हिंदुत्व पर पढ़ाई हो रही है तो यहां भी होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जीडीपी के बजाए भारतीय मानक इंडेक्स तैयार करने पर भी विचार किया गया।

हिंदू राष्ट्र पर भी बोले

क्या भारत हिंदू राष्ट्र घोषित होगा। इसके जवाब में संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य ने कहा राष्ट्र मतलब समाज होता है तो समाज यहां हिंदू ही है, रविंद्र नाथ टैगोर ने एक बात कही थी। उन्होंने अनेकता में एकता देखना यही भारत के अंतर में पड़ा धर्म है। कहा तो धर्म का मतलब यहां रिलिजन से नहीं है।

कोयला तस्करी मामला : पूछताछ के लिए फिर ईडी दफ्तर पहुंचीं अभिषेक बनर्जी की साली

कोलकाता, 12 सितंबर (एजेंसियां)। कोयला तस्करी मामला में प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) द्वारा दोबारा समन भेजे जाने के बाद आज अभिषेक बनर्जी की साली मेनका गंभीर एक बार फिर से ईडी दफ्तर पहुंचीं हैं। थोड़ी देर में उनसे पूछताछ की जाएगी। दरअसल, एजेंसी ने मेनका को गलती से 12 सितंबर के दोपहर 12.30 की जगह 11 सितंबर की देर रात 12:30 में पेश होने के लिए नोटिस जारी कर दिया था। मेनका गंभीर जब देर रात ईडी दफ्तर पहुंचीं तो अधिकारी ऑफिस में ताला मारकर जा चुके थे।

10 सितंबर को विदेश जाने से रोका गया था

मेनका गंभीर को 10 सितंबर को कोलकाता हवाई अड्डे पर ईडी के अधिकारियों ने विदेश जाने से रोक दिया था और कार्यालय में पेश होने के लिए समन सौंप दिया था। लेकिन समन में पूछताछ के लिए दिया गया समय गलती से मिसप्रिंट हो गया था।

हाईकोर्ट ने कोलकाता में ही पूछताछ करने के दिए थे निर्देश

गौरतलब है कि अगस्त में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने ईडी को निर्देश दिया कि वह गंभीर से कोलकाता में उसके क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ करे, न कि दिल्ली में और साथ ही सुनवाई की अगली तारीख तक उसके खिलाफ कठोर कदम न उठाए।

क्या है मामला और अभिषेक की साली पर क्या है आरोप?

बता दें कि कोयला तस्करी मामले का मास्टरमाइंड अनूप माझी उर्फ लाला है। आरोप है कि वह अभिषेक बनर्जी का खास रहा है। लाला के खाते से कोयला तस्करी मामले से जुड़े अरबों रुपये का ट्रांसफर विदेश किया गया है।

इसमें अभिषेक बनर्जी की पत्नी रुजीरा बनर्जी और उनकी साली मेनका गंभीर के बैंकॉक स्थित खाते का इस्तेमाल हुआ है। दोनों मूल रूप से बैंकॉक में ही पली बढ़ी हैं और उनके मां-बाप वहीं रहते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 13 सितंबर, 2022

सु वि चा र

जब तक धनिक-वर्ग स्वेच्छापूर्वक अपना धन त्याग नहीं देते, उसे जनता की अमानत समझ कर खर्च नहीं करते, तब तक हिंसात्मक क्रांति अनिवार्य है।

केंद्र पर झूठे आरोप लगा रहे हैं केसीआर : बंडी

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने सोमवार को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर केंद्र के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए कहा कि उसने बिजली बिल पेश किया है जिससे राज्यों के लिए कृषि पंप सेट के लिए बिजली मीटर लगाना अनिवार्य हो गया है। चौथे चरण की प्रजा संग्राम यात्रा शुरू करने से पहले शहर के बाहरी इलाके कुतुबुल्लापुर में रामलीला मैदान में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए संजय ने कहा कि केसीआर ने कुछ पुराने कागजात दिखाकर राज्य विधानसभा को पूरी तरह से गुमराह किया है।

प्रस्तावित बिजली (संशोधन) विधेयक को प्रदर्शित करते हुए, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यहाँ बिल है। इसमें केसीआर बता दें कि जैसे वे कहते हैं कि कृषि पंप सेटों पर मीटर लगाने का प्रावधान है। अगर मैं गलत हूं तो मैं अपनी एमपी सीट छोड़ दूंगा। अगर नहीं तो उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए और लोगों से माफी मांगनी चाहिए।

यह कहते हुए कि वह केसीआर को गलत साबित करने के लिए तैयार हैं, संजय ने आरोप लगाया कि तेलंगाना सरकार कृषि पंप सेटों पर मीटर लगाने के नाम पर बिजली की दरें बढ़ाकर 4,000 करोड़ रुपये का और बोझ डालने की कोशिश कर रही है और केंद्र पर दोष मढ़ रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मीटर लगाए गए तो हम प्रगति भवन की दीवारें तोड़ देंगे।

मुख्यमंत्री द्वारा लगाए गए इस आरोप पर कि केंद्र तेलंगाना सरकार पर सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) की संपत्ति बेचने का दबाव बना रहा है, संजय ने कहा कि यह केसीआर हैं, जो डिपो सहित टीएसआरटीसी की संपत्ति को पट्टे पर देने की साजिश कर रहे हैं और 99 साल के लिए आरटीसी की सभी संपत्तियों को अपने परिवार के सदस्यों के नाम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम किसी भी कीमत पर आरटीसी संपत्तियों के निजीकरण की अनुमति नहीं देंगे।"

खुद को एक राष्ट्रीय नेता के रूप में पेश करने वाले टीआरएस प्रमुख का उपहास उड़ाते हुए, भाजपा नेता ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रगति भवन को वर्चुअल केसीआर बार एंड रेस्टोरेंट में तब्दील कर दिया है।

महापौर ने किया काटेदन फुट ओवर ब्रिज का शुभारंभ

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर सर्किल स्वप्ना थियेटर काटेदान चारमीनार अंचल में महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने राजेंद्र नगर विधायक प्रकाश गौड़ के साथ 350 लाख की लागत से बने फुटओवर ब्रिज का उद्घाटन किया। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि अब तक 7 फुट ओवर ब्रिज उपलब्ध कराए जा चुके हैं और 22 फुट ओवर ब्रिज प्रगति के विभिन्न चरणों में हैं। उन्होंने कहा कि यह फुटओवर ब्रिज कटेदन क्षेत्र के करीब 5 हजार लोगों के काम आएगा। उन्होंने कहा कि इससे राहगीरों को होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी। कैटेडन फुट ओवर ब्रिज 21 मीटर लंबा है और इसे जनता की सुविधा के लिए उन्नत तरीके से बनाया गया है। इस कार्यक्रम में मैलारदेवप्लली पार्षद टोकला श्रीनिवास रेड्डी, चारमीनार जोन एससी नरसिंह राव, ईई नरेंद्र गौड़, उपायुक्त राजू नाइक इंजीनियरिंग अधिकारी और अन्य ने भाग लिया। इसके बाद महापौर ने अप्पा तालाब से राष्ट्रीय राजमार्ग 44 करोड़ की लागत से बनने वाले बाक्स ड्रेन कार्यों का निरीक्षण किया गया।

लगातार बारिश की स्थिति को देखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में पटरियों की निगरानी तेज करें : जैन

दमरे जीएम ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाप्रबंधक (प्रभारी), दमरे अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे क्षेत्र में भारी बारिश को देखते हुए सुरक्षा तैयारियों पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ ही सभी छह मंडलों विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने भी वेब कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में भाग लिया। महाप्रबंधक ने पूरे क्षेत्र में लगातार बारिश की स्थिति के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में ट्रैक सुरक्षा की निगरानी को तेज करने पर जोर दिया। ट्रेनों की सुरक्षा और परेशानी मुक्त परिवहन सुनिश्चित करने के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को हाई अलर्ट पर रहने की जरूरत है। उन्होंने अधिकारियों को असुरक्षित स्थितियों को रोकने के लिए ट्रैक, पुलों और भारी वर्षा वाले स्थानों सहित सभी चिन्हित

संवेदनशील वर्गों पर गश्त तेज करने का निर्देश दिया। श्री जैन ने संबंधित अधिकारियों द्वारा देखे गए सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की और किसी भी असामान्य घटना की घटना से बचने के लिए डीआरएम को मेगा सुरक्षा अभियान चलाने का सुझाव दिया। महाप्रबंधक ने सभी डीआरएम के साथ जोन के समयपालन की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को यात्री ट्रेनों और मालगाड़ियों में मानकों के अनुसार समय की पाबंदी बनाए रखने का भी निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने अंचल में 130 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति से ट्रेनों के संचालन पर प्राप्त सांख्यिकीय आंकड़ों की समीक्षा की और एक्सप्रेस ट्रेनों के चलने के समय में सुधार पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को बढ़ी हुई गति सीमा से संबंधित परिणामों का ध्यानपूर्वक निरीक्षण करने की सलाह दी। महाप्रबंधक ने क्षेत्र में व्यवसाय विकास के प्रयासों की प्रगति पर भी चर्चा की। अधिकारियों ने महाप्रबंधक को सूचित किया कि राजस्व के अतिरिक्त स्रोतों को जोड़ने के लिए इंडिया पोस्ट और टीएसआरटीसी के नए व्यापारिक संगठनों के साथ चर्चा चल रही है। उन्होंने अतिरिक्त लूप लाइनों/इंटरलॉकिंग कार्यों/यातायात सुविधा कार्यों और ढांचागत विकास कार्यों से संबंधित चल रहे कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। महाप्रबंधक ने परिचालन लचीलेपन में सुधार और कम समय में मालगाड़ियों की अधिक लोडिंग / अनलोडिंग को संभालने के लिए साइडिंग के रीमॉडलिंग के कार्यों की भी समीक्षा की।

शांति दूत और सभी पर प्रेम की वर्षा करते हैं अग्रसेनजी : उज्ज्वल गर्ग

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा श्री अग्र भागवत कथा

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा रजत जयंती अग्रसेन जयंती उत्सव के तहत शमशाबाद स्थित अतिथि कन्वेंशन में आयोजित श्री अग्र भागवत कथा में व्यासपीठ से कथाव्यास उज्ज्वल गर्ग ने महाराजा श्री अग्रसेनजी की कथा बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेनजी सच्चे समाजवाद के प्रवर्तक, राम राज्य की स्थापना के समर्थक एवं दानवीर थे। उन्होंने महाराजा श्री अग्रसेनजी के संबंध में कहा कि महाराजा अग्रसेन एक सूर्यवंशी क्षत्रिय राजा थे। वे एक धार्मिक, शांति दूत और सभी पर प्रेम और वात्सल्य की वर्षा करते थे।

हिंसा का हमेशा ही विरोध किया और बलि प्रथा को बंद करवाया। सब जीवों से प्रेम, स्नेह रखने वाले दयालु राजा थे। महाराजा अग्रसेन भगवान राम के पुत्र कुश की 34वीं पीढ़ी के हैं। 15 वर्ष की आयु में, अग्रसेनजी ने पांडवों के पक्ष से महाभारत में युद्ध किया। वे अग्रोदय नामक गणराज्य के महाराजा थे, जिसकी राजधानी अग्रोहा थी।

श्री उज्वल गर्ग ने आगे कहा कि कुछ समय बाद महाराज अग्रसेन ने अपने प्रजाजनों की खुशहाली के लिए काशी नगरी जाकर शिवजी की घोर तपस्या की और भगवान शिव ने प्रसन्न होकर उन्हें माँ लक्ष्मी की तपस्या करने की सलाह दो। माँ लक्ष्मी ने परोपकार हेतु की गई तपस्या से खुश हो उन्हें दर्शन दिए और कहा कि अपना एक नया राज्य बनाएं और क्षात्र धर्म का पालन करते हुवे अपने राज्य तथा प्रजा का पालन पोषण व रक्षा कर। उनका राज्य हमेशा धन-धान्यः से परिपूर्ण होने का आशीर्वाद दिया। कथा के दौरान महाराजा अग्रसेनजी के विवाह की बारात धूमधाम से निकाली गयी जिसमें समाजबंधुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया।

अवसर पर भागवत कथा वाचक टीम सहयोगी धीरज खेतान, कथा सहयोगी अतिथि कन्वेंशन, टीम आवास एवं भोजन व्यवस्था में विमल केडिया, स्थानीय परिवहन में विशंभर अग्रवाल, मध्याह्न भोजन व चाय में निरंजन पंसारी महाआरती सहयोगी तुलसीराम विजय कुमार बंसल, उमेश सुरेश गुप्ता, दुर्गाप्रसाद विजय कुमार तुलस्यान, विश्वंभर अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, भरत रिंकू गर्ग, विजय कुमार योगेश जिन्दल, रामनिरंजन विनोद सौंथलिया, डॉ. विश्वनाथ संजय संघी, नथमल संजय गुप्ता, सुरेन्द्र अग्रवाल, विशम्भरलाल सुनील पंसारी, आयोजन समिति अशोक जिन्दल, संजय गुप्ता, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, पंकज केडिया, अंजन कुमार सरावगी, पंकज संघी, कृष्ण कुमार अग्रवाल, ललित अग्रवाल, वीरेंद्र अग्रवाल, विजय बंसल, प्रदीप अग्रवाल, विशम्भर अग्रवाल, विजय अग्रवाल, तरुण तुलस्यान, विमल केडिया, अशोक आर. डाणी व अन्य ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष एवं जयंती प्रधान संयोजक डॉ. दिलीप कुमार पंसारी, मानद मंत्री कपूरचन्द गुप्ता, संयुक्त मंत्री सतीश कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष एवं जयंती संयोजक राकेश जालान व अन्य उपस्थित थे।

सीएम ने कलेक्टरों और एसपी को सतर्क रहने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने आज मुख्य सचिव को कोत्तागुडेम और मुलुगु सहित गोदावरी जलग्रहण क्षेत्र के सभी जिलों के कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को भारी बारिश की पृष्ठभूमि में सतर्क करने का निर्देश दिया। गोदावरी का बाढ़ प्रवाह लगातार बढ़ रहा है और नौ लाख क्यूसेक को पार कर रहा है। इस संबंध में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने उन्हें सचिवालय में तत्काल नियंत्रण कक्ष स्थापित करने और समय-समय पर स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिए।

एमएलसी कविता कोविड-19 पॉजिटिव

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीएसआर) की एमएलसी के. कविता ने सीओवीआईडी-19 के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है। टीआरएस एमएलसी ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए इस बात का खुलासा किया। "फ्लू जैसे लक्षण विकसित होने के बाद, मैंने कोविड-19 के लिए अपना स्वयं का परीक्षण किया और मेरी रिपोर्ट सकारात्मक है। मैं उन सभी से अनुरोध करती हूं जो पिछले 48 घंटों में मेरे संपर्क में आए हैं, यदि आप कोई लक्षण विकसित करते हैं, तो कृपया अलग हो जाएं और अपना परीक्षण करवाएं।

360 किलो गांजे के साथ छह गिरफ्तार, तीन वाहन बरामद

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने विशाखापत्तनम से संचालित एक अंतरराज्यीय गांजा तस्करी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। यह गिरोह हैदराबाद के रास्ते महाराष्ट्र में गांजा तस्करी करता था। राचकोंडा स्पेशल ऑपरेशंस टीम ने चौटुप्पल पुलिस के साथ इस गिरोह के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने 360 किलोग्राम गांजा और तीन कारों को जब्त किया है। बरामद संपत्ति का मूल कुल कीमत 1.2 करोड़ रुपये बतायी जा रही है। इस मामले की जानकारी देते हुए राचकोंडा के पुलिस ऑयुक्त महेश एम भागवत ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में दोलेश्वरम से पवन कुमार, एलुरु से एम सुधीर बाबू, राजमंड्री से के लोवा राज, एलुरु से एम तेजा, बेगम बाजार से पी मनोहर तम्बोले और महाराष्ट्र के संतोष घंटे शामिल है। तीन आरोपी जीतू, बाबा और मंगेश फरार हो गए। पवन कुमार पहले इसी तरह के एक मामले में शमशाबाद ग्रामीण पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था। यह विशाखापत्तनम के मुख्य खरीददार जीतू के साथ संपर्क में था, जिसने उसे हैदराबाद के बाहरी इलाके में ग्राहकों को गांजा असाइनमेंट सुरक्षित रूप से वितरित करने के लिए 2 लाख रुपये का वादा किया था। पुलिस ने कहा कि वे वैजाग से कारों में गांजा लेकर आ रहे थे। इसी बीच चौटुप्पल में पकड़े गए।

उत्तम ने बीआर अंबेडकर के नाम पर नए संसद भवन का नाम रखने की मांग का समर्थन किया

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद और टीपीसीसी के पूर्व अध्यक्ष एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने नए संसद भवन का नामकरण डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के नाम पर रखने का समर्थन किया। क्रांतिकारी कवि गदर ने अखिल भारतीय एससी/एसटी संगठनों के प्रतिनिधियों व प्रदेश अध्यक्ष के. महेश्वर राज के साथ बंजारा हिल्स आवास पर उत्तम कुमार रेड्डी से मुलाकात की। उन्होंने उनसे नए संसद भवन का नाम डॉ. बी.आर. अम्बेडकर संसद भवन और उसके परिसर में डॉ अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करें। उत्तम कुमार रेड्डी ने कवि गदर और अन्य को आश्वासन दिया कि वह राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ इस मुद्दे को उठाएंगे। उन्होंने कहा कि वह इस विचार का पूर्ण समर्थन करते हैं कि नए संसद भवन का नाम भारतीय संविधान के निर्माता डॉ अंबेडकर के नाम पर रखा जाना चाहिए। कांग्रेस सांसद ने कहा कि नए संसद भवन का नाम डॉ अंबेडकर के नाम पर रखना और परिसर में एक विशाल प्रतिमा की स्थापना भारत के लोगों द्वारा भारतीय संसदीय प्रणाली के लेखक भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। "केंद्र की भाजपा सरकार इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है और देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले हजारों स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को मिटाने की कोशिश कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार शहरों, स्थानों और स्मारकों के नाम बदलने पर गर्व करती है। लेकिन इसने भारत के वास्तविक स्वतंत्रता सेनानियों और वास्तुकारों की यादों को याद करने और उन्हें बहाल करने के लिए कभी कुछ नहीं किया।" उत्तम कुमार ने कहा कि जब से 10 दिसंबर, 2020 को इसकी आधारशिला रखी गई थी, तब से डॉ अंबेडकर के नाम पर नए संसद भवन का नाम रखने की मांग की जा रही थी। भाजपा सरकार को तुरंत मांग माननी चाहिए थी।

केंद्रीय विद्युत विधेयक पर परिषद में हुई अल्पकालिक चर्चा

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधान परिषद में आज केंद्रीय विद्युत विधेयक और इसके प्रभावों पर एक अल्पकालिक चर्चा हुई। सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी एमएलसी चारी ने विधेयक पर चर्चा शुरू की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने याद किया कि राज्य में एक बार बिजली कनेक्शन लेने के लिए काफी लॉबिंग की जाती थी। उन्होंने कहा कि राज्य की स्थापित बिजली क्षमता इसकी स्थापना के समय 7778 मेगावाट थी और कहा कि स्थापित बिजली क्षमता अब 17665 मेगावाट तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अलग तेलंगाना राज्य में पिछले दस वर्षों के दौरान स्थापित बिजली क्षमता में 10,000 मेगावाट की वृद्धि की है। चारी ने कहा कि राज्य की प्रति व्यक्ति बिजली खपत राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति बिजली खपत से अधिक है। यह याद करते हुए कि अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य में पीक आवर्स बिजली की मांग 5600 मेगावाट हुआ करती थी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य में पीक आवर्स बिजली की मांग 14060 मेगावाट हो गई है। विकास सूचकांक में बिजली की खपत को पहला विषय बताते हुए उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय स्तर पर बहुत खराब है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार तेलंगाना राज्य के लिए समस्याएं पैदा कर रही है और कहा कि केंद्र भी कठोर सुधारों के साथ आ रहा है। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार बिजली सुधारों के नाम पर देश को नीचा न दिखाए और प्रस्तावित बिजली संशोधन विधेयक को वापस लेने की मांग की। चर्चा में हिस्सा लेते हुए कांग्रेस एमएलसी टी. जीवन रेड्डी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ऐसे फैसले ले रही है, जो देश के संघवाद की भावना के खिलाफ हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी केंद्र सरकार के कृषि मोटरों में बिजली के मीटर लगाने के फैसले का विरोध कर रही है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार पिछले साल जनवरी से राज्य के कृषि क्षेत्र को आपूर्ति की गई बिजली का विवरण शामिल करते हुए बिजली की आपूर्ति के मुद्दे पर एक श्वेत पत्र जारी करे। यह देखते हुए कि ओवरलोड की समस्या के कारण कई ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं, उन्होंने राज्य सरकार से नौ घंटे की गुणवत्ता की आपूर्ति की मांग करते हुए घंटे की परवाह किए बिना गुणवत्तापूर्ण बिजली प्रदान करने को कहा। उन्होंने राज्य सरकार को बताया कि हाल ही में उनके जगितियाल जिले में 20 ट्रांसफार्मर जल गए थे। उन्होंने राज्य सरकार से कहा कि तेलंगाना में कृषि क्षेत्र को 24 घंटे मुफ्त बिजली देना संभव नहीं है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार लाइनमैन और जूनियर लाइनमैन के रिक्त पदों को तत्काल भरे। कांग्रेस एमएलसी जीवन रेड्डी की मांगों के जवाब में, टीआरएस एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने सोचा कि क्या जीवन रेड्डी अभी भी इस धारणा के तहत थे कि वह एपी विधानसभा में बात कर रहे थे?

उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में ओवरलोड की समस्या नहीं है और उन्होंने कहा कि उन्होंने तेलंगाना में बिजली आपूर्ति के लिए 32000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। यह कहते हुए कि राज्य में 26 लाख बिजली कनेक्शन हैं, उन्होंने कहा कि राज्य में 4.5 लाख अवैध बिजली कनेक्शन भी हैं, जिनकी कुल संख्या 30 लाख है। उन्होंने जीवन रेड्डी से अनुरोध किया कि वे ट्रांसफार्मर जलने के मुद्दे को उनके संज्ञान में लाएं।

हैदराबाद में 18 सितंबर को होगी 'ओजोन रन'

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद देश की अपनी तरह का पहला 'ओजोन रन' देखने के लिए तैयार है, जिसका मिशन धरती माता और ओजोन परत को बचाने के लिए नागरिकों के बीच जागरूकता बढ़ाने के मिशन के साथ सूर्य की पराबैंगनी विकिरण से रक्षा करना है। 10 किलोमीटर की दौड़ में सभी क्षेत्रों के लोग भाग ले सकते है। रन 18 सितंबर को ओजोन परत के संरक्षण के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के दो दिन बाद आयोजित की जाएगी। सेव वॉटर एंड नेचर (स्वान) की संस्थापक मेघना मुसुनुरी, टीआरएस सांसद जोगिनपल्ली संतोष कुमार ने बिल्वो वन्नम और क्लाइमेट एक्शन एंबेसडर तीरधा वुन्नम के साथ रविवार को यहां 'ओजोन रन' का पोस्टर लॉन्च किया। इस अवसर पर बोलते हुए, संतोष कुमार ने कहा, "इस आयोजन की सफलता जन भागीदारी, सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने और धरती माता के प्रति जिम्मेदारी की भावना में निहित है।

सिक्योरिटी गार्ड का शव बिहार के लिए रवाना

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीडीमेटला में संदिग्ध परिस्थितियों में मरे सिक्योरिटी गार्ड प्रभात कुमार (25) का गांधी अस्पताल, सिकंदराबाद में पोस्टमार्टम हो गया।

बिहार सेवा समाज संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा और मृत गार्ड के गांव के रहने वाले अखिलेश शर्मा ने पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करवाकर शव को एम्बुलेंश से बिहार भेज दिया। गार्ड के शव के साथ छपरा जिले के तरैया गांव के संतोष कुमार साह जा रहे है। मृत सिक्योरिटी गार्ड प्रभात कुमार बिहार के अरवल जिले का रहने वाला है। वह एक निजी सिक्योरिटी कंपनी के लिए काम करता था। वह ड्यूटी करने के बाद अपने कमरे सो रहा था। शौचालय में उसकी लाश मिली थी। आशंका जताई जा रही थी कि दिल का दौरा पड़ने के कारण भी उसका निधन हो सकता है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। मृत प्रभात का हैदराबाद में कोई नहीं है। शव को पोस्टमार्टम के बाद आज दोपहर बिहार के लिए रवाना कर दिया गया।

सिक्योरिटी कंपनी ने भी शांतिपूर्ण माहौल में संवेदना के आधार पर मृत गार्ड के शव को बिहार भेजवाने के लिए एम्बुलेंश आदि की व्यवस्था कर दी। हालांकि अब पोस्टमार्टम के बाद ही स्थिति साफ होगी।

नीतीश कुमार को एक और झटका

जेडीयू प्रवक्ता निखिल मंडल ने दिया इस्तीफा, लड़ सकते हैं 2024 का चुनाव

पटना, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में गहमागहमी का माहौल एक बार फिर दिखाई दिया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तरफ से भारतीय जनता पार्टी से नाता तोड़ने और राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन में शामिल होने के एक महीने बाद जेडीयू प्रवक्ता निखिल मंडल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रवक्ता निखिल मंडल ने निजी कारणों का हवाला देते इस छोड़ा है। जदयू ने साल 2016 में निखिल मंडल को प्रवक्ता बनाया था।

सूत्रों के अनुसार, जदयू और राजद के हाथ मिलाने से राज्य में राजनीतिक समीकरण बदलने के बाद मंडल को साल 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में टिकट मिलने को लेकर अनिश्चितता थी। वह साल 2024 में मधेपुरा से लोकसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। मंडल पिछले कुछ महीनों से अपने निर्वाचन क्षेत्र में काफी समय बिता रहे हैं। निखिल मंडल ने ट्विटर हैंडल पर लिखा,'इस 6 साल 7 महीने 12 दिनों में मुझे सभी मीडिया साथियों का अपार प्यार और

सम्मान मिला, जिसके लिए मैं आप सभी का दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।'

नए गठबंधन के बाद बदल रहे सियासी समीकरण

निखिल मंडल ने बिहार की मधेपुरा सीट से साल 2020 का विधानसभा चुनाव लड़ा था। जहां वह राष्ट्रीय जनता दल के डॉ चंद्रशेखर से हार गए थे। हाल ही में जदयू के महागठबंधन से हाथ मिलाने के बाद चंद्रशेखर नीतीश कुमार सरकार में शिक्षा मंत्री हैं। इसके अलावा वह राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और उनके बेटे तेजस्वी यादव के बहुत आलोचक थे, जब वे विपक्ष में थे। राज्य में नई सरकार बनने के बाद अब वह भ्रष्टाचार के मुद्दे पर लालू परिवार का बचाव करने के लिए खुद को मुश्किल स्थिति में पाते हैं।

प्रशांत किशोर ने भी नीतीश के खिलाफ खोला मोर्चा

बिहार में एनडीए गठबंधन छोड़कर महागठबंधन की सरकार बनाने के बाद से नीतीश कुमार पर लगातार हमले हो रहे हैं। राज्य का मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने जंगलराज की चर्चा शुरू कर दी। नीतीश कुमार ने भी इन हमलों का जवाब देते हुए कहा था कि बिहार में जंगलराज नहीं जनता का राज है। वहीं चुनावी रणनीतिकार और कभी नीतीश कुमार के साथ रहे प्रशांत किशोर ने भी नीतीश के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। उन्होंने नीतीश कुमार पर हमला बोलेते हुए कहा था, 'बिहार में पिछले 10 सालों में लगातार सियासी उठापटक रही लेकिन मुख्यमंत्री की कुर्सी पर एक ही आदमी बैठा वो नीतीश कुमार। उन्होंने कहा ऐसा लगता है कि सीएम की कुर्सी और नीतीश कुमार के बीच फेविकोल से भी मजबूत जोड़ लग गया है।'

सुभासपा के बागी नेता रामजीत राजभर ने सीएम योगी से की ओपी राजभर के कार्यालय की जांच कराने की मांग

बोले- जमीन नहर की और पैसा मुख्तार का

सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के बागी नेता रामजीत राजभर ने पार्टी प्रमुख ओपी राजभर पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने ओपी राजभर पर मुख्तार अंसारी से फंडिंग लेने और सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप लगाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ओपी राजभर के कार्यलाय की जांच करवाने की भी मांग की है।

रामजीत राजभर ने कहा कि वह सरकारी जमीन है और नहर पर ओपी राजभर ने मकान बनाया है। मैं मुख्यमंत्री से मांग करना चाहता हूं कि उसकी जांच करवाकर उसे धाराशायी करवाने का काम करें। उन्होंने यही भी आरोप लगाया कि ओपी राजभर के कार्यालय में मुख्तार अंसारी का पैसा लगा है।

रामजीत ने कहा कि उन्होंने पहली बार कौमी एकता दल के साथ गठबंधन किया था और उनसे पैसा लेकर राजभर ने केंद्रीय कार्यालय बनवाया था। उन्होंने आगे कहा, “राजभर समाज आज के समय में उनसे सवाल कर रहा है कि जब आप 2017 में विधायक बने तो उससे पहले आपके पास पैसा कैसे आया। इससे जाहिर होता है कि पहला गठबंधन मुख्तार अंसारी से किया था और उनसे पैसा लेकर कार्यालय बनवाया।” उनका यह भी कहना है कि इस कार्यालय में उनका पूरा परिवार रहता है और सिर्फ कार्यलाय के नाम पर यह खोला गया है।

योगी के मंत्री अनिल राजभर ने भी बोला हमला

इससे पहले योगी सरकार में मंत्री अनिल राजभर ने भी ओपी राजभर पर जमकर हमला बोला था। उन्होंने राजभर को मीडिया के मनोरंजन का साधन करार दिया था। उन्होंने सुभासपा प्रमुख पर तंज कसते हुए कहा था कि मुख्तार अंसारी के साथ गाड़ी में बैठ कर चलने वाले आज कानून व्यवस्था की बात कर रहे हैं। ऐसे नकारात्मक राजनीति का अंत होना ही चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने राजभर पर सियासी तंज कसते हुए कहा था कि वह राजनीतिक सहारा तलाश रहे हैं, वह जानते हैं कि उनका भला सिर्फ पीएम मोदी ही कर सकते हैं। इसके साथ ही अनिल राजभर ने साफ किया कि बीजेपी में ओपी राजभर के लिए नो वैकेंसी है।

झूटी रिपोर्ट पर चल रहा कृषि विभाग

भरी सभा में मंत्री ने खोली नीतीश सरकार की पोल

कैमूर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार सरकार के कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने अपनी ही सरकार पर जोरदार हमला बोला है। कैमूर में एक सभा को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री ने खुले मंच से कहा कि अधिकारी झूटे आंकड़ों के आधार पर विभाग को चला रहे हैं। राज्य में सूखे की स्थिति पर उन्होनें विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि अधिकारी आंकड़ों का खेल बंद करें। उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया कि झूटी रिपोर्ट करने की आदत में सुधार लाएं नहीं तो कार्रवाई की जाएगी। सुधाकर सिंह ने कहा कि जमुई और मुंगेर जिले में एकदम सूखा पड़ा है। लेकिन, रिपोर्ट की जा रही है कि वहां कैमूर से भी अच्छा पानी हुआ है। फसल लहलहा रही है। यह बातें कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने कही। वह चांद चौक पर संघर्ष समिति एवं महागठबंधन द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह सह स्वागत सभा में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बीज से लेकर बाजार तक में व्याप्त खामियों को दूर की जाएगी। बदलाव की व्यवस्था की जा रही है।

समारोह के विशिष्ट अतिथि भभुआ विधायक भरत बिंद ने कहा कि महागठबंधन की सरकार धरातलीय काम करेगी। खाद के साथ सल्फर व एंजाइम बेचने पर रोक लगेगी। अध्यक्षता वयोवृद्ध दिवान फखरुद्दीन खां एव संचालन राजद के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्यामलाल यादव ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत कृषि मंत्री सुधाकर सिंह एवं भभुआ विधायक भरत बिंद को केकड़ा स्थित प्रखंड बार्डर पर दर्जनों बाइक के साथ किसान नेता अभिमन्यु सिंह ने माला पहना कर की। आगे-आगे बाइक सवार जिन्दाबाद का नारा लगाते हुए कृषि मंत्री के काफिला को लेकर चांद चौक पर पहुंचे।

कानपुर-वाराणसी में कल से फिर शुरू होगा बरसात का दौर

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। वाराणसी और कानपुर में सोमवार दोपहर बारिश हुई। इससे लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है। कई इलाकों में सड़कों पर भारी गया।

मौसम विभाग ने बताया, बंगाल की खाड़ी में बने डिप्रेशन की चलते मध्य प्रदेश होते हुए यूपी में बारिश हो सकती है। अगले 10 दिनों तक मानसून रहेगा। अगले 24 घंटे में मानसून एक्टिव होगा और बरसात होगी।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में आज बादल छाए रहेंगे और ठंडी हवाएं चलेंगी और कुछ क्षेत्रों में ज्यादा बारिश होगी। 24 घंटे में 0.7 मिली मीटर बारिश पूरे प्रदेश भर में रिकॉर्ड की गई।

यूपी के पड़ोसी राज्य उत्तराखंड में बादल फटने से कई जिले में भारी बारिश हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिले में सोमवार को बारिश होगी। अगले 10 दिनों तक सक्रिय रहने वाले मानसून का असर मंगलवार से देखने को मिल सकता है। अनुमान लगाया जा रहा है कि 13 से 14 सितंबर से बारिश होगी। फिलहाल पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ही बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौजूदा समय में मानसून सहारनपुर में एक्टिव है।

अब तक हुई मानसून की बारिश का हाल

आंचलिक विज्ञान केंद्र के निदेशक जेपी गुप्ता बताते हैं, बीते 24 घंटे में औसत अनुमान से 88% बारिश कम हुई है। मानसून शुरू होने से लेकर अब तक 48% बारिश कम हुई है। अनुमान लगाया रहा था 665.2 मिली मीटर बारिश 11 सितंबर तक होगी। लेकिन 351.5 मिलीमीटर बारिश ही हो पाई है।

जदयू अध्यक्ष से मिलने के बाद लेसी सिंह के बदले तेवर

बोलीं – बीमा भारती के खिलाफ अब कोई मामला नहीं

पटना, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बीमा भारती और लेसी सिंह के बीच छिड़ी आपसी जंग में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेसी सिंह ने जदयू अध्यक्ष ललन सिंह से मुलाकात की। मुलाकात के बाद लेसी सिंह के तेवर बदले हुए नजर आये। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेसी सिंह ने कहा है कि अब जदयू विधायक बीमा भारती को लेकर उनकी ओर से कोई मामला नहीं है। पार्टी कार्यालय में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह से मुलाकात के बाद उन्होंने यह बात कही है।

जदयू अध्यक्ष ने की मध्यस्थता

अनुमान लगाया जा रहा है कि बीते दिनों से मंत्री लेसी सिंह और बीमा भारती के बीच चल रहे विवाद पर पार्टी के अध्यक्ष ललन सिंह ने लेसी सिंह से बातचीत की है और दोनों के बीच मध्यस्थता की है। जिसके बाद से लेसी सिंह

के तेवर नरम पड़ गए हैं। और लेसी सिंह ने कहा है कि अब उनकी तरफ से बीमा भारती को लेकर कोई मामला नहीं है।

मानहानि के नोटिस पर नहीं बोली लेसी सिंह

लेसी सिंह ने एक दिन पहले यानी रविवार को बीमा भारती को 5 करोड़ की मानहानि का नोटिस भेजा था। जदयू अध्यक्ष ललन सिंह से मुलाकात के बाद लेसी सिंह के बयान में नरमी आयी लेकिन नोटिस वापस लिए जाने के सवाल पर उन्होंने कुछ नहीं कहा है। हालांकि उम्मीद जताई जा रही है कि पार्टी अध्यक्ष ललन सिंह से मुलाकात के बाद दिए गए बयान से ये साफ हो गया है कि लेसी सिंह मानहानि का नोटिस वापस ले लेंगी। उन्होंने कहा है कि अब बीमा भारती के खिलाफ उनकी तरफ से कोई मामला नहीं है।

सीएसपी संचालक से 3 लाख की लूट

लूटपाट के दौरान अपराधियों ने सीएसपी संचालक को मारी गोली, जख्मी

नालंदा, 12 सितंबर (एजेंसियां)। नालंदा में सोमवार को एक सीएसपी संचालक से 3 लाख रूपए की लूट हुई। इस दौरान सीएसपी संचालक के विरोध करने पर अपराधियों ने गोली मार दिया। जख्मी हालत में इलाज के लिए सीएसपी संचालक को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामला खुदागंज थाना क्षेत्र का है। पीड़ित नौरंगा गांव निवासी गुड्डू कुमार है।

घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि गुड्डू कुमार इस्लामपुर बाजार स्थित एसबीआई के मुख्य ब्रांच से पैसा लेकर अपने सीएसपी सेंटर मदारगंज जा रहे थे। इसी बीच एक बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने हरसिंगरा मोड़ के पास सीएसपी संचालक की बाइक रुकवा कर लूटपाट करने लगा। विरोध करने पर अपराधियों ने सीएसपी संचालक को गोली मार दी। गोली जांघ में लगी है। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश सीएसपी संचालक से 3 लाख लूट कर मौके से फरार हो गया।

7 सितंबर को थाना क्षेत्र के चौरमा गांव के पास दो बाइक पर सवार 6 बदमाशों ने फायरिंग करते हुए सीएसपी संचालिका से 2 लाख 53000 नगदी,लैपटॉप,मोबाइल और क्रेडिट कार्ड की लूट कर ली थी। विरोध करने पर दंपत्ति के साथ मारपीट किया गया था। पीड़िता चरण टई गांव निवासी सुरुचि कुमारी थी। सीएसपी संचालिका अपने पति विक्की कुमार के साथ स्कूटी से मैरा खुर्द गांव स्थित एसबीआई की सीएसपी सेंटर जा रही थी। इधर हफ्ते भर में हुई दूसरी वारदात से स्थानीय नागरिक पुलिस गश्ती पर सवाल खड़ा कर रहे हैं। हिलसा डीएसपी कृष्ण मुरारी ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

एक बाइक पर कुल 3 बदमाश सवार थे जिन्होंने इस घटना को अंजाम दिया है। जल्द ही बदमाशों को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घर में बेटियां हैं तो योगी सरकार दे रही है 15 हजार रुपये

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का लाभ अधिक से अधिक बालिकाओं तक पहुंचाने के लिए योगी सरकार पूरी कोशिश कर रही है। इसके लिए हर माह समीक्षा करने के साथ संख्या बढ़ाने के लिए आदेश जारी किए गए हैं। प्रदेश की बेटियों को 15 साल की अवधि में 15000 रुपए की राशि आर्थिक मदद दी जा रही है। यह राशि 6 किस्तों में दी जाएगी। भ्रूण हत्या जैसे अपराध को रोकने के लिए प्रदेश सरकार तमाम प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में सरकार ने वर्ष 2019 में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की भी शुरुआत की थी। जिसके तहत हजारों बेटिया इस योजना का लाभ उठा रही हैं। इस योजना के अतंर्गत वे बेटियां पात्र हैं, जिनका जन्म एक अप्रैल 2019 के बाद हुआ है। इसके अलावा माता-पिता की आय तीन लाख रुपये वार्षिक से कम हो। प्रत्येक परिवार की सिर्फ दो बेटियों को ही इसका लाभ मिलेगा। यदि पहला बच्चा बेटी या बेटा है और दूसरे प्रसव के दौरान जुड़वा बेटी होती है तो भी योजना का लाभ मिलेगा।

बालिका के जन्म होने पर पहली किस्त के 2000 रुपये मिलती है। इसके बाद एक वर्ष तक के पूर्ण टीकाकरण पर - दूसरी किस्त के 1000 रुपए फिर कक्षा एक में प्रवेश लेने पर तीसरी किस्त के 2000 रुपये फिर कक्षा 6 में प्रवेश लेने के बाद - चौथी किस्त के 2000 रुपये फिर कक्षा 9 में एडमिशन के बाद - पांचवी किस्त के 3000 रुपये मिलते हैं। इसके बाद 10वीं या 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण करके स्नातक या फिर 2 साल से अधिक अवधि के डिप्लोमा कोर्स पर - छठी किस्त के 5000 रुपये दिए जाते हैं।

सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट एमकेएसवाई.यूपी.गवर्न.इन पर जाए। होम पेज पर सिटीजन सर्विस पोर्टल का ऑपशन दिखाई देगा, इस पर क्लिक करें। इसमें क्लिक करने के बाद, आपके सामने एक नया पेज खुल जाएगा। इसमें सहमति का विकल्प दिखाई देगा। इस विकल्प के कारण 'मैं सहमत हूं' पर टिक करे और 'जारी रखें' पर क्लिक करें। इस पर क्लिक करने के बाद अगला पेज खुलेगा जिस पर रजिस्ट्रेशन फॉर्म मिलेगा।

आरसीपी बोले-मेरी औकात नीतीश कुमार से ज्यादा है

पटना, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में अब हैसियत की सियासत शुरू हो गई है। नीतीश कुमार और उनके सिपहसालार रह चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह एक दूसरे की हैसियत बता रहे हैं। पहले सीएम नीतीश ने आरसीपी को उनकी हैसियत की याद दिलाई। तो अब आरसीपी सिंह ने पलटवार करते हुए कहा- मेरी औकात उनसे ज्यादा है। आरसीपी सिंह ने कहा, '1982 में जब वो सड़क पर घूम रहे थे। तब मैं गांव में पढ़ कर सिविल सर्विस की परीक्षा पास कर गया था। इंजीनियरिंग पास करने के बाद कभी कोई परीक्षा दिए थे। एक बार नेवी की परीक्षा दिए थे। पास तक नहीं कर पाए थे।' यह बयान उन्होंने पटना में दिया।

पत्रकारों से बात करते हुए जब जेडीयू की तरफ से गद्दार कहे जाने के सवाल पर उनकी राय पूछी, तब उन्होंने कहा कि तीन बार

1982 में वो सड़क पर घूम रहे थे, कभी दी है उन्होंने आईएएस की परीक्षा

जनादेश का अपमान करने वाले से बड़ा कोई गद्दार नहीं हो सकता है। ललन सिंह का नाम सुनते ही आरसीपी सिंह ने कहा- वो मेरे साथ हैं, उनके बारे में कुछ नहीं बोलना है। आरसीपी सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार उन्हें नेता बनाने वाले कौन होते हैं। उनकी क्या औकात है। आपको किसने नेता बनाया है। आप जन्मते ही नेता हैं क्या। 1977 में क्या औकात थी। एमएलए का टिकट मिला था हार गए थे। 1980 में क्या हुआ था। हार गए थे।

पटना एयरपोर्ट पर आप विधायक अमानतुल्लाह खान का पीए कारतूस के साथ धराया

पटना, 12 सितंबर (एजेंसियां)। जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (पटना एयरपोर्ट) पर कारतूस के साथ आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान के पीए को हिरासत में लिया गया है। यात्री की पहचान दिल्ली के शाहीन बाग, अबुल फजल एन्क्लेव निवासी नोमान अहमद के रूप में हुई है।

नोमान अहमद स्पाइस जेट की उड़ान से दिल्ली जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे थे। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) के जवानों ने उनके हैंड बैगेज की जांच की तो उससे 7.65 एमएम का एक कारतूस मिला। यात्री के पास हथियार का कोई लाइसेंस नहीं था। जिसके बाद उन्हें पटना एयरपोर्ट पुलिस के हवाले कर दिया गया हैं।

पुलिस की पूछताछ में नोमान ने बताया कि वे दिल्ली के ओखला विधायक अमानतुल्लाह खान के पीए हैं। वे विधायक के पीएसओ का बैग लेकर पटना आए थे। गलती से कारतूस बैग में आ गया। सूत्रों की मानें तो एयरपोर्ट थाना ने दिल्ली से पीएसओ के आर्म्स का लाइसेंस मंगवाया है।

होटल में रेड, 22 लड़के-लड़कियां गिरफ्तार

जहानाबाद में 1000 रुपए में मिलता था रूम, स्कूल ड्रेस में भी लड़कियां मिलीं

जहानाबाद, 12 सितंबर (एजेंसियां)। जहानाबाद के 2 होटलों में गंदा काम चल रहा था। पुलिस ने रेड मारी तो 22 लड़के-लड़कियां आपत्तिजनक हालत में पकड़े गए। पुलिस जब रेड मारने पहुंची तो इन कपल्स ने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। कड़ी मशक्कत और रिक्वेस्ट के बाद दरवाजा खुला। पुलिस ने अंदर देख तो होश उड़ गए। यहां कमरों में अय्याशी का सारा सामान पड़ा था। सोमवार को पुलिस ने गुप्त सूचना पर ये कार्रवाई की है। कोर्ट होल्ट के पास शिव सत्य और ओमकारा रेस्ट हाउस में गंदा काम चल रहा था। पुलिस ने छापेमारी की तो 12 लड़की और 11 लड़की पकड़ाए। इनमें से कुछ आपत्तिजनक हालत में थे। चौंकाने वाली बात तो यह है कि कुछ लड़की स्कूल ड्रेस में थी। एक लड़के ने बताया कि एक हजार रुपए का रेट फिक्स था। होटल संचालक यह रुपए लेता था। पुलिस टीम इनसे पूछताछ कर रही है। खुलासे के बाद मोहल्ले के लोगों में आक्रोश है। उनका कहना है कि पिछले 3 साल से गंदा काम चल रहा था।

मामले में जहानाबाद के एसडीपीओ अशोक कुमार पांडे ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इस रेस्ट हाउस में गलत तरीके से गंदा काम हो रहा है। इसी सूचना के आधार पर सोमवार को रेस्ट हाउस में छापेमारी की गई। यहां 12 लड़कियां 11 लड़के को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया। पुलिस का कहना है कि ये इतने बड़े पैमाने पर चल रहा होगा इसका अनुमान नहीं था। स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब 3 साल से इस होटल में धंधा चल रहा था। पुलिस अपने स्तर से मामले की जांच में जुट गई है। लोगों का कहना है कि होटल संचालक के खिलाफ कई बार शिकायत की गई, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और होटल संचालक की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करे।

प्रेतशिला पहाड़ पर जोर से हंसने मात्र से पितरों को मिलता है मोक्ष

गया, 12 सितंबर (एजेंसियां)। पितृ पक्ष में लाखों की संख्या में तीर्थ यात्री गया पहुंच रहे हैं। गया में 975 फीट ऊंची 676 सीढ़ियों को पार कर प्रेतशिला पहाड पर पिंडदान करने के लिए तीर्थयात्रियों की भीड़ उमड़ी है। बताया जाता है की यहां पिंडदान करने से मृत आत्माओं को मुक्ति मिलती है।जिनके पितृ अकाल मृत्यु, आत्महत्या,पानी में डूबने,आग में जलने,दुर्घटना में मृत पितरों को पिंडदान व तर्पण किया जाता है।कहा जाता है की पिंडदान प्रक्रिया के दौरान जोर से हंसने का ठहाका लगाने से मोक्ष मिलती है। पिंडदान के दौरान जोर से हंसने का मान्यता यह है की अब उनके पूर्वज इस प्रेतयोनी से मुक्त होकर विष्णु लोक में चले जाते है। हिंदू धार्मिक

ग्रंथों में वायु पुराण, गरुड़ पुराण और महाभारत जैसे कई ग्रंथों में गया का महत्व बताया गया है। ऐसा कहा जाता है कि गया में श्राद्ध कर्म और तर्पण के लिए प्राचीन समय से आते रहे हैं। पहले यहां विभिन्न नामों से 360 वेदियां थी। जहां पिंडदान व तर्पण किया जाता था। वेदियों पर लोग पितरों का तर्पण और पिंडदान करते हैं। हालांकि वक्त के साथ ये वेदियां लुप्त हो गयीं। मगर लोगों का पितृओं की तृप्ति के लिए गया आना जारी रहा। पिंडदान से कई दुखों से सदा के लिए मुक्ति मिल जाती है। साथ ही, इस विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। शहर से 10 किलोमीटर की दूरी पर प्रेतशिला पहाड है जहां इस वेदी कर श्राद्ध करने से किसी कारण से अकाल मृत्यु हुए पितरों को मोक्ष मिल जाता है। प्रेतशिला पहाड़ की चोटी पर एक चट्टान है जिस पर ब्रह्मा विष्णु और महेश की मूर्ति बनी है श्रद्धालुओं के द्वारा पहाड़ी की चोटी पर स्थित इस चट्टान की परिक्रमा कर उस पर शब्दों से बना पिंड उड़ाया जाता है। प्रेतशिला पहाड़ की पुरानी परंपरा है वहां के पुजारी बताते हैं कि इस चट्टान के चारों तरफ 5 बार परिक्रमा कर सत्तू चढ़ाने से अकाल मृत्यु में मरे पूर्वज प्रेत योनि से मुक्त हो जाते हैं।

मुस्लिम युवक का सिर तन से जुदा करने की धमकी

गणेश चतुर्थी पर बधाई संदेश भेजने पर मुस्लिम युवक नाराज, पुलिस की सुरक्षा मिली

अंबेडकरनगर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। अंबेडकरनगर के सलाहुद्दीन अहमद सिद्दीकी उर्फ पप्पू को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्होंने इश्तियाक अहमद को गणेश चतुर्थी पर बधाई संदेश भेजा था। जिससे वह नाराज हो गया और अपने साथियों सिराज और मोहम्मद मुशीर को इस बारे में बताया।

आरोप है कि सिराज और मोहम्मद मुशीर ने सलाहुद्दीन अहमद सिद्दीकी को फोन करके गाली-गलौज की। धड़ से सिर कलम करने की धमकी की। उसने पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने तीन युवकों का शांति भंग में चालान कर दिया। एक पुलिसकर्मी को सुरक्षा के लिए

लगाया गया है। सलाहुद्दीन अहमद सिद्दीकी उर्फ पप्पू हंसवर थाना क्षेत्र का नोनारा गांव के रहने वाले हैं। वह राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के कार्यकर्ता हैं। उन्होंने बताया, मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं। अपने धर्म के अलावा हिंदू देवी-देवताओं की पूजा अर्चना हूं। जिसकी वजह से अयोध्या के कई हिंदू संत और धर्माचार्यों से हमारी जान पहचान है। संघ के कई पदाधिकारियों से भी जान पहचान है। इनके साथ फोटो भी है। जो मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों को पसंद नहीं है।

सलाहुद्दीन अहमद सिद्दीकी ने बताया, मैंने गणेश चतुर्थी पर गणेश जी की फोटो के साथ सभी को बधाई संदेश भेजा। हिंदू नेताओं और धर्माचार्यों को बधाई दी। इसी दौरान जिले के रहने इश्तियाक अहमद नाम के शख्स को गलती से गणेश जी की चित्र भेज दिया। जिसके बाद उसके साथी सिराज और मोहम्मद मुशीर नाम के युवक ने बारी-बारी फोन करके गालियां दी। जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। सिर कलम करने की धमकी दे रहे हैं।

सोनौली बार्डर पर कार में मिली 73 लाख रुपए नेपाली करेंसी, कस्टम कर रही जांच

महराजगंज, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारत-नेपाल सीमा पर सोनौली में सोमवार को पुलिस और एसएसबी की टीम ने भारत से नेपाल जा रहे एक नेपाली कार से 72 लाख 80 हजार रुपये नेपाली करेंसी बरामद की है। इस करेंसी की कीमत भारतीय मुद्रा में करीब 45 लाख रुपये है। कार में करेंसी के साथ पकड़ा गया शख्स नेपाल का रहने वाला है। उससे पुलिस, कस्टम और अन्य एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं। सोमवार को सोनौली पुलिस व एसएसबी की टीम संयुक्त रूप से बॉर्डर पर नियमित जांच कर रही थी। इसी दौरान नेपाली नंबर की फोर्ड इको कार नेपाल जाने के लिए सीमा पर पहुंची।

पुतिन भी आएंगे और चिनफिंग-शहबाज भी, समरकंद में मौका

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। एससीओ की बैठक ऐसे वक्त पर होने जा रही है जब दुनिया के कई देशों के बीच समीकरण बदले हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15-16 सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए उज्बेकिस्तान जाएंगे। सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हिस्सा लेंगे।

यूक्रेन-रूस जंग के बाद पहली बार एक मंच पर यह नेता होंगे। वहीं इस सम्मेलन में चर्चा और कयास इस बात के लगाए जा रहे हैं कि क्या पीएम मोदी के साथ चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के साथ वन टू वन मुलाकात होगी। मोदी और पुतिन के बीच बैठक तय है लेकिन पाकिस्तान और चीन को लेकर अभी कुछ तय नहीं है। एससीओ की इस बैठक से पहले एससीओ की ऊफा बैठक की भी चर्चा है जब पीएम मोदी और पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के बीच एक छोटी मुलाकात हुई थी।

सेना पीछे हटी, क्या मोदी और शी चिनफिंग की होगी मुलाकात

चीन और भारत के बीच गलवान के बाद रिश्ते काफी बिगड़ गए हैं। हालांकि हाल ही में भारत और चीन की सेनाओं ने घोषणा की थी कि गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स के पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 से पीछे हटने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस स्थान पर दोनों सेनाओं के बीच पिछले दो साल से अधिक समय से गतिरोध बना हुआ है। एससीओ की बैठक से पहले यह एक महत्वपूर्ण कदम है। पीएम मोदी और शी चिनफिंग के बीच बैठक को लेकर दोनों तरफ के अधिकारियों के बीच लगातार बातचीत चल रही है। हालांकि इसको लेकर कुछ भी कंफर्म नहीं किया जा रहा है। भारत और चीन एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर मोदी-शी की संभावित बैठक पर चीनी विदेश मंत्रालय की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया। हालांकि मुलाकात को लेकर इनकार भी नहीं किया जा रहा है। साल 2017 में भी डोकलाम के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य तनातनी से पैदा हुए हालात को सामान्य बनाने की कोशिश हुई थी। डोकलाम में 28 अगस्त 2017 को दोनों देशों की सेनाएं पीछे हटी थी और उसके बाद ब्रिक्स शिखरवार्ता में 5 सितंबर को पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति के बीच बैठक हो पाई थी। समरकंद में यह दोनों यदि मिलते हैं तो गलवान घाटी में जून 2020 में सैन्य संघर्ष के बाद यह पहली बैठक होगी।

2015 ऊफा वाली बात क्या दोहराई जाएगी

पाकिस्तान में सत्ता बदल चुकी है और अब नए पीएम शहबाज शरीफ और पीएम मोदी की मुलाकात को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। दोनों देशों की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं कहा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आतंकवाद के खिलाफ जो स्टैंड वह बहुत ही क्लियर है और वह विश्व के अलग- अलग मंचों से इस खतरे के बारे में आगाह भी कर चुके हैं। वहीं पीएम शहबाज शरीफ का भारत को लेकर रवैया अलग तरह का ही है। एक ओर जहां पाकिस्तान के वित्त मंत्री भारत के साथ कारोबारी रिश्तों को समान्य करने की बात करते हैं तो वहीं दूसरी ओर शहबाज शरीफ हैं जो कश्मीर मुद्दे से आगे नहीं बढ़ सके हैं। हालांकि यदि दोनों नेताओं की बैठक होती है तो वह साल 2015 में ऊफा में एससीओ की बैठक जैसी होगी। साल 2015 में ऊफा में एससीओ की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के तत्कालीन नवाज शरीफ के बीच छोटी सी मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के बाद द्विपक्षीय रिश्तों को पटरी पर लाने की शुरुआत हुई थी लेकिन पठानकोट में आतंकियों के हमले के बाद रिश्ते तनावपूर्ण हो गए। इसके बाद से रिश्ते लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं।

3 साल बाद एससीओ का शिखर सम्मेलन

साल 2019 के बाद पहली बार एससीओ का शिखर सम्मेलन होगा जिसमें नेता मौजूद रहेंगे। जून 2019 में एससीओ सम्मेलन किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित हुआ था। 2020 में मास्को शिखर सम्मेलन कोविड-19 महामारी के कारण ऑनलाइन तरीके से आयोजित किया गया था। वहीं दुशांबे में 2021 शिखर सम्मेलन हाइब्रिड तरीके से आयोजित किया गया था। एससीओ का मुख्यालय बीजिंग में है और इसमें रूस, चीन, भारत ,कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान और पाकिस्तान शामिल हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह में	सिंह...	04-16 बजे
चंद्र-	मीन में	कन्या	06-23 बजे
मंगल	वृष में	तुला -	08-28 बजे
बुध-	कन्या में	वृश्चिक	10-38 बजे
गुरु-	मीन में	धनु---	12-52 बजे
शुक्र-	सिंह में	मकर-	14-58 बजे
शनि-	मकर में	कुंभ -	16-49 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	18-26 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	20-02 बजे
		वृष--	21-47 बजे
		मिथुन..	23-48 बजे
		कर्क...	01-51 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् -**1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् -**5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् -**1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् -**2548,**हिजरी सन् -**1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया - **10-37** तक उपरान्त, चतुर्थी
मास - आश्विन कृष्ण पक्ष ,मंगलवार, **13 Sep**
नक्षत्र -रेवती- **06 -35** - तक उपरान्त, अश्विनी
योग - वृध्दि - **07- 35** - तक उप- ध्रुव
करण- विष्टि - **10 -37** - तक,उप- बव
विशेष:- चतुर्थी व्रत
व्रत -त्योहार - चतुर्थी श्राद्ध

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 15:15 से 16:47 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग.	06:07 - 07:37	अशुभ	काल	18:19 - 19:47	अशुभ
उत्पात	07:37 - 09:08	अशुभ	लाभ	19:47 - 21:15	शुभ
चंचल	09:08 - 10:40	शुभ	उत्पात	21:15 - 22:44	अशुभ
लाभ	10:40 - 12:12	शुभ	शुभ	22:44 - 00:12	शुभ
अमृत	12:12 - 13:44	शुभ	अमृत	00:12 - 01:40	शुभ
काल.	13:44 - 15:15	अशुभ	चंचल	01:40 - 03:09	शुभ
शुभ.	15:15 - 16:47	शुभ	रोग	03:09 - 04:37	अशुभ
रोग	16:47 - 18:16	अशुभ	काल	04:37 - 06:07	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं ,लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा ।इसी से आपकी प्रवृति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा ।योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती,जब जागो तभी सवेरा।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है ।अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है। अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी। हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — आप आज कल्पनात्मक रहेंगे। कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है। आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी। अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है ,लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी। साथियों के साथ अच्छे मूड में रहैगे।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — किसी भी काम को तुरंत तैयार होकर शुरू करने से पहले गंभीरता से तर्क की कसौटी पर परख लेना ही ठीक होगा ।आपके लिए कल्पनात्मक सा समय है। इसीलिए रोमांस का आनंद लें। रोमांस में कल्पना लाने से आपके लिए अच्छा होगा लेकिन अगर आप ऑफिस में भी यही करने की कोशिश करेंगे तो परिणाम अच्छे नही होंगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है। आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है। लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — आज का दिन गृहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा ।आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे। लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा ।आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएं मिलेंगी जिसके कारण आपको अपने पहले से सोचे हुए में बदलाव करना पड़ेगा।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी ।आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे ।अपने दोस्तों -साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेंगे ।जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें। अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है ।विवादों से बचें।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है ।आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है ।आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें।

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) — आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा ।गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे ।इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा ।सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे ।खूब प्रशंसा मिलेगी ।इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें ।इससे आपके सामने नए अवसर खुलेंगे ।आज आप बहुत अच्छे स्वास्थ्य और तनावरहित मूड का आनंद लेंगे।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — आज आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आप आज तर्क के स्थान पर अपने दिल की आवाज और प्रवृति के आधार पर फैसले कर सकते हैं,लेकिन वे भी वित्त के मामले में लाभकारी ही साबित होंगे ।आप इन दिनों फैसले लेने में सबसे अधिक महत्ता अपने मन की आवाज को देते हैं।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

वोटर लिस्ट में जुड़ेंगे 25 लाख बाहरी मतदाता, टेंशन में कश्मीर के सियासी दल

नई दल्लिी, 12 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद आज हालात काफी बदल चुके हैं. आम लोगों की विचारधारा और उनके रोजी रोजगार तथा नजरिये सभी में बड़ा बदलाव देखा जा रहा है. केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर में तेजी से विकास भी हो रहा है और केंद्र सरकार लगातार आर्थिक पैकेज भी मुहैया करा रही है. यहां आतंकी गतिविधियों पर लगाम लगाने के हरंसभव प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे कश्मीर घाटी में लोगों की सोच बदल रही है. इसके बाद अब प्रदेश में 25 लाख बाहरी वोटरों को मतदाता सूची में शामिल करने की तैयारी की जा रही है, जसिने कश्मीर बेस्ड पार्टियों की नींद उड़ाकर रख दी है. इसको लेकर नेशनल काफ्रेंस, कांग्रेस और पीडीपी ने अपनी जमीन को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करने शुरू कर दए हैं, ताकि आगामी विधानसभा चुनावों की बिसात पर अपने मोहरों को फिट किया जा सके. इसी के चलते पहले कश्मीर और अब जम्मू में ऑल पार्टी मीटिंग के नाम पर कई सगंठनों को साथ जोड़ कर केंद्र को आड़े हाथों लेने का काम शुरू हो चुका है. आज जम्मू के भठिंडी इलाके में डॉ. फारूक अब्दुल्ला के घर आयोजित ऑल पार्टी मीटिंग में गुपकार एलांयस के घटक दल भी शामिल हुए और साथ ही शिव सेना व डोगरा स्वाभिमान संगठन इस मीटिंग का हिस्सा बन गए. जाहिर सी बात है कि जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनावों की हलचल शुरु हो चुकी है.

और इसी बीच ये नया मुद्दा अब सभी विपक्षी पार्टियों को संजीवनी बूटी दिख रहा है, जबकि जम्मू कश्मीर के चुनाव आयुक्त ह्रदेश कुमार सिंह साफ कर चुके हैं कि इस बार नए वोटर जोडे.जा रहे हैं और इसमें वो लोग भी शामिल होंगे जो काफी समय से जम्मू कश्मीर में रह रहे हैं. वह एक जांच प्रकिया के बाद वोटर लिस्ट में शामिल किए जाएंगे, जिनकी संख्या का अनुमान विपक्ष 25 लाख के करीब बता रहा है.

सामाजिक कार्यकर्ता का दावा

गोवा बार के मालिक और स्मृति ईरानी परिवार से जुड़ी फर्म के बीच था लीज एग्रीमेंट

पणजी, 12 सितंबर (एजेंसियां)। गोवा बार मामले का विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। दरअसल, इस बार इस मामले में सामाजिक कार्यकर्ता आयर्स रॉड्रिक्स ने दावा किया है कि बार के मालिक और स्मृति ईरानी के परिवार से जुड़ी कंपनी के बीच लीज एग्रीमेंट हुआ था। आयर्स रॉड्रिक्स ने आबकारी आयुक्त के समक्ष दोनों पक्षों द्वारा किए गए हस्ताक्षर वाला लीज एग्रीमेंट भी पेश किया। हालांकि, गोवा बार के दिवंगत मालिक के वकील की तरफ से कहा गया कि पट्टे के लिए समझौता कभी भी लीज डीड में समाप्त नहीं हुआ, इसलिए पार्टियों के लिए कोई अधिकार नहीं बनाया गया था।

सोमवार को आबकारी आयुक्त नारायण गाड के समक्ष सुनवाई के दौरान, रॉड्रिग्स ने दावा किया कि असगाओ गांव के सर्वेक्षण संख्या 236/22 के तहत संपत्ति, जहां सिली सोल्स बार एंड कैफे स्थित बताया गया है, वह डिगामा ने अपने बेटे के माध्यम से 'एटॉल फूड एंड बेवरेजेज एलएलपी' को 1 जनवरी, 2021 से 50,000 रुपये के मासिक किराए पर 10 साल की अवधि के लिए पट्टे पर दिया था। 'एटॉल फूड एंड बेवरेजेज एलएलपी' कथित तौर पर ईरानी के परिवार से जुड़ी हुई है। रॉड्रिग्ज ने एक हलफनामे के जरिए जांच अधिकारी के सामने यह पट्टा समझौता पेश किया। आबकारी आयुक्त के समक्ष सुनवाई के बाद, डिगामा परिवार की ओर से पेश अधिवक्ता बेनेडिक्ट नाजरत ने कहा कि पट्टा समझौता कभी भी पट्टा विलेख में परिवर्तित नहीं हुआ। उन्होंने कहा, "पट्टा समझौते और पट्टा विलेख के बीच अंतर है। पट्टा समझौते में कहा गया है कि पार्टियां यदि चाहें तो संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम के तहत पट्टा विलेख बनवा सकती हैं।"

क्या है मामला

दरअसल, सामाजिक कार्यकर्ता आयरेज रॉड्रिग्स ने 29 जून को एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि मापुसा में आबकारी कार्यालय ने एक मृत व्यक्ति एंथनी डीगामा के नाम पर रेस्तरां के आबकारी लाइसेंस को अवैध रूप से नवीनीकृत किया। शिकायत में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) द्वारा जारी एक मृत्यु प्रमाण पत्र का हवाला देते हुए कहा गया कि 17 मई 2021 को डीगामा की मृत्यु हो गई थी। गैड ने पहली सुनवाई के दौरान उत्तरी गोवा के असगाओ स्थित 'सिली सोल्स कैफे एंड बार' रेस्तरां को नोटिस जारी किया था। वहीं स्मृति ईरानी ने अपनी बेटी का नाम रेस्तरां से जोड़ने के लिए कांग्रेस के तीन नेताओं के खिलाफ मानहानि का दीवानी मुकदमा दायर किया था।

राकांपा की बैठक बीच में छोड़कर चले जाने पर पवार की सफाई

कहा-'मैं नाराज नहीं हूं'

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। राकांपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में बैठक बीच में ही छोड़कर चले जाने और संबोधित न करने के सवाल पर शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने सफाई दी है। उन्होंने कहा है कि मीडिया उनके बारे में भ्रामक खबरें फैला रहा है।

पवार ने सफाई देते हुए कहा, यह सच है कि अधिवेशन को मैंने संबोधित नहीं किया। ऐसे कई नेता हैं, जिन्होंने भाषण नहीं दिया। उन्होंने कहा, इस संबंध में मैंने मराठी मीडिया से बात की है और पूरी सफाई दी है। मैं दुखी नहीं हूं और हमारी पार्टी से कोई भी दुखी नहीं है।

कांग्रेस ने नहीं की भारत जोड़ो यात्रा पर बात

वहीं, अजित पवार ने कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा को विपक्षी दलों के समर्थन के सवाल पर जवाब दिया। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने यह यात्रा अपने दम पर शुरू की है। यह यूपीए की भारत जोड़ो यात्रा नहीं है और उन्होंने इस बारे में हमसे बात भी नहीं की है, लेकिन यह एक बड़ी यात्रा है।

क्या हुआ था राष्ट्रीय अधिवेशन में?

वाकया दिल्ली में चल रहे एनसीपी के राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान का है। अधिवेशन के जरिए पार्टी अपनी जनता को अपनी एकता और एकजुटता दिखाना चाहती थी, लेकिन इसी दौरान पार्टी अध्यक्ष शरद पवार के भतीजे अजित पवार मंच छोड़कर चले गए। इसके बाद काफी देर तक उनका इंतजार किया गया, लेकिन अजित पवार नहीं लौटे। जब ये वाकया हुआ उस वक्त मंच पर खुद शरद पवार मौजूद थे। उनके अलावा प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल, प्रफुल्ल पटेल और सुप्रिया सुले भी वहां थीं। इस पूरे सियासी घटनाक्रम का वीडियो वायरल हो गया और पार्टी में अन्तर्कलह की खबरें सामने आने लगीं।

यह बताई जा रही वजह

पार्टी सूत्रों ने इस पूरे घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी। बताया गया, एनसीपी के राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान मंच पर पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता मौजूद थे। सम्मेलन के दौरान शरद पावर के बाद उनके भतीजे अजित पावर को कार्यकर्ताओं को संबोधित करना था, लेकिन उनसे पहले पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल को संबोधन के लिए बुला लिया गया। इसी से नाराज होकर भतीजे अजित मंच छोड़कर चले गए। हालांकि उन्हें मनाने की काफी कोशिशें की गईं लेकिन वे नहीं माने।

दिल्ली पुलिस ने जैकलीन के खिलाफ जारी किया नया समन

14 सितंबर को पेश होने के दिए आदेश

मुंबई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मनी लॉनड्रिंग मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने नया समन जारी कर दिया है। जारी समन के मुताबिक अब एक्ट्रेस को 14 सितंबर को पेश होने का आदेश दिया गया है। इससे पहले इस मामले में एक्ट्रेस पहले जारी हुए समन के मुताबिक 12 सितंबर को पेश होने के आदेश दिए गए थे। लेकिन पहले से निर्धारित कुछ कमिटमेंट्स की वजह से अभिनेत्री ने तय तारीख पर उपस्थित होने पर असमर्थता जताते हुए पुलिस से दूसरी तारीख की मांग की। इससे पहले बीते दिन दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने अभिनेत्री से सोमवार को होने वाली पूछताछ को स्थगित कर दिया था। साथ ही पुलिस ने जानकारी दी थी कि इस संबंध में जैकलीन को एक और समन जारी किया जाएगा। दरअसल, एक्ट्रेस ने दिल्ली पुलिस को ईमेल के जरिए जानकारी दी थी कि पहले से ही तय कुछ कमिटमेंट्स की वजह से वह 12 सितंबर को होने वाली जांच में शामिल नहीं हो पाएगी, जिसके बाद उन्होंने नई तारीख की भी मांग की थी।

गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस ने कथित तौर पर सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड रुपए की रंगदारी मामले में जांच में शामिल होने के लिए जैकलीन को तलब किया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी चार्जशीट में जैकलिन को मनी लॉनड्रिंग के मामलों में नामजद किया था। ईडी की चार्जशीट में यह भी कहा गया कि जैकलिन को सुकेश के आपराधिक मामलों में शामिल होने की जानकारी थी। इसके बाद भी उन्होंने सुकेश के आपराधिक रिकॉर्ड को नजरअंदाज करते हुए उनके साथ वित्तीय लेनदेन किया।

असम से किडनैप की गई लड़कियों को अरुणाचल प्रदेश पुलिस ने ढूंढा

ईटानगर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश से किडनैप की गई चार नाबालिग लड़कियों को असम से बरामद कर लिया गया है। लड़कियों को गुवाहाटी की एक लॉज में रखा गया था। मौके से पुलिस ने एक महिला को भी गिरफ्तार किया है। 8 सितंबर को चांगलांग जिले के दीयुन पुलिस स्टेशन को मनाभूम इलाके से चार लड़कियों के लापता होने की शिकायत मिली थी। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर अरुणाचल प्रदेश पुलिस ने जांच शुरू की। चांगलांग के एसपी मिहिन गैम्बो ने असम पुलिस के डीजीपी प्रशांत चांगमई और दिसपुर के डीसीपी सुधाकर सिंह संपर्क किया। अरुणाचल और असम पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर नाबालिगों के सटीक ठिकाने का पता लगाया। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बचाई गई लड़कियों को चांगलांग की बाल कल्याण समिति के माध्यम से उनके परिजनों को सौंप दिया गया।

विनोद तावड़े के सामने फडणवीस का प्रदर्शन दोहराने की चुनौती, संगठन कौशल की भी परीक्षा

मुंबई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र भाजपा के मराठा नेता कहे जाने वाले विनोद तावड़े को बिहार का प्रभारी बनाकर भाजपा ने बड़ा दांव चला है। राजनीतिक रूप से जागरूक राज्य का प्रभारी बनाए जाने के बाद भाजपा महासचिव विनोद तावड़े के सामने बिहार के पूर्व चुनाव प्रभारी रहे देवेन्द्र फडणवीस के साल 2020 के प्रदर्शन को दोहराने की चुनौती है। साथ ही, यह अवसर राष्ट्रीय राजनीति में उनके संगठन कौशल की परीक्षा का भी है।

विनोद तावड़े महाराष्ट्र भाजपा के दूसरे बड़े नेता हैं जिन्हें बिहार भाजपा का प्रभार सौंपा गया है। इससे पहले साल 2020 में महाराष्ट्र में विपक्ष के नेता रहे देवेन्द्र फडणवीस को बिहार विधानसभा चुनाव प्रभारी बनाया गया था। फडणवीस के नेतृत्व में न केवल वहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की दुबारा सरकार बनी बल्कि नीतीश कुमार की पार्टी जदयू की 43 सीटों के मुकाबले में भाजपा ने 74 सीटें जीती थी। उसके बाद भाजपा के सहयोग से मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार अब लालू प्रसाद की राजद के साथ सत्ता में हैं, जबकि भाजपा सत्ता से बेदखल हो चुकी है। इसलिए बिहार जैसे बड़े राज्य में तावड़े को साल 2024 के लोकसभा चुनाव में केंद्रीय नेतृत्व की कसौटी पर खरा उतरना होगा। महाराष्ट्र में फडणवीस से तावड़े का रहा है छत्तीस का आंकड़ा

मुंबई भाजपा के सबसे कम उम्र के अध्यक्ष रहे विनोद तावड़े को कुशल संगठनकर्ता माना जाता है। वह विधान परिषद में विपक्ष के नेता भी रहे हैं। इसलिए महाराष्ट्र में साल 2014 में देवेन्द्र फडणवीस की सरकार में उन्हें उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री बनाया गया था। उस दौरान तावड़े का मुख्यमंत्री फडणवीस से छत्तीस का आंकड़ा सूबे की राजनीति में चर्चा का विषय था। साल 2019 में उनका टिकट कट गया। इससे कुछ दिनों तक तावड़े को राजनीतिक वनवास झेलना पड़ा। लेकिन उसके बाद उन्होंने जोरदार वापसी की। अब बिहार जैसे राज्य का प्रभारी बनाकार पार्टी ने उन्हें बड़ा उत्तरदायित्व सौंपा है। इसलिए तावड़े की तूलना फडणवीस से की जा रही है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार की राजनीति से परिचित हैं तावड़े

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के महासचिव रहते हुए विनोद तावड़े 90 के दशक में कुछ वर्षों तक पूर्वी उत्तर प्रदेश में सक्रिय रहे हैं। इसलिए उत्तर प्रदेश और बिहार की राजनीतिक परिस्थिति से वे बखूबी परिचित हैं। बिहार राज्य का प्रभार मिलने से पहले तावड़े हरियाणा भाजपा के प्रभारी थे। पिछले साल तीन कृषि कानूनों के खिलाफ शुरू हुए किसान आंदोलन के दौरान हरियाणा के किसानों के बीच विश्वास बहाल करने में उनकी उल्लेखनीय भूमिका रही।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 13 सितंबर, 2022

गरिमामयी महारानी एलिजाबेथ

महारानी एलिजाबेथ लगभग सत्तर साल तक ब्रिटेन की महारानी बनी रहीं, जो सबसे लंबे समय महारानी बने रहने का रिकार्ड है। उम्र की इस लंबी पारी में उन्होंने देश -दुनिया में आए अनेक राजनीतिक उतार-चढ़ाव देखे। कई ब्रिटिश उपनिवेशों को बहुत ही करीब से उजड़ते देखा तो कई बार अपने राजमुकुट पर उठाए जा रहे सवालों का भी डटकर सामना किया। उनके सामने ही कई बार सवाल उठे कि जब राजशाही समाप्त हो गई है, लोकतंत्रीय व्यवस्था लागू हो गई है, तब भी सर्वोच्च पद पर राजपरिवार के ही व्यक्ति को क्यों होना चाहिए? इसके बाद भी ब्रिटेन के लोगों की निष्ठा अपनी महारानी के प्रति बनी रही। कई मौके ऐसे भी आए जब उनके परिजनों को लेकर भी कुछ विवाद खडे हुए, इससे उनकी छवि पर आंच भी आई, मगर उन्होंने बडी ही चतुराई एवं समझदारी से खुद को बार निकाल लिया। देखा जाए तो लोकतांत्रिक व्यवस्था के बाद ब्रिटेन में सम्राट या सम्राज्ञी का पद सदा से शोभा का ही रहा है, मगर महारानी एलिजाबेथ द्वितीय कुछ अलग मिट्टी की बनी थीं। उन्होंने न सिर्फ अपने देश की राजनीतिक गतिविधियों पर चुपचाप बारीक नजर रखी, बल्कि दुनिया के तमाम देशों पर भी कडी निगाह रखती रहीं। अपने जीवनकाल में वे तीन बार भारत की यात्रा पर आई थीं। आजादी की पचासवीं वर्षगांठ पर जब वे आर्इं तो बहुत साहस के साथ उन्होंने भारत के खिलाफ अतीत में हुई ब्रिटिश ज्यादतियों पर अफसोस जताया। यहां तक कि वे जलियांवाला बाग भी जाने से नहीं चूकीं थीं, जहां सैकड़ों निहत्थे लोगों को गोलियों से भून दिया गया था।बता दें कि दूसरे महायुद्ध के बाद जब दुनिया काफी तेजी से बदलने लगी थी, तब ऐसे हालात में उन्होंने ब्रिटेन की राजगद्दी संभाली थी। उसके बाद दुनिया भर में मजदूरों, किसानों, महिलाओं, दबे-कुचले लोगों के अधिकारों के लिए आवाजें उठने लगी थी। ब्रिटेन भी उनसे अछूता नहीं था। राजशाही की जगह लोकशाही स्थापित हो चुकी थी, मगर ब्रिटेन के संविधान में चूंकि सर्वोच्च पद राज परिवार के उत्तराधिकारी के लिए सुरक्षित रखा गया है, इसलिए ऐसी विषम परिस्थितियों में भी उनका पद महफूज रहा। ताउम्र उन्होंने पूरी गरिमा के साथ अपने पद का निर्वाह किया, जबकि पिछले सत्तर सालों में ब्रिटेन खुद राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से काफी बदल गया। यूरोपीय देशों के साथ उसके संबंधों में भी काफी बदलाव नजर आया। रूस-यूक्रेन युद्ध ने ब्रिटेन की पक्षधरता को भी प्रश्नांकित किया। मगर कभी उन्होंने ब्रिटिश सरकार के किसी फैसले में किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं किया। यहां तक कि उन्होंने कभी अपनी कोई सलाह देने की कोशिश भी नहीं की। देखा जाए तो लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में भी अलग-अलग देशों में अपने प्रथम नागरिक के पद को लेकर अलग-अलग नियम-कायदे, परंपराएं काम करती आ रही हैं। कई जगह जहां निर्वाचन के माध्यम से भी सर्वोच्च पद तय होता है, वहां भी अक्सर वह शोभा का ही पद दिखाई देता है। कुछ देशों ने जरूर राष्ट्रपति प्रणाली अपना रखी है, इसलिए वहां सर्वोच्च पद से ही सारे फैसले किए जाते हैं। वैसे ज्यादातर देशों में प्रधानमंत्री ही सरकार का सर्वोच्च पद माना जाता है और वही तय प्रक्रिया के तहत सरकार के तमाम फैसले करता है। ब्रिटेन ने राजशाही घराने के उत्तराधिकारी को अपना सर्वोच्च माना और उसे सरकारी गतिविधियों में दखलअंदाजी से दूर रखा। एलिजाबेथ द्वितीय ने उस मर्यादा का अक्षरशः निर्वाह किया और कभी अपनी महत्त्वाकांक्षा थोपने का प्रयास नहीं किया। यही वजह है कि पढ़ा लिखा समाज होने के बाद भी राजमुकुट के प्रति वहां के लोगों का सम्मान अब भी बना हुआ है और राजशाही के खिलाफ आवाजें उठती रहने के बावजूद उस पर कोई आंच नहीं आने पाई है। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की गरिमामयी स्मृति ब्रिटेन के लोगों में लंबे समय तक यादगार के रूप में स्थापित रहेगी।

(अ)क्षर माला

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

नोट से चीप, आलू से सोना और टेस्ट ट्यूब बेबी से सीता मैया को ढूँढ़ निकालने के बाद जो अपार सफलता मिली, उसके लिए मैं हृदय की गहराई से आप सभी का आभार व्यक्त करता हूँ। मुझे पता है कि आप भी मुझे बधाई देना चाहते है, किंतु आपके पास शब्दों की कमी पड़ रही है। इसीलिए मैंने अक्षरों की ओर दृष्टिपात किया है।

सुना है अक्षर जन्म और मृत्यु के खेल से परे होते हैं। सोचा क्यों न मैं भी अक्षरों पर एक कवर स्टोरी बना दूँ। अब तो हर सच्चाई कवर होने लगी है। जीवन में किसी न किसी को कभी न कभी अवश्य कवर करना चाहिए, वरना हमें कवर करने वाला दुनिया में कोई नहीं बचेगा।

बहुत दिनों के बाद मैंने अक्षरमाला को बड़े ध्यान से देखा। पिछली बार 2011 के आसपास देखा था। मात्र देखने का परिणाम यह हुआ कि देश का साक्षरता दर सत्तर पार हो गया। मैंने देखने में कभी कमी नहीं की। यही कारण है कि यहाँ जितने डॉक्टर और इंजीनियर बनते हैं उससे कहीं ज्यादा बाबा उभरकर आते हैं। हमारी साक्षरता पढ़े लिखों में बेवकूफों और बेवकूफों में पढ़े लिखो का संतुलन बनाए रखती है। हाँ तो मेरी बात अक्षरमाला पर हो रही थी।

मानो मुझे ऐसा लगा कि चुनिंदा शहरों के साथ-साथ अक्षरमाला को भी स्मार्ट सिटी का दर्जा दे दिया गया है। अक्षरमाला के शहर में स्वर, व्यंजन, गला, मूर्धा, तालू, दाँत, होंठ जैसी अलग-अलग बस्तियाँ काफी हाई-फाई हो गयी हैं। तालू के मोहल्ले में दाँत वाले मोहल्ले का कोई छोकरा घुस आए तो दाँतों की बत्तीसी तोड़ने के लिए तलुआ गैंग के अक्षर डटकर खड़े रहते हैं।

मैंने देखा कि कुछ अक्षर बदन पर आभूषण की प्रदर्शिनी लगाए प्रशंसा पाने की होड़ में है। कुछ अक्षर भजन, कीर्तन करते हुए फलाँ-फलाँ का नामस्मरण कर रहे हैं। उन्हें पूरा विश्वास है कि जिनके लिए यह भजन, कीर्तन हो रहा है वे उन्हें असली अक्षर होने का दर्जा देंगे।

कुछ अक्षर तो अपने अगल-बगल में इतर लगाए सभी को अपने गंध के मोह में फांसना चाहते हैं। पुरस्कार हथियाना चाहते हैं। कुछ अक्षर अपने बदन पर धर्म, जात-पात, रीति-रिवाज का वर्ण पोतकर शाल ओढ़वाने के लिए बेताब हैं। कुछ अक्षर तो सिजेरियन ऑपरेशन से जबरन बाहर आए किसी तितली के समान प्रतीत होते हैं। जब मन चाहा तब, जिस पर चाहा उस पर गए और मंडराए। अपना जलवा बिखेरने लगे।

कुछ अक्षर तो इसलिए जन्म लेते हैं कि उनके भाग्य में दूसरों के द्वारा रौंदना लिखा होता है। दुनिया भर का अपमान मात्र अस्तित्व की पहचान के लिए सह लेते हैं।

बावजूद इसके कई रौंदे जा रहे हैं और कई विलुप्तता के कगार पर खड़े हैं। अक्षरों की महानगरी मात्राओं की बिल्डिंगों से पटी पड़ी है, जहाँ केवल अहं की मात्रा दिखाई दे रही है। अक्षरों की मात्रा तो कब की मिट चुकी है।

हमारा कोहिनूर, कब तक रहेगा हमसे दूर

ऋतुपर्ण दवे

एक बार फिर दुनिया का बेशकीमती हीरा कोहिनूर जिसे बहुतेरे सामंतक मणी भी कहते हैं, जबरदस्त सुर्खियों में है। शायद यह अकेला ऐसा हीरा है जिसकी अब तक सबसे ज्यादा सुर्खियाँ दिखीं। अभी कोहिनूर ब्रिटेन की हाल ही में परलोक सिधारी महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मौत के बाद फिर चर्चाओं में है। कोहिनूर उनके ताज में सुशोभित है और क्रिस्टल पैलेस में प्रदर्शिनी के लिए रखा हुआ है। इसकी कीमत सुनकर भी सिवाय आश्चर्य के कुछ नहीं होता। अभी अनुमानतः कोहिनूर की कीमत डेढ़ लाख करोड़ रुपये है।

हकीकत यह है कि न तो आज तक कभी बेचा गया सो खरीदे जाने का सवाल ही नहीं उठता। हमेशा तोहफे या जीतकर ही तमाम हुक्मरानों के पास आता, जाता रहा। उपलब्ध और ज्ञात तथ्यों से पता चलता है कि कोहिनूर का इतिहास लगभग 5000 वर्ष पुराना है, संभव है कि और भी ज्यादा हो। मूल रूप से कोहिनूर आंध्र प्रदेश के गोलकोंडा से निकलने के बाद 793 कैरेट का था और दुनिया का सबसे बड़ा हीरा था। ब्रिटेन पहुँचने के बाद और चमक की खातिर तराशा गया जिससे 105.6 कैरेट का रहकर 21.6 ग्राम वजन का है। सबसे पहले 12वीं शताब्दी में काकतीय साम्राज्य के पास था जहां वारंगल के एक मंदिर में हिंदू देवता की आंख के तौर पर मंदिर की शोभा बढ़ाता रहा। हीरे का सबसे पहला जिक्र 1304 के आसपास मिलता है कहते हैं मालवा के राजा महलाक देव के खजाने का हिस्सा था। पहली बार कोहिनूर लूटने में अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति मलिक काफूर का नाम आता है जिसने 1310 में लूटकर खिलजी को भेंट किया। उसके बाद कभी लुटकर तो कभी उपहारों के जरिए हुक्मरानों की शोभा बढ़ाता रहा। इस खूबसूरत और बेशकीमती कोहिनूर को जो भी देखता उसका दिल इसी पर आ जाता। इसी कोहिनूर की वजह से कई शासकों की सल्तनत तहस-नहस हो गई और हत्याएँ भी हुईं। इसलिए इसे श्रापित भी कहा गया यह चर्चा 13वीं सदी से चली आ रही है।

1526 में मुग़ल शासक बाबर ने बाबरनामा में हीरे को खुद का बताते हुए सुल्तान इब्राहिम लोधी की भेंट बताया। बाबर के वंशज, हुमायूँ तथा औरंगजेब ने इस अमूल्य हीरे की सौगात अपने पोते सुल्तान महमद औरंगजेब को दी जो बेहद निडर एवं कुशल शासक था उसने अपनी बहादुरी से कई राज्य हथियाये। 1739 में फारसी शासक नादिर शाह भारत आया और महमद की सल्तनत पर कब्जा कर उसके राज्य की धरोहरों को अपने अधीन किया जिसमें कोहिनूर भी था। कोहिनूर नाम उसी का दिया है। उसके कब्जे में कोहिनूर कई साल रहा। 1747 में उसकी हत्या के बाद हीरा जनरल अहमद शाह दुर्रानी के पास पहुंच 1813 में वापस भारत आ गया। चूँकि राजा रंजीत सिंह ने दुर्रानी को अफगानिस्तान से लड़ने एवं राजगद्दी वापस दिलाने में मदद की थी इसलिए उन्हें हीरा सौंप दिया। रंजीत सिंह ने अपनी वसीयत में कोहिनूर को मृत्यु उपरान्त जगन्नाथपुरी के मंदिर को देने वसीयत लिखी परंतु ईस्ट इंडिया कंपनी नहीं मानी। 29 मार्च 1849 को द्वितीय एंग्लो-सिक्ख युद्ध में ब्रिटिश फोर्स ने राजा रंजीत सिंह को हरा कर उनकी सभी संपत्ति तथा राज्य को कब्जा लिया। ब्रिटिश सरकार ने लाहौर की संधि लागू करते हुए कोहिनूर को ब्रिटिश महारानी विक्टोरिया को सौंपने की बात कही। इस तरह कोहिनूर लंबी यात्रा करते हुए ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने खजाने में रख लिया और अंततः जुलाई 1850 में इंग्लैंड की महारानी

विक्टोरिया को सौंप दिया गया तबसे राजपरिवार के अधीन है। अभी हाल ही में दिवंगत रानी की ताज में जड़ा है और लंदन टावर में सुरक्षित रखा है।

आजादी के बाद 1947 से भारत की कोहिनूर वापसी की तमाम नाकाम कोशिशें हुईं। 1953 में महारानी एलीजाबेथ द्वितीय के राजतिलक के वक्त भी कोहिनूर वापसी की माँग को ब्रिटेन हुकूमत ने नकार दिया। इधर 1976 में पाकिस्तान ने भी इस पर दावा जताया, उसे भी ठुकराया दिया। इतिहास की दुहाई दे अफगानिस्तान ने भी दावा किया कि कोहिनूर वहीं से भारत गया फिर ब्रिटेन। इसलिए पहला हक अफगानिस्तान का है। ईरान ने भी कोहिनूर पर दावा किया, लेकिन ब्रिटेन ने ठुकरा दिया। भारत ने तो यहाँ तक कहा कि ब्रिटेन ने अनैतिक रूप से हासिल किया है। सन् 1997 में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के भारत दौरे के समय भी यह मांग उठी थी। जुलाई 2010 में तो तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री डेविड केमरून ने यहां तक कह दिया कि अगर ब्रिटिश सरकार हरेक देश के दावे को सही मान अमूल्य रत्न एवं वस्तुएँ लौटाती रहेगी तो ब्रिटिश संग्रहालय अमूल्य धरोहरों से खाली हो जाएगा। महात्मा गांधी के पोते सहित कई भारतीयों ने भी इसे लौटाने की मांग की। फरवरी 2013 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कैमरून के भारतीय दौरे पर उन्होने कोहिनूर को लौटाने से साफ इंकार कर दिया। 2016 में जबलपुर के रहने वाले स्टेनली जॉन लुईस जो स्टेशन रोड पर ढ़ाबा चलाते हैं का रोचक दावा भी खूब चर्चाओं में रहा। उन्होंने इसे अपने परदादा एलबर्ट लुईस (सन1800) की धरोहर बता खानदानी संपत्ति बताया जिसे राजा-महाराजा अपने कब्जा में करने कवायदें करते रहे।

लुइस का दावा है कि इसे बेचकर 700 सालों तक सारी दुनिया को खाना खिलाया जा सकता है। ब्लैक बेल्ट और पैराग्लाइडिंग एक्सपर्ट लुइस ने ढ़ाबे कमाई का बड़ा हिस्सा इसी लड़ाई में खर्चा। 2008 में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में रिट पिटीशन दायर की जिसका नंबर 540/2008 है। इसमें भारत व ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सहित अन्य को पक्षकार पार्टी बनाया। इधर एक आरटीआई के जवाब में 43 साल पुराने कानून का हवाला देकर केंद्र ने बताया कि भारत कोहिनूर को हासिल नहीं कर सकता। नियमानुसार उन प्राचीन वस्तुओं को वापस लाने की अनुमति नहीं है, जो आजादी से पहले परदेश जा चुकी हैं। पुरावशेष और बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम 1972 के प्रावधानों में भारतीय पुरातत्व विभाग उन्हीं प्राचीन वस्तुओं की वापस प्राप्ति का मुद्दा उठाता है जिन्हें अवैध रूप से निर्यात किया गया। चूँकि कोहिनूर आजादी से पहले जा चुका था इसलिए वो मुद्दे को नहीं उठा सकता। वहीं विदेश मंत्रालय से इस बावत हुए पत्रचार की कॉपी मांगने पर कहा कि मामला संस्कृति मंत्रालय के अधीन आता है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी ऑल इंडिया ह्यूमन राइट्स एंड सोशल जस्टिस फ्रंट और हेरिटेज बंगाल की याचिका खारिज करते हुए कहा कि अदालत सरकार के जवाब से संतुष्ट है कि वो हीरा वापसी का प्रयास कर रही है। 21 अप्रेल 2017 को सुधारात्मक याचिका और उससे जुड़े कागजात देख सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय पीठ ने दखल के मामले से इनकार कर याचिका खारिज दी। इससे दो साल पहले भी अदालत ने कहा था कि वह हीरा भारत लाने या विदेशी सरकार को नीलामी रोकने का आदेश नहीं दे सकती क्योंकि भारतीय अदालत दूसरे देश में हो रही घटनाओं पर कैसे आदेश पारित कर सकती है? 2015 में भी भारतीय मूल के ब्रिटिश सांसद कीथ वाज ने तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा से पहले वहाँ संसद में एक भाषण दौरान कोहिनूर भारत को लौटाने की मांग की रखी। अब ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मौत के बाद उनके ताज में जड़ा हमारा कोहिनूर सोशल मीडिया में हैश टैग के साथ फिर सुर्खियों में है। कोई गंभीर है तो कोई ब्रिटेन को शाही चोर कह रहा है तो कोई मीम के जरिए अपनी बातें कह रहा है। कुछ भी हो हजारों साल पुराने कोहिनूर से हमारा खास लगाव ही है जो अब भी आस लगाए बैठे हैं। लगाएँ भी क्यों न जब लंबी लड़ाई से आक्रान्ताओं और गोरों को खदेड़ सकते हैं तो क्या कोहिनूर को पाने खातिर ईमानदार कोशिशों से पीछे क्यों रहें?

समाज सेवा की संकल्प साधना

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

भारतीय दर्शन में जीवन का चौथा चरण संन्यास आश्रम होता है। लेकिन आध्यात्मिक प्रेरणा से किसी भी अवस्था में संन्यास ग्रहण किया जा सकता है। इस परम्परा में बालक, युवा और वृद्ध सभी लोग सम्मिलित है। हमारी परंपरा में इस प्रकार के संन्यास जीवन पर अमल करने वाले अनगिनत उदाहरण है.

संन्यास आश्रम के साथ समाज सेवा को जोड़कर चलने की भी परम्परा रही है। इस मार्ग का अनुसरण करने वालों ने निजी जीवन संन्यास को अपनाया, इसी के साथ उसमें समाज सेवा का भी समावेश किया। इस प्रकार के उदाहरणों की भी कमी नहीं है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संन्यास की इसी परम्परा पर चल रहे है। वह निजी जीवन में संन्यास आश्रम की मर्यादाओं का अमल करते है। इसके साथ ही समाज सेवा के प्रति भी समर्पित है। संन्यास और समाज सेवा का सामंजस्य उनके आचरण में परिलक्षित होता है।

अपना प्रत्येक पल समाज के चिंता व सेवा में लगाने का प्रयास करते है। संन्यास व समाज की यह भावभूमि उन्हें लोगों के कष्ट पर व्यथित करती है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश की संचारी रोग आपदा का लोकसभा में वर्णन करते हुए उनकी आँखें छलक जाती है। मुख्यमंत्री बने तो इस समस्या के समाधान पर ध्यान दिया। इस मामले में अभूतपूर्व सफलता मिली है। कई क्षेत्रों में सत्तर से अस्सी प्रतिशत तक सुधार हुआ है। सुधार की प्रक्रिया जारी है। समाज के प्रति उनकी संवेदना अक्सर दिखाई देती है। उनके पूर्व आश्रम के पिता का निधन होता है। योगी को सूचना मिलती है, प्रदेश में कोरोना आपदा है, वह आपदा प्रबंधन की बैठक जारी रखते है, मन की व्यथा को रोकते है, आंसू पोछ लेते है। जरुरतमन्दों के भोजन इलाज आदि की व्यवस्था करते है। वह प्रदेश की जनता के प्रति जिम्मेदारी का निर्वाह करते है। पूर्व आश्रम पिता के अंतिम संस्कार में नहीं जाते है। स्पष्ट है कि योगी आदित्यनाथ ने संन्यास व समाज सेवा का समन्वय स्थापित किया है। यह उनकी जीवन शैली है। समाज सेवा व मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने विकास के अनेक कीर्तिमान स्थापित किये। पैंतालीस विकास व जनकल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश को शीर्ष पर पहुंचा दिया। संन्यास व आस्था के विषय में उनका अलग रूप परिलक्षित होता है। वैसे वह आस्था के विषयों को भी विकास से जोड़ देते है। तीर्थ स्थलों के विकास इसके प्रमाण है। वह राजनीति को ध्यान में रख कर आस्था की अभिव्यक्ति नहीं करते है। यह विषय सहज स्वाभाविक रूप से उनके जीवन में शामिल है। विगत साढ़े चार वर्षों में अयोध्या के विकास का नया अध्याय लिखा गया। इस क्रम में योगी आदित्यनाथ यहां एक धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उनका संबोधन मुख्यमंत्री के रूप में नहीं था। यहां वह एक संन्यासी व श्री महंत के रूप में दिखाई दे रहे थे। महर्षि बाल्मीकि का उल्लेख किया। उन्होंने लिखा था- रामोविग्रह वान धर्मः' अर्थात श्रीराम धर्म के साक्षात स्वरूप हैं,राम ही धर्म है। धर्म के जो साक्ष्य किसी जगह मिलते हैं, वह मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम में ही मिलते हैं। इसलिए भगवान श्रीराम और धर्म परस्पर पूरक है। अयोध्या धर्म के पथ की अनुगामी है। यही श्रीराम और सनातन धर्म की विशेषता है। प्रभु श्रीराम जी का जीवन चरित्र सामाजिकता के साथ-अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष देने वाला है। योगी आदित्यनाथ वैभव व आस्था के अनुरूप अयोध्या का विकास कर रहे है। यहां अंतरराष्ट्रीय एयर पोर्ट व दशरथ मेडिकल कॉलेज का निर्माण प्रगति पर है। श्री राम वन गमन मार्ग का निर्माण कार्य पौराणिक गरिमा के अनुरूप किया जा रहा है। अयोध्या मोक्षदायिनी सप्तपुरियों में शीर्ष पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस दृष्टि से अयोध्या को दुनिया मे प्रतिष्ठित कर रहे है। धार्मिक स्थलों का समग्र विकास किया जा रहा है। जिससे विदेश से आने वाले पर्यटकों को भी सकारात्मक सन्देश मिले। समग्र विकास में दशरथ मेडिकल कॉलेज का निर्माण भी शामिल है। यहां लोगों का इलाज भी हो रहा है। मेडिकल विद्यार्थियों की पढ़ाई भी शुरू हो गई है। इस मेडिकल कॉलेज को और सुविधासंपन्न बनाने के लिए अनेक निर्माण कार्य चल रहे हैं। कई निर्माण कार्य पूरे होने वाले हैं जबकि कुछ महत्वपूर्ण निर्माण कार्य चल रहा है।पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या विकास प्राधिकरण की तरफ से मास्टर प्लान में शामिल बीस हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट की समीक्षा की थी। उस वर्चुअल समीक्षा में योगी आदित्यनाथ व संबंधित अधिकारी शामिल हुए थे। मास्टर प्लान में सभी विकास परियोजनाओं को शामिल किया गया है। इसमें पुरातत्व महत्व के मंदिरों और परिसरों का जीर्णोद्धार व सुंदरीकरण शामिल है। बीस हजार करोड़ रुपए के इन प्रोजेक्ट में क्रूज पर्यटन परियोजना, रामकी पैड़ी पुनर्जनन परियोजना, रामायण आध्यात्मिक वन, सरयू नदी आइकॉनिक ब्रिज, प्रतिष्ठित संरचना का विकास पर्यटन सर्किट का विकास, ब्रांडिंग

अयोध्या, चैरासी कोसी परिक्रमा के भीतर दो सौ आठ विरासत परिसरों का जीर्णोद्धार, सरयू उत्तर किनारे का विकास आदि शामिल हैं। इसके साथ ही अयोध्या को आधुनिक स्मार्ट सिटी के तौर पर विकसित किया जा रहा है। सरकार ने सैकड़ों पर्यटकों के सुझाव के बाद एक विजन डॉक्यूमेंट भी तैयार किया है। अयोध्या के विकास की परिकल्पना एक आध्यात्मिक केंद्र, वैश्विक पर्यटन हब और एक स्थायी स्मार्ट सिटी के रूप में की जा रही है। कनेक्टिविटी में सुधार के प्रयास जारी है। इनमें एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन के विस्तार, बस स्टेशन, सड़कों और राजमार्गों व ढांचा परियोजनाओं का निर्माण शामिल है। ग्रीनफील्ड टाउनशिप भी प्रस्तावित है। इसमें तीर्थयात्रियों के ठहरने की सुविधा, आश्रमों के लिए जगह, मठ, होटल, विभिन्न राज्यों के भवन आदि शामिल हैं। अयोध्या में पर्यटक सुविधा केंद्र व विश्व स्तरीय संग्रहालय भी बनाया जाएगा। सरयू के घाटों के आसपास बुनियादी ढांचा सुविधाओं का विकास होगा।

भाषा साहित्य की रक्त प्रवाहिनी हिंदी

संजीव ठाकुर

हिंदी भाषा करोड़ों भारतीय के दिलों में बसी हुई भाषा है। हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा होने का गौरव प्राप्त है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहां भी है ₹राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक है₹ हिंदी की सार्वभौमिक स्वीकार्यता के कारण ही भारतीय राजनेताओं ने हिंदी को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया था। हिंदी मूलतः बड़ी विशाल एवं आसानी से बोली जाने वाली, लिखी जाने वाली भाषा है। भारत की भौगोलिक विशालता और विविधता के बावजूद हिंदी सर्व स्वीकार्य और देश की सर्व सम्मत भाषा है। यह अलग बात है कि अभी तक संवैधानिक रूप से इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हो पाया है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय आंदोलनकारियों ने यह महसूस किया की एकमात्र हिंदी भाषा ही ऐसी भाषा है जो दक्षिण के कुछ क्षेत्र को छोड़कर पूरे देश की संपर्क भाषा है। भारत के संविधान में कुल 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। पर हिंदी भाषा ही एक ऐसी भाषा है जो भारत में विभिन्न भाषा भाषाई नागरिकों के मध्य विचार विनिमय और संपर्क के लिए एक बड़ा सहारा है।

हिंदी के विशाल स्वरूप को मद्दे नजर रख पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा ₹हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का या भाषा का बहिष्कार नहीं किया₹ यह शब्द हिंदी की पवित्रता और व्यापकता को इंगित करते हैं। वर्तमान परिस्थितियों एवं समय काल मैं पूरे विश्व में 45 करोड़ लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा है। इसकी सरलता एवं सहजता विश्व के लोगों को अत्यंत प्रभावित भी करती है। हिंदी के विद्वानों,शिक्षाविदों, लेखकों, रचनाकारों और युवा लेखकों द्वारा हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में अहम भूमिका भी निभाई है। कई नामचीन विद्वान लेखक जिन्होंने हिंदी को वैश्विक भाषाई शिखर पर पहुंचाया है। इसी अनुक्रम में 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एकमतेन हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया और 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का निर्णय भी लिया गया था। और हिंदी दिवस मनाने का एकमात्र उद्देश्य राजकीय कार्यालयों इसके व्यापक प्रचार प्रसार एवं पत्राचार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की ही है। हिंदी भाषा को पूरे विश्व में द्वितीय भाषा के रूप में माना जाता है। हिंदी नए वैश्विक स्तर पर अपने चलन के कारण अंग्रेजी भाषा को भी काफी पीछे छोड़ दिया है। आज हिंदी भाषा का कंप्यूटर,इंटरनेट ई बुक, सोशल मीडिया, विज्ञापन, टेलीविजन रेडियो आदि क्षेत्र में व्यापक स्तर पर प्रयोग किया जा रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या विदेशी व्यापारियों के लिए एक बड़ा उपभोक्ता बाजार है। यही कारण है कि विदेशी कंपनियां अपने सभी विज्ञापनों एवं सामानों में हिंदी भाषा का उपयोग कर भारतीय जनमानस को अपने उत्पादों के प्रति आकर्षित करना चाहती है।यही वजह है कि हिंदी का व्यापक प्रचार-प्रसार भी इसी माध्यम से हो रहा है। विदेशों में भारतीय फिल्मों ने भी हिंदी का बड़ा और वृहद प्रचार प्रसार किया है। ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, रूस मैं निवासरत भारतीय लोग हिंदी के प्रचार में निरंतर लगे हुए हैं। वहां हिंदी बोली तथा समझी जाती है।

एनी बेसेंट ने सत्य कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में जो भाषा सबसे प्रभावशाली बन कर सामने आती है वह है हिंदी, जो हिंदी जानता है पूरे भारत की यात्रा कर हिंदी बोलने वाला से हर तरह की जानकारी प्राप्त कर सकता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा भी अपने सामानों को बेचने के लिए हिंदी भाषा का प्रयोग करना पड़ रहा है। भारत में कुछ काले अंग्रेज लोग जो सिर्फ महानगरों में अंग्रेजी को ही महत्त्व देते हैं, उन्हें इस बात को समझ जाना चाहिए की भविष्य में हिंदी का भविष्य वैश्विक स्तर पर उज्जवल है। और उन्हें हिंदी भाषा बोलने में शर्म नहीं आनी चाहिए। अंग्रेजी भाषा एक अंतरराष्ट्रीय भाषा है वह जरूर बड़ी कंपनियों मैं विदेश में नौकरी दिलाने का माध्यम बन सकती है, पर हिंदी देश का गौरव और नागरिकों की आत्माओं में बसी एक पवित्र धारा है ।

अंग्रेजी भाषा रोजगार मूलक जरूर हो सकती है, पर केवल इसी कारण हिंदी की अवहेलना और उपेक्षा किसी भी स्तर पर तर्कसंगत नहीं है। भारतीयों को हिंदी के आत्म गौरव को विस्मृत नहीं करना चाहिए। हिंदी देश को भावनात्मक एकता के सूत्र में बांधे में सक्षम भारत की एकमात्र सशक्त भाषा है। हिंदी की गहराई तथा विशालता किसी बात से इंगित होती है कि भारतीय ग्रंथों और बड़े मूर्धन्य लेखकों की किताबों का अनुवाद विश्व की अनेक भाषाओं में किया गया है ।

गए थे मूर्ति विसर्जन को,लौट कर नहीं आए !

मनोज कुमार अग्रवाल

गणेश मूर्ति तो कलाकार मिट्टी से दोबारा गढ़ देंगे लेकिन जो दर्जनों युवा मिट्टी की मूर्ति को विसर्जित करते समय लापरवाही की भेंट चढ़ गए उनके जल से निकाले गए पथराऐ शरीर में प्राण नहीं लौट कर आएंगे। गणपति तो विसर्जित हो गए लेकिन उन्हें विसर्जित करने की उमंग, उत्साह, श्रद्धा कब अतिरंजित होकर अतिरेक उन्माद लापरवाही में बदल गई कि अपनी जान की भी सुध गंवा बैठे और दर्जनों नौजवान गणेश प्रतिमा के साथ जल समाधि ले गए। गणपति तो आस्था की मिट्टी से बनाई गयी श्रद्धा के प्रतीक थे वह तो अगले साल नई प्रतिमा के रूप में पुनः पधार जाएंगे लेकिन आस्था व श्रद्धा के चरमोन्माद में असंयमित उत्साह में जान गंवा गए युवाओं के परिवार ताजिंदगी उनकी राह निहारे तो भी ये लोग और उनका जीवन वापस नहीं आएगा। महाराष्ट्र में परम्परागत ढंग से मनाया जाने वाला गणेशोत्सव अब महाराष्ट्र की हदें तोड़ कर समूचे उत्तर भारत में लोकपर्व बन गया है। गणेश चतुर्थी पर गणेश प्रतिमा की स्थापना और फिर अनन्त चतुर्दशी पर गणपति प्रतिमा का विसर्जन करने की परम्परा महाराष्ट्र की भोगोलिक सीमा को पार कर अब उत्तर भारत में भी प्रचलित हो गई है। टीवी न्यूज चैनल और सोशल मीडिया से आई संचार क्रांति का ही यह प्रभाव है कि अब गणेशोत्सव उत्तर भारत के अधिकांश नगर कस्बों में उत्साह के साथ मनाया जाने लगा है।लेकिन हर साल गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान हादसों की तादाद बढती जा रही है इस बार तो तकरीबन पचास श्रद्धालुओं की जान गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान काल कवलित होने के समाचार है। इस तरह एक आनंद व लोकमंगल की कामना का उत्सव बहुत से परिवारों के लिए अमंगलकारी साबित हुआ है।

गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान दुर्घटनाओं में हरियाणा, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं की सबसे अधिक प्राण हानि हुई हैं। चालीस से अधिक युवा, किशोर, बालक प्रतिमा विसर्जन के दौरान मस्ती करते हुए जरा सी चूक में गहरे जल में जल समाधि ले गए जबकि अन्य दर्जन भर से अधिक लोगों की जान इस दौरान सड़क दुर्घटना में चली गईं।

हरियाणा महेंद्रगढ़ जिले में गणेश प्रतिमा का विसर्जन करने गए आठ श्रद्धालु अचानक नहर में डूब गए। आसपास के लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद सभी को नहर से बाहर निकाला। नहर में डूबे 8 लोगों में से चार की मौत हो चुकी थी और 4 लोगों की हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।यूपी के उन्नाव में भी गणेश मूर्ति विसर्जन के दौरान दर्दनाक हादसे में पांच किशोर बह गए जिनमें से तीन की मौत हो गई ।बरनाला पंजाब में भी हादसे में 22 वर्षीय युवक सुनील शर्मा दीक्षित का अचानक ही पैर फिसल और पानी के तेज बहाव के साथ बह गया पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई।हरियाणा के सोनीपत में भी यमुना में गणेश मूर्ति विसर्जन करते पिता-पुत्र सहित चार डूबे, दो के शव बरामद दो अभी लापता हैं।

अंगारक चतुर्थी : मंगलवार को सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ पितृ पक्ष की चतुर्थी

मंगल मेष और वृश्चिक राशि का स्वामी है। अंगारक चतुर्थी पर सबसे पहले गणेश पूजन करें, इसके बाद मंगल ग्रह को लाल फूल चढ़ाएं। शिवलिंग पर तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं, बिल्व पत्र के साथ ही लाल फूल, लाल गुलाल, मसूर की दाल चढ़ाएं।

मंगल के लिए भात पूजा करें। इस पूजा में शिवलिंग का पकाए हुए चावल से श्रृंगार किया जाता है। भात यानी चावल से श्रृंगार करने के बाद पूजा करें। पूजा में ऊँ अं अंगारकाय नमः मंत्र का जप करना चाहिए।

ऐसे कर सकते हैं गणेश जी की सरल पूजा

अंगारक चतुर्थी पर सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद गणेश जी को जल चढ़ाएं। सिंदूर, दूर्वा, फूल, चावल, फल, प्रसाद और पूजन सामग्री चढ़ाएं और धूप-दीप जलाएं।

गणेश जी के सामने व्रत करने का संकल्प करें। श्री गणेशाय नमः मंत्र का जप करते रहें। आरती करें।

अगर व्रत कर रहे हैं तो दिनभर अन्न का सेवन न करें। फलाहार करें, पानी, दूध, फलों का रस सेवन कर सकते हैं।

गणेश जी और मंगल ग्रह की करें पूजा, पितरों के लिए करें श्राद्ध

मंगलवार, 13 सितंबर को अंगारक गणेश चतुर्थी है। अभी पितृ पक्ष चल रहा है और इस पक्ष की चतुर्थी का महत्व काफी अधिक है। 13 तारीख को गणेश जी, मंगल ग्रह की पूजा करें और पितरों के लिए श्राद्ध कर्म करें। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। इस योग में किए गए शुभ काम जल्दी सिद्ध होते हैं।

मंगलवार को ये तिथि होती है तो वह अंगारक गणेश चतुर्थी कहलाती है। चतुर्थी पर गणेश जी के लिए व्रत-उपवास किया जाता है। सुबह-शाम गणेश पूजन करते हैं।

मंगलवार को मंगल ग्रह के लिए पूजा की जाती है। ज्योतिष में मंगल को ग्रहों का सेनापति माना गया है। इस ग्रह की पूजा शिवलिंग रूप में की जाती है। उज्जैन मंगल देव का जन्म स्थान है।

पितृ पक्ष की चतुर्थी पर उन लोगों का श्राद्ध, पिंडदान, तर्पण और धूप-ध्यान करें, जिनकी मृत्यु किसी भी महीने की चतुर्थी तिथि पर हुई है।

मेष और वृष राशि का स्वामी है मंगल

ऐसे कर सकते हैं पितरों के लिए धूप-ध्यान

पितृ पक्ष में हर रोज दोपहर में करीब 12 बजे पितरों के लिए धूप-ध्यान करना चाहिए। इसके लिए खीर-पुड़ी, मिठाई आदि चीजें बनाएं।

कंडा जलाएं और अंगारों पर गुड़-घी के साथ ही भोजन का भी धूप दें। इसके बाद ये खाना गाय, कुत्ते और कौओं को खिलाएं। पितृ पक्ष में जरूरतमंद लोगों को धन और अनाज का दान करना चाहिए।

9 अक्टूबर तक रहेगा आश्विन महीना

इन दिनों रहेंगे नवरात्रि दशहरा और शरद पूर्णिमा जैसे बड़े पर्व

रविवार, 11 सितंबर से आश्विन मास की शुरुआत हो गई है। पंचांग के मुताबिक अश्विन महीने के दौरान 25 सितंबर को सर्व पितृ अमावस्या तक श्राद्ध पक्ष रहेगा। इसके अगले दिन यानी 26 तारीख को घट स्थापना के साथ नवरात्र शुरू हो जाएंगे। जो कि दशहरे पर खत्म होंगे। फिर 5 दिन बाद शरद पूर्णिमा पर्व के साथ अश्विन महीना खत्म हो जाएगा। इन दिनों में इंदिरा और पापांकुशा एकदशी रहेंगी। इस हिंदी महीने में विनायकी और संकष्टी चतुर्थी व्रत के साथ महाष्टमी और महानवमी पूजा भी रहेंगी। इस तरह बड़े व्रत और त्योहारों वाला रहेगा अश्विन महीना।

अश्विन महीने के तीज-त्योहार

शुक्रवार, 13 सितंबर को संकष्टी गणेश चतुर्थी है। इस दिन मंगलवार होने से अंगारक चतुर्थी व्रत किया जाएगा।

शनिवार, 17 सितंबर को तुला संक्रांति है। इस दिन सूर्य तुला राशि में प्रवेश करेगा। इस दिन तीर्थ-स्नान और दान करने की परंपरा है।

रविवार, 18 सितंबर को सुहागन महिलाएं जिवित्पुत्रिका व्रत करेंगी। संतान की लंबी उम्र के लिए ये व्रत किया जाएगा।

बुधवार, 21 सितंबर को इंदिरा एकादशी है। इस दिन भगवान विष्णु के लिए व्रत-उपवास किए जाते हैं। एकादशी पर विष्णुजी के साथ ही महालक्ष्मी और तुलसी की विशेष पूजा करनी चाहिए।

रविवार, 25 सितंबर को सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या है। इस तिथि पर सभी पितरों के लिए श्राद्ध-तर्पण आदि पुण्य कर्म करना चाहिए।

सोमवार, 26 सितंबर से देवी दुर्गा का महापर्व नवरात्र शुरू हो रहा है। इस दिन घट स्थापना की जाएगी।

शुक्रवार, 30 सितंबर को लक्ष्मी पूजा का दिन रहेगा। इस दिन उपांग ललिता व्रत किया जाएगा।

रविवार, 2 अक्टूबर को देवी सरस्वती की विशेष पूजा करने का दिन है।

सोमवार, 3 अक्टूबर को महाष्टमी है। इस तिथि पर देवी दुर्गा के महागौरी स्वरूप की पूजा की जाती है।

मंगलवार, 4 अक्टूबर को महानवमी है। इस नवरात्रि की समाप्ति होगी और देवी दुर्गा के सिद्धिदात्री स्वरूप की पूजा की जाती है।

बुधवार, 5 अक्टूबर को दशहरा मनाया जाएगा। इस दिन श्रीराम के नाम का जाप करना चाहिए। मंत्र जाप की संख्या कम से कम 108 होनी चाहिए।

गुरुवार, 6 अक्टूबर को पापांकुशा एकादशी है। इस तिथि भगवान विष्णु के अवतारों की पूजा करनी चाहिए।

रविवार, 9 अक्टूबर को आश्विन महीने का आखिरी दिन यानी शरद पूर्णिमा है। इसके बाद 10 अक्टूबर से कार्तिक माह शुरू हो जाएगा।

धूप-ध्यान करते समय अंगूठे की ओर से ही क्यों चढ़ाना चाहिए जल, उंगली में कुशा की अंगूठी क्यों पहनें?

पितृ पक्ष शुरू हो गया है और 25 सितंबर तक रोज पितरों के नाम से धूप-ध्यान, पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध कर्म किए जाएंगे। इन दिनों में पितरों को जल अर्पित करने की परंपरा है और जल हथेली में लेकर अंगूठे की ओर से चढ़ाया जाता है। इसके साथ ही उंगली में कुशा की अंगूठी भी पहनी जाती है। पितरों से जुड़े शुभ कर्म करते समय अंगूठे की ओर से पानी चढ़ाया जाता है। इस संबंध में मान्यता है कि अंगूठे की तरफ से पितरों को जल चढ़ाते हैं तो पितर देवता हमारे पिंडदान, तर्पण और धूप-ध्यान से जल्दी तृप्त हो जाते हैं।

हस्तरेखा ज्योतिष में भी बताई गई है इस परंपरा की वजह

हस्तरेखा ज्योतिष में हथेली के सभी हिस्सों के अलग-अलग स्वामी बताए गए हैं। देवी-देवताओं को हथेली के आगे वाले हिस्से की ओर से जल चढ़ाते हैं, क्योंकि ये हिस्सा देवी-देवताओं की पूजा के लिए सबसे अच्छा माना जाता है।

हथेली में अंगूठे और इंडेक्स फिंगर के नीचे बीच वाले हिस्से को पितृ तीर्थ कहते हैं, और इसे पितर देवताओं का स्थान माना जाता है। इस कारण पितरों से जुड़े कामों में अंगूठे की ओर से जल चढ़ाने की पंरपरा है। अंगूठे से चढ़ाया गया जल हमारे हाथ के पितृ तीर्थ से होता हुआ पितरों तक पहुंचता है।

हथेली का आगे का हिस्सा है जीवित लोगों के लिए

हमारी हथेली में आगे का हिस्सा जीवित लोगों के लिए है और पीछे का हिस्सा पितरों के लिए है।

पितरों के लिए श्राद्ध कर्म करते समय उंगली में कुशा की अंगूठी क्यों पहनते हैं?

श्राद्ध कर्म करते समय दोनों हाथों की अनामिका उंगली यानी इंडेक्स फिंगर में कुशा की अंगूठी पहनना जरूरी नियम है। इसके बिना पितरों से संबंधित शुभ कर्म पूरे नहीं होते हैं।

कुशा को सबसे पवित्र घास माना गया है। इस घास के स्पर्श से हमारा शरीर पवित्र होता है।

अगर किसी व्यक्ति के पास कुशा की अंगूठी नहीं है तो उसे चांदी की अंगूठी पहनकर पूजन कर्म और श्राद्ध करना चाहिए। चांदी की अंगूठी न हो तो सोने की अंगूठी पहनकर श्राद्ध कर्म किए जा सकते हैं।

बुध हुआ वक्री, अब 17 को सूर्य का राशि परिवर्तन

बुधादित्य योग से नौकरी और बिजनेस में होगा फायदा, धनु सहित चार राशियों के लिए शुभ

बुध की चाल बदलने के बाद इस सप्ताह सूर्य का राशि परिवर्तन होगा। जिससे सूर्य और शुक्र की युति खत्म होगी और बुधादित्य शुभ योग बनेगा। सभी ग्रहों के राजा सूर्यदेव, प्रसिद्धि देने वाले शुक्र ग्रह और ग्रहों के राजकुमार कहे जाने वाले बुध ग्रह से होने वाला ये परिवर्तन मौसमी बदलाव होने का भी संकेत दे रहा है। ज्योतिषियों की माने तो ग्रहों के इस बदलाव से देश में कई जगहों पर अगले कुछ दिनों तक तेज बारिश हो सकती है।

कैसी रहेगी ग्रहों की स्थितिपुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र ने बताया कि 8 सितंबर को बुध अपनी ही राशि यानी कन्या में अस्त हो गया था। इसके बाद 10 तारीख से टेढ़ी चाल से चल रहा है। इसे ज्योतिष में वक्री होना कहा गया है। वहीं, सूर्य भी अपनी ही राशि सिंह में शुक्र के साथ युति बना रहा है। लेकिन इस हफ्ते के आखिरी में 17 तारीख को सूर्य का राशि परिवर्तन होगा और ये ग्रह कन्या राशि में बुध के साथ बुधादित्य योग बनाएगा। जो कि शुभ फल देने वाला रहेगा। इनके प्रभाव से देश में राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक बदलाव दिखेंगे।

खत्म होगा षडाष्टक योगसूर्य के राशि बदलने से शनि के साथ बन रहा अशुभ षड़ाष्टक योग खत्म होगा। जिसका असर देश-दुनिया सहित सभी राशियों पर दिखेगा। जिससे लोगों को तनाव से राहत मिलने लगेगी। विवाद भी सुलझेंगे। दुर्घटनाएं और बीमारियां कम होने की संभावना रहेगी। नौकरी और बिजनेस में आ रही परेशानियां खत्म होंगी। बड़े फैसले होंगे। साथ ही कुछ लोगों के स्थान परिवर्तन के भी योग बनेंगे।

बुधादित्य योग से शुरू होगा अच्छा समयसूर्य के कन्या राशि में मित्र ग्रह, बुध के साथ आने से बुधादित्य योग बनेगा। ये शुभ योग कई लोगों के लिए फायदेमंद रहेगा। जिससे नौकरी और बिजनेस में प्रमोशन के योग बनेंगे। रुका हुआ पैसा मिलेगा। पद और सम्मान भी बढ़ने की संभावना रहेगी। सरकारी कामों में आ रही रुकावटें दूर होंगी। इस शुभ योग के प्रभाव से कई लोगों को अच्छी खबर मिलने की संभावना है।

महाभारत में है पितृ पक्ष का जिक्र

भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को बताया था श्राद्ध के बारे में

अगर किसी की मृत्यु तिथि मालूम न हो तो क्या करना चाहिए?

पितरों के लिए धूप-ध्यान, पिंडदान और धूप ध्यान करने का महापर्व पितृ पक्ष शुरू हो गया है। पितृ पक्ष 25 सितंबर तक रहेगा। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष में पितरों के लिए शुभ कर्म करने की परंपरा बहुत पुराने समय से चली आ रही है। महाभारत में भी श्राद्ध का जिक्र है। भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को इस पक्ष के बारे में नियम और जरूरी बातें बताई थीं।

महाभारत के अनुशासन पर्व में भीष्म पितामह और युधिष्ठिर के संवाद हैं। इसी बातचीत में भीष्म ने युधिष्ठिर को श्राद्ध कर्म के बारे में भी बताया है।

महर्षि निमि से जुड़ी है श्राद्ध पक्ष की परंपरा

महाभारत में अनुशासन पर्व के अध्याय 91 में महर्षि निमि की कथा है। ब्रह्मा जी से अत्रि मुनि की उत्पत्ति हुई। अत्रि मुनि के यहां दत्तात्रेय भगवान का जन्म हुआ। दत्तात्रेय के यहां निमि ऋषि का जन्म हुआ।

निमि ऋषि का एक पुत्र था श्रीमान। श्रीमान की मृत्यु कम उम्र में ही हो गई थी। निमि ऋषि अपने पुत्र के वियोग में दुखी थे। एक बार निमि ऋषि ने अमावस्या तिथि पर पुत्र के लिए श्राद्ध कर्म किया था। उन्होंने ब्राह्मणों को भोजन कराया। पिंडदान किया था। इनके बाद से ही श्राद्ध करने की परंपरा शुरू हुई।

महाभारत में ब्रह्मा, पुलस्त्य, वसिष्ठ, पुलह, अंगिरा, क्रतु और महर्षि कश्यप ये सात मुख्य पितर देवता बताए गए हैं।

श्राद्ध कर्म करने से हमें मृत व्यक्ति के जाने का दुख सहन करने की शक्ति मिलती है। दुख कम होता है। मन ये भाव रहता है कि हमने हमारे प्रिय व्यक्ति के लिए कुछ अच्छा काम किया है।

पितरों का भोजन अग्नि में क्यों चढ़ाया जाता है?

पितरों के लिए धूप-ध्यान करते समय भोजन जलते हुए अंगारों पर ही चढ़ाया जाता है। इस संबंध में महाभारत में बताया गया है कि जब श्राद्ध कर्म होने लगे तो पितर देवताओं को भोजन न पचने की समस्या हो गई। भोजन न पचने से पितर देवताओं को दिक्कतें हो रही थीं। तब वे सभी ब्रह्मा जी के पास पहुंचे। ब्रह्मा जी ने पितरों की बात सुनी और उन्हें अग्नि देव के पास भेज दिया।

अग्निदेव ने पितरों से कहा कि अब से मैं भी आपके साथ श्राद्ध का भोजन करूंगा। मेरे साथ आप भोजन करेंगे तो आपकी सारी समस्याएं खत्म हो जाएंगी। तभी भी धूप-ध्यान के समय अंगारों में भोजन चढ़ाया जाता है।

अगर किसी व्यक्ति की मृत्यु तिथि न मालूम हो तो क्या करें?

अगर किसी व्यक्ति की मृत्यु तिथि मालूम न हो तो सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या (25 सितंबर) पर सभी जाने-अनजाने पितरों के नाम से धूप-ध्यान, पिंडदान आदि शुभ कर्म किए जा सकते हैं। पितरों के लिए एक बर्तन में कच्चा दूध, कुश, जल, फूल लें। दाएं हाथ के अंगूठे की ओर से पितरों का ध्यान करते हुए जल चढ़ाएं।

पहले मणि रत्नम ने किया था अमाला पॉल को रिजेक्ट : बाद में एक्ट्रेस ने ठुकराया पोन्नियन सेल्वन का ऑफर

एक्ट्रेस अमाला पॉल ने हाल ही में एक खुलासा किया है। एक इंटरव्यू में अमाला ने बताया कि उन्होंने मणि रत्नम की अपकमिंग फिल्म 'पोन्नियन सेल्वन' में काम करने का ऑफर ठुकरा दिया था। साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें इस अपॉर्च्यूनिटी के जाने का बिलकुल पछतावा नहीं है, क्योंकि उस वक्त वो फिल्म को करने की मेंटल स्थिति में नहीं थीं। इसके पहले मणि रत्नम ने अमाला पॉल को सेम प्रोजेक्ट के लिए रिजेक्ट कर दिया था।

'पोन्नियन सेल्वन' के लिए दिया था ऑडिशनटाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में अमाला से सवाल किया गया कि एक ऐसी फिल्म जो उन्होंने न चाहते हुए ठुकराई है। इस पर एक्ट्रेस ने कहा, मणि रत्नम सर ने पोन्नियन सेल्वन के लिए मेरा ऑडिशन लिया था। मैं मणि सर की बहुत बड़ी फैन हूं और मैं इसे लेकर बेहद एक्साइटेड थी, लेकिन उस वक्त मुझे रोल के लिए नहीं चुना गया। मैं बहुत निराश और दुखी हुई थी।

अमाला ने ठुकराया था फिल्म का ऑफरअमाला ने आगे कहा, मणि रत्नम सर ने मुझे 2021 में उसी प्रोजेक्ट के लिए फोन किया, लेकिन मैं उस वक्त इस फिल्म को करने की मेंटल स्टेट में नहीं थी। इसलिए मुझे इस प्रोजेक्ट को न कहना पड़ा। अगर आप मुझसे पूछेंगे कि मुझे अपने इस फैसले पर पछतावा है, तो ऐसा बिलकुल नहीं है। कुछ चीजें परफेक्ट होती हैं। इस फिल्म को अच्छे से डिजाइन किया गया है।

ऐश्वर्या राय डबल रोल में आएंगी नजर'पोन्नियन सेल्वन' पार्ट 1 कल्कि के मास्टरपीस साहित्य पर आधारित है। यह फिल्म 30 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पोन्नियन सेल्वन में ऐश्वर्या राय, विक्रम, कार्थी, जयम रवि, तृषा, सरथ कुमार और ऐश्वर्या लक्ष्मी लीड रोल में हैं। इस फिल्म में ऐश्वर्या राय डबल रोल में नजर आएंगी। बता दें कि यह फिल्म तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज की होगी।

अमाला ने 'कैडेवर' से की बतौर प्रोड्यूसर शुरुआतअमाला हाल ही में मलयालम थ्रिलर 'कैडेवर' में नजर आई थीं। उन्होंने इस फिल्म से बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी शुरुआत की है।

'कैडेवर' में अमाला ने एक पैथोलॉजिस्ट का रोल प्ले किया है, जो एक सीरियल किलर को पकड़ने में पुलिस की मदद करती है। अमाला को सोनी लिव की पहली तमिल एंथोलॉजी सीरीज 'विक्टिम' में देखा गया था।

दो शादियां असफल होने के बाद अब श्वेता तिवारी ने बेटी की दी सलाह, 'कभी शादी न करना'

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी 41 साल की उम्र में भी अपनी खूबसूरती को लेकर चर्चा में रहती हैं. सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वाली श्वेता अपनी तस्वीरों से फैंस और आलोचकों को हैरान करती रहती हैं. श्वेता की तरह उनकी बेटी पलक तिवारी भी बला की खूबसूरत हैं, हाल ही में ट्रेडिशनल साड़ी में उनका लुक काफी वायरल हुआ था. अपनी दो असफल शादियों के बाद अब श्वेता तिवारी अपनी बेटी पलक को शादी न करने की सलाह दो रही हैं. श्वेता के इस फैसले ने हर किसी को हैरान कर दिया है, लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि आखिरी एक मां क्यों नहीं चाहती की उसकी बेटी की शादी हो?

'मैं हूं अपराजिता' में नजर आएंगी श्वेता

श्वेता तिवारी टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस है, वो सिर्फ अपने प्रोफेशनल लाइफ को लेकर ही नहीं बल्कि पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं. वो जल्द ही टीवी पर अपने नए शो 'मैं हूं अपराजिता' के साथ वापसी करने जा रही हैं. हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में श्वेता ने बताया कि दो असफल शादियों के बाद मैरिज को लेकर उनकी सोच अब बदल चुकी है. वो अब अपनी बेटी पलक तिवारी को भी शादी न करने की सलाह देती हैं, जिनकी उम्र अभी सिर्फ 21 साल है. श्वेता ने इस सलाह के पीछे की वजह भी बताई है.

शादी में नहीं रहा विश्वास

एक्ट्रेस ने कहा, 'शादी में अब मेरा बिल्कुल भी विश्वास नहीं है, यहां तक कि मैं अपनी बेटी (पलक) से भी यही कहती हूं कि शादी मत करो. हालांकि ये उसकी अपनी जिंदगी है, मैं उसे ऑर्डर नहीं करती कि कैसे जीना है, लेकिन मैं चाहती हूं कि वो शादी का फैसला लेने से पहले अच्छी तरह सोच ले.'

शादी करना जरूरी नहीं!

श्वेता ने आगे कहा, 'शादी करना सिर्फ इसलिए जरूरी नहीं है कि आप एक रिलेशनशिप में हैं, ये नहीं होना चाहिए की आपको लगे शादी करना जरूरी है और बिना इसके जिंदगी कैसे चलेगी. कहा जाता है कि हर शादी खराब नहीं होती और मेरी कई शादुशुदा दोस्त खुश हैं, लेकिन कुछ को मैंने समझौता करते देखा है. इसलिए मैं अपनी बेटी से कहना चाहती हूं कि सामाजिक दबाव में आकर कोई ऐसा फैसला ले, वो वही करे जिससे उसे खुशी मिले.'

पाकिस्तानी सिंगर और एक्टर अली जफर शाहरुख खान के साथ नहीं करना चाहते फिल्म: शहनाज गिल के साथ काम करने की जताई इच्छा

शाहरुख खान के साथ काम करना कई एक्टर्स का सपना होता है। खासकर न्यूकमर किसी न किसी प्रोजेक्ट में जुड़ने की इच्छा रखते हैं। लेकिन पाकिस्तानी सिंगर और एक्टर बॉलीवुड के बादशाह के साथ कोलैबोरेट नहीं करना चाहते हैं, जिसके पीछे उन्होंने ठोस वजह बताई। हालांकि, एक्टर ने शहनाज गिल के साथ जरूर काम करना चाहते हैं। जब अली जफर से सवाल किया गया कि किंग खान के साथ कब काम करेंगे? इसपर अली ने कहा- मौजूदा पॉलिटिकल हालात देखते हुए शाहरुख के साथ काम करना उनके लिए फायदेमंद नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा- यार अभी फिलहाल मेरे से वो ना ही कोलैबोरेट करें तो बेहतर होगा। वहां पर ऐसे ही बात बढ़ जाती है।

शहनाज के साथ काम करना चाहते हैं अली जफर

अली जफर शाहरुख के साथ काम नहीं करना चाहते हैं। लेकिन उन्होंने शहनाज गिल के साथ काम करने की इच्छा जरूर जाहिर की। इंटरव्यू में उन्होंने शहनाज के लिए मैसेज भेजा और कहा- शहनाज अगर तुम चाहो तो मैं अपने किसी एक गाने में तुम्हारे साथ कोलैबोरेट करना चाहूंगा।'

9 बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके हैं अली

अली जफर ने 2010 में 'तेरे बिन लादेन' फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू किया था। अपने करियर में वो कुल 9 हिंदी फिल्मों में काम कर चुके हैं। उनकी आखिरी बॉलीवुड फिल्म डियर जिंदगी थी, जिसमें उन्होंने आलिया भट्ट और शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर की थी। लेकिन साल 2016 में जब उरी हमला हुआ तब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने पाकिस्तानी कलाकारों को बॉलीवुड में काम करने से बैन कर दिया था। खबरें तो यह भी थीं कि इन विवादों के चलते डियर जिंदगी में अली को रिप्लेस कर दिया गया था। हालांकि जब मूवी रिलीज हुई तो फिल्म में उनका पूरा सीन दिखाया गया। डियर जिंदगी के बाद से ही अली बॉलीवुड फिल्मों में नहीं नजर आए हैं।

प्राची देसाई की खूबसूरती देख 'पागल' हो गया एक डायरेक्टर, फिल्म में रोल देने के बदले बनाना चाहता था संबंध

टेलीविजन और बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वालीं एक्ट्रेस प्राची देसाई टीवी के पॉपुलर शो 'कसम से' से घर-घर मे अपनी पहचान बना ली है, साल 2006 में इस शो को खूब पसंद किया गया था. सालों तक टीआरपी चार्ट पर राज करने वाले इस शो से प्राची ने काफी वाहवाही बटोरी. टीवी के बाद प्राची ने बॉलीवुड में डेब्यू किया और अपनी एक्टिंग से वहां भी सफलता के झंडे गाड़े. प्राची अक्सर अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं, जहां उनके फैंस जमकर अपनी एक्ट्रेस पर प्यार लुटाते हैं.

प्राची देसाई को आखिरी बार फिल्म 'फोरेंसिक' में देखा गया था. करीब तीन साल तक टीवी शो में काम करने वाली प्राची के पास फिल्मों से भी ऑफर आने लगे, उन्होंने डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 2' की ट्रॉफी भी जीती थी. बॉलीवुड में प्राची ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'रॉक ऑन' से किया, जिसे फैंस ने भी खूब पसंद किया. अपनी खूबसूरती और गोरी स्किन को लेकर एक इंटरव्यू में प्राची ने कहा था कि वो इसके लिए अपनी दादी और मां को श्रेय देती हैं, क्योंकि उन्हीं का जीन एक्ट्रेस में है.

क्या है गोरी त्वचा का राज?

प्राची ने कहा था, 'हमारे अनियमित शेड्यूल के कारण कभी-कभी हमें बहुत कम नींद आती है, इसलिए मैं अच्छी त्वचा के लिए सब कुछ करती हूं. मैं हमेशा हेल्दी खाना खाती हूं और ढेर सारा पानी पीती हूं. यह व्यक्तिगत अनुभव से है कि जब आपके पास पर्याप्त पानी होगा और खुद को हाइड्रेट करेंगे, तो आपका सिस्टम साफ हो जाएगा और आपकी त्वचा नमीयुक्त महसूस करेगी.' प्राची ने बताया कि वो घरेलू नुस्खे में विश्वास रखती हैं, जो आसानी से आपकी रसोई में मिल जाते हैं. वो अपने फेस पर किसी भी केमिकल युक्त प्रोडक्ट का इस्तमाल नहीं करतीं.

इन फिल्मों में नजर आईं प्राची

प्राची के फिल्मी करियर की बात करें तो उन्हें फिल्म 'रॉक ऑन' के बाद कई ऑफर्स मिले. उन्होंने अभिषेक बच्चन, अजय देवगन, जॉन अब्राहम और इमरान हाशमी सहित बड़े नामों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया. उनकी कुछ लोकप्रिय फिल्मों में 'लाइफ पार्टनर', 'तेरी मेरी कहानी', 'रॉक ऑन 2', 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई', 'कार्बन', 'अजहर', 'पुलिस गिरी' और 'आई, मी और मैं' शामिल है. प्राची देसाई आखिरी बार विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित फिल्म 'फोरेंसिक' में नजर आई थीं.

रिलेशन के लिए पीछे पड़ा रहा डायरेक्टर

आपको जानकर हैरानी होगी कि टीवी में इतना बड़ा नाम बनाने के बाद भी फिल्म इंडस्ट्री में प्राची को कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा था. उन्हें एक बड़ी फिल्म में रोल के लिए कॉम्प्रोमाइज करने के लिए कहा गया था, लेकिन प्राची ने ऐसी शर्त मानने से साफ इनकार कर दिया. एक्ट्रेस ने फिल्म साइन करने की बजाए अपने मान-सम्मान और इज्जत को प्राथमिकता दी. प्राची ने बताया कि मना करने के बाद भी डायरेक्टर उनके पीछे पड़ा रहा और अपनी डिमांड मनवाने की कोशिश की. डायरेक्टर ने उन्हें फिल्म के लिए रिलेशन बनाने का ऑफर दिया था.

'मैं राखी को बुर्का या हिजाब पहनने को नहीं कहता', पर मुझे भी तो अपना धर्म देखना है : ब्वॉयफ्रेंड आदिल

बॉलीवुड की ड्राम क्वीन बोल्डनेस छोड़ अब नार्मल ड्रेस में नज़र आने लगी हैं, आखिर इसकी वजह क्या है? शायद प्यार. जो वो बिजनेस मैन आदिल खान दुर्रानी से कर बैठी हैं. राखी को हर बार प्यार में असफलता मिली. लेकिन इस बार वे अपनी तरफ से इस रिश्ते को मंजिल तक पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती हैं. इसलिए राखी आदिल के लिए बुर्का. हिजाब. सब कुछ पहनने को तैयार हैं. राखी ने खुद इस बात का खुलासा किया है कि खुद इस बात का खुलासा किया है कि आदिल और उनके परिवार बिलकुल पसंद नहीं है कि वह ग्लैमरस कपड़े पहनें. इसलिए राखी को खुद को ढककर रखना शुरू कर दिया है. वे अब सिंपल कपड़ों में नज़र आती हैं. राखी ने कहा कि वो नहीं चाहती हैं कि उनकी किसी हरकत से आदिल या उनके परिवार वालों को कोई दुख पहुंचे. इसलिए वो ऐसा करके खुश हैं.

वहीं जब आदिल से इस बारे में बात की गई तो उन्होंने कहा कि राखी अजीब से छोटे कपड़े पहनती थी मैंने उसे बस ठीक कपड़े पहनने को कहा है. मैंने उसे हिजाब या बुर्का पहनने को नहीं कहा है लेकिन मैं अगर राखी के साथ जुड़ गया हूं तो इसका ये मतलब नहीं है कि मैं अपना धर्म भूल जाऊं. मैं मुस्लिम बैकग्राउंड से आता हूं. मुझे ये भी देखकर चलना है.

लोग नहीं चाहते राखी से शादी करें आदिलसिद्धार्थ कन्नन के साथ एक इंटरव्यू में आदिल से पूछा गया कि वो अपने घर में कब बताएंगे कि राखी उनकी वाइफ बनने वाली हैं. इस पर आदिल ने कहा, 'बहुत जल्द ऐसा होगा.' वहीं राखी ने बात को काटते हुए कहा कि 'मैं कुछ कहना चाहूंगी. फिल्म इंडस्ट्री में बहुत सारे मुस्लिम हैं. क्या उन्होंने शादी नहीं की... क्या उन लड़कियों के नाम सामने नहीं आए? क्या वो आइटम सॉन्ग नहीं करतीं? मैं दूसरे बैकग्राउंड से आई हूं.

अगर हम कल शादी करते हैं तो मैं जो हूं उसके परिवार पर कोई असर नहीं होना चाहिए. अब इनकी बहन की शादी होने वाली है तो लोग इन्हें कह रहें है कि अगर राखी सावंत को बहू बनाकर लाओगे तो तुम्हारी बहन से कौन शादी करेगा. ये सब क्या है...मैं क्या कोई आतंकवादी हूं. इनकी बहन को मेरी वजह से ये सब क्यों सहना होगा. रिश्ते तो ऊपर से बन कर आते हैं.'

रजनीकांत एक बार फिर बने नाना

बेटी सौंदर्या ने अपने दूसरे बेटे को दिया जन्म, 3 साल पहले की थी दूसरी शादी

दिग्गज सुपरस्टार एक्टर रजनीकांत के घर खुशियों ने दस्तक दी है, वो एक बार फिर नाना बन गए हैं. जी हां, रजनीकांत की बड़ी बेटी सौंदर्या रजनीकांत ने अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया है. रविवार को सौंदर्या ने अपने ट्विटर हैंडल पर फैंस को ये गुड न्यूज दी और न्यू बेबी के साथ अपने प्रेग्नेंसी शूट की कुछ तस्वीरें भी शेयर की. सोशल मीडिया और निजी तौर पर भी सौंदर्या रजनीकांत को दूसरी बार मां बनने के लिए ढेरों बंधाई संदेश मिल रहे हैं. सौंदर्या ने खुलासा किया कि बच्चे का नाम वीर रजनीकांत वनांगमुडी रखा गया है. हालांकि, उन्होंने अपने नवजात शिशु के चेहरे की झलक नहीं दिखाई. सोशल मीडिया पर पोस्ट

की गई पहली क्लोजअप तस्वीर में बच्चा एक शख्स की उंगली पकड़े नजर आ रहा है. दूसरी फोटो में सौंदर्या के फोटोशूट के दौरान पूरा परिवार नजर आ रहा है. सौंदर्या ने प्रेग्नेंसी के दौरान एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर खिंचवाई थी. आखिरी फोटो में सौंदर्या अपने बेटे वेद के साथ दिखीं, फोटो में मां-बेटे की जोड़ी एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराती हुई बेहद खूबसूरत लग रही है. इन तस्वीरों पर पोस्ट करते हुए एक्टर अभिषेक बच्चन ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'बधाई हो.' वहीं एक फैन ने लिखा, 'रजनीकांत बहुत खुशकिस्मत हैं कि उनके चार नाती हैं. उनकी दूसरी बेटी ऐश्वर्या के भी दो बेटे हैं.

सोशल मीडिया पर इन खूबसूरत तस्वीरों को शेयर करते हुए सौंदर्या ने लिखा, 'भगवान की अपार कृपा और हमारे माता-पिता के आशीर्वाद से विशगन, वेद और मैं, वेद के छोटे भाई वीर रजनीकांत वनांगमुडी का आज 11/9/22 का स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं. इस सफल में हमारा साथ देने वाले डॉक्टरों (एसआईसी) को धन्यवाद.' सौंदर्या का ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. लोग उन्हें ढेरों बधाई संदेश भेज रहे हैं. सौंदर्या ने 2019 में विशगन से दूसरी शादी की थी. वीर, दोनों की पहली संतान हैं. सौंदर्या के पहले पति बिजनेसमैन अश्विन रामकुमार से भी उन्हें एक बेटा वेद है, जिसका नाम वेद है.

ब्रालेस ड्रेस में ईशा गुप्ता को देख फैंस को याद आई किम कार्दशियन

बॉलीवुड की टॉप बोल्ड एक्ट्रेस में से एक ईशा गुप्ता को आज किसी इंट्रोडक्शन की जरूरत नहीं है. ईशा ने समय-समय पर इंस्टाग्राम पर अपने बोल्डनेस और हॉट अंदाज दिखाया है. सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें काफी वायरल होती रहती हैं. वेब सीरीज'आश्रम 3' में एंट्री करने के बाद से ईशा गुप्ता सुर्खियों में छाई हुई हैं. उनका ग्लैमरस लुक इंटरनेट पर सनसनी मचा कर रखता है. ईशा की कुछ तस्वीरें फिर से तहलका मचा रही हैं. जो सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं.

सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि ईशा गुप्ता व्हाइड बॉडीकॉन ड्रेस में स्टनिंग और बोल्ड नजर आ रही हैं. दिलचस्प बात ये है कि उन्होंने ड्रेस के साथ कोई ब्रा नहीं पहनी है. बॉडीकॉन ड्रेस में ईशा गुप्ता ने न सिर्फ अपने

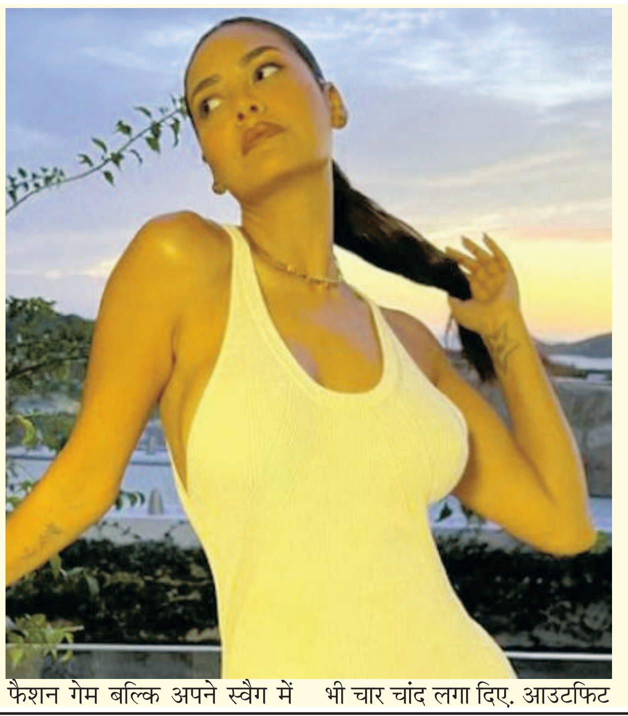

फैशन गेम बल्कि अपने स्वैग में भी चार चांद लगा दिए. आउटफिट पूरी तरह से उसके शरीर पर फिट आ रही थी. इस ड्रेस में ईशा जितनी खूबसूरत लगीं उतनी है हॉट भी लग रही थीं. इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस ने अपनी एक से ज्यादा तस्वीरें शेयर की हैं. अपने स्टनिंग लुक को पूरा करने के लिए ईशा गुप्ता ने अपने बालों को स्लीक पोनीटेल में स्टाइल में रखा. इसी के साथ उन्होंने बोल्ड मेकअप से अपने लुक को पूरा किया. ड्रेस के साथ ईशा ने गोल्ड चोकर नेकपीस पहना, जो उन पर बेहद खूबसूरत लग रहा था. ईशा का ये लुक किम कार्दशियन से कॉपी किया गया लग रहा है. किम भी अक्सर बॉडीकॉन ड्रेस में पोनीटेल के साथ नजर आती हैं. बताया जा रहा है कि ये तस्वीरें उनके स्पेन में छुट्टियां मनाने के दिनों की हैं. फैंस ने भी कमेंट बॉक्स में एक्ट्रेस की खूब तारीफ की है.

कमर दर्द के कारण, लक्षण और बचाव के उपाय

आजकल के शहरी जीवनशैली में कमर दर्द एक बहुत ही आम समस्या है. डॉक्टर के पास जाने और काम पर न जा पाने के सबसे प्रमुख कारणों में से एक कमर दर्द है. यही नहीं कमरदर्द दुनियाभर में विकलांगता का सबसे बड़ा कारण है. कमर दर्द के मामलों में अच्छी बात यह है कि ज्यादातर मामलों में दर्द होने से पहले ही इस स्थिति को रोका जा सकता है या दर्द होने पर उससे आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है. अगर आप दर्द शुरू होने से रोक नहीं पाते हैं, तो दर्द साधारण घरेलू उपायों के जरिए दर्द में राहत मिल सकती है. कुछ एक्सरसाइज और अपने उठने, बैठने व लेटने के तरीकों में सुधार करके दर्द से कुछ ही हफ्तों में छुटकारा मिल सकता है. आमतौर पर कमरदर्द में सर्जरी की आवश्यकता नहीं होती है.

कमर दर्द के लक्षण

मांसपेशियों में दर्द

अचानक तेज दर्द होना

जलन होना

चाकू चुभने जैसा दर्द होना

दर्द का पैरों की तरफ बढ़ना

पैर मोड़ने, उठाने, चलने या खड़े रहने पर गंभीर दर्द महसूस होना

डॉक्टर को कब दिखाएं

जैसा कि आपने ऊपर पढ़ा, ज्यादातर मामलों में घरेलू इलाज और आराम करने से कुछ ही हफ्तों में कमर दर्द से राहत मिल जाती है. जब दर्द बहुत ज्यादा हो और घरेलू उपायों व आराम करने पर दर्द में राहत न मिले तो आपको डॉक्टर को दिखाना चाहिए. निम्न कुछ अवस्थाएं हैं, जब आपको यथाशीघ्र डॉक्टर के पास जाना चाहिए.

* दर्द का कई हफ्तों तक बने रहना

* गंभीर दर्द होना और आराम करने पर भी दर्द में राहत न मिलना

* दर्द का एक या दोनों पैरों की तरफ बढ़ना, खासतौर पर दर्ध घुटनों से नीचे बढ़ना

*एक या दोनों पैरों में कमजोरी, सुन्न होना या झुनझुनी महसूस होना

*अचानक बिना किसी कारण वजन कम होना

*कुछ मामलों में कमर दर्द की वजह से गंभीर मेडिकल समस्या हो सकती है, ऐसे में आपको तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए.

*आंत या मूत्राशय से जुड़ी समस्याएं होना

* बुखार के साथ ऊपर बताई गई समस्याएं होना

*गिरने के बाद पीठ में झटका या कोई चोट लगने पर

कमर दर्द के कारण

आमतौर पर कमर दर्द का कोई कारण आपको स्पष्ट रूप से नजर नहीं आएगा. जब आप डॉक्टर के पास जाते हैं तो वह टेस्ट और एक्सरे, एमआरआई आदि की मदद से दर्द का कारण जानने की कोशिश करते हैं. कमर दर्द से जुड़ी कुछ स्थितियों में शामिल हैं.

* मांसपेशियों या लिगामेंट में किसी तरह का खिंचाव

* बार-बार भारी वजन उठाना

* कमर झुकाने, अचानक उठने या अचानक रुकने या किसी तरफ मुड़ने पर भी कमर दर्द हो सकता है.

*अगर आपकी शारीरिक स्थिति खराब है और आपकी पीठ पर लगातार दबाव पड़ रहा है तो मांसपेशियों में दर्द हो सकता है.

* डिस्क में बल्जिंग या रप्चर डिस्क की समस्या होना

* आर्थराइटिस या गठिया की वजह से कमर दर्द हो सकता है.

* ऑस्टियोआर्थराइटिस की वजह से भी पीठ के निचले हिस्से में दर्द हो सकता है.

ऑस्टियोपोरोसिस

आपको कमर दर्द हो सकता है अगर

कमर दर्द की शिकायक किसी को भी हो सकती है. यहां तक कि बच्चों को भी कमर दर्द हो सकता है. निम्न कुछ कारण आपको कमर दर्द के गंभीर खतरे में डाल सकते हैं.

उम्र – जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे आपको कमरदर्द की शिकायत बढ़ सकती है. खासतौर पर 30-40 की उम्र के बाद यह समस्या ज्यादा हो सकती है.

व्यायाम न करना – आपके कमर की कमजोर मांसपेशियां, जिनका इस्तेमाल नहीं होता है वह आपको गंभीर कमरदर्द दे सकती हैं, इसलिए नियमित तौर पर एक्सरसाइज करें

ज्यादा वजन होना – अगर आपका वजन ज्यादा है तो इससे आपकी कमर पर ज्यादा भार पड़ता है, जिससे आपको कमर दर्द की शिकायत हो सकती है.

बीमारियां – कुछ प्रकार के आर्थराइटिस और कैंसर भी कमर दर्द का कारण बन सकते हैं.

वजन उठाना – अगर आप वजन उठाने के लिए पैरों की बजाय कमर का इस्तेमाल करेंगे तो कमर दर्द हो सकता है.

साइक्लॉजिकल कंडीशन – अवसाद और चिंता से ग्रसित रहने वाले लोगों में पीठ दर्द का खतरा ज्यादा रहता है.

धूम्रपान – धूम्रपान करने वालों को कमर दर्द की शिकायत हो सकती है. ऐसा इसलिए क्योंकि धूम्रपान से खांसी की समस्या ज्यादा होती है, जिसके कारण हर्निएटिड डिस्क की समस्या हो सकती है. धूम्रपान की वजह से रीढ़ में खून का प्रवाह भी कम हो सकता है, जो ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ सकता है.

कमर दर्द से कैसे बचें

आप कमर दर्द से बच सकते हैं. कमर दर्द को होने से रोक सकते हैं. अगर पहले से कमर दर्द की समस्या रही है तो उसके तीव्रता और बार-बार होने से रोक सकते हैं. इसके लिए आपको निम्न कदम उठाने होंगे.

व्यायाम करें – आपको नियमित तौर पर कम प्रभावी एरोबिक एक्सरसाइज करनी चाहिए, यह आपकी कमर में खिंचाव य झटके नहीं लगने देगी. यह व्यायाम करने से आपकी कमर मजबूत होगी और मांसपेशियों को अच्छी तरह से काम करने में सक्षम बनाएगी. वॉकिंग और स्वीमिंग अच्छे विकल्प हैं.

स्वस्थ वजन बनाए रखें – जैसा कि आपने ऊपर बढ़ा, ज्यादा वजन होने से कमर पर ज्यादा भार पड़ता है, इससे कमर की मांसपेशियों में खिंचाव पैदा होता है. वजन नियंत्रित करके कमर दर्द होने से बचा जा सकता है.

मांसपेशियों का मजबूती बढ़ाएं और लचीलापन लाएं – पेट और पीठ की मांसपेशियों के व्यायाम उनकी स्थिति में सुधार करता है. ये मिलकर कमर के लिए एक प्राकृतिक कोर्सेट का काम करते हैं. कूल्हों और पैरों के ऊपरी हिस्सों में लचीलापन पेल्विक की हड्डियों की मजबूती बढ़ाती है.

ठीक से खड़े हों – ठीक से बैठें – कमर के निचले हिस्से और हाथों को सहारा देने वाली कुर्सी का चुनाव करें. रीढ़ की हड्डी के कर्व को सामान्य रखने के लिए कमर के पिछले हिस्से में कुशन रखें या तौलिया मोड़कर रखें. बैठने की मुद्रा को हर 15-20 मिनट में बदलते रहें.

जादू की झप्पी से तनाव कम होता है महिलाओं पर इसका असर पुरुषों से अधिक

मुश्किल परिस्थिति में अगर कोई अपना गले लगाए तो तनाव कम महसूस होता है। रिसर्च बताती है कि ऐसा महिलाओं के संदर्भ में ज्यादा होता है। 76 लोगों पर की गई रिसर्च में यह सामने आया कि जब किसी अपने को महिला गले लगाती है, तब उस व्यक्ति में कोर्टिसोल नाम का तनाव हॉर्मोन का कम उत्पादन होता है। यह किसी पुरुष के गले लगाने से नहीं होता।

तनाव कम करना याददाश्त के लिए जरूरी

यह रिसर्च अमेरिका के एरिजोना यूनिवर्सिटी में की गई। रिसर्चर्स के मुताबिक, कोर्टिसोल मेमोरी पर प्रभाव डाल सकता है, जो तनावपूर्ण कार्य को आगे और भी कठिन बना सकता है। किसी व्यक्ति के द्वारा स्नेहपूर्वक तरीके से गले लगाने से ऑक्सीटोसिन नाम के हॉर्मोन का उत्पादन होता है। यह कोर्टिसोल के प्रभाव को कम करता है।

2018 में भी ऐसी ही रिसर्च की गई थी। इसमें कहा गया था कि किसी नकारात्मक घटना के बाद किसी अपने के गले लगने से व्यक्ति बेहतर महसूस करता है। वैज्ञानिकों का यह भी कहना है कि गले लगाने से पहले यह भी समझें कि सामने वाले को उसकी जरूरत है भी या नहीं, क्योंकि सामने वाले की मनोस्थिति ही गले लगने पर उसके असर को बता सकेगी। इस स्टडी के नतीजे नेचर जर्नल में प्रकाशित किए गए हैं।

क्यों पुरुषों के गले लगने से कोर्टिसोल कम नहीं होता?

रिसर्च के मुताबिक, इसका सामाजिक कारण भी हो सकता है। कई पुरुष गले लगाने के बारे में उतना अच्छा महसूस नहीं करते, क्योंकि उन्हें सामाजिक रूप से पुरुषों के लिए असामान्य या अजीब माना जाता है। दूसरा कारण किसी महिला और पुरुष के बीच स्पर्श करने का भी हो सकता है।

कुंवारे लोगों में दिल का दौरा पड़ने के बाद जान जाने का जोखिम अधिक : शोध

कुंवारे लोगों में दिल का दौरा पड़ने के बाद जान जाने का जोखिम शादीशुदा लोगों से काफी ज्यादा होता है. नए शोध में इसका खुलासा हुआ है. यूरोपियन सोसाइटी ऑफ कार्डियोलॉजी के एक नए अध्ययन के अनुसार, हृदय गति रुकने वाले अविवाहित रोगी अपनी बीमारी के प्रबंधन को विवाहित साथियों की तुलना में ठीक से नहीं कर पाते. ये अंतर अविवाहित रोगियों के लिए लंबे समय तक जीवित रहने की दर को कम करने में योगदान कर सकते हैं. जर्मनी के यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल वुर्जबर्ग में कॉमप्रिहेंसिव हार्ट फेल्योर सेंटर के अध्ययन लेखक डॉ. फैबियन केरवेगन ने कहा, 'सामाजिक समर्थन लोगों को दीर्घकालिक स्थितियों का प्रबंधन करने में मदद करता है.'

पति या पत्नी दवाओं के इस्तेमाल को लेकर अपने हमसफर की सहायता करते हैं और उन्हें स्वस्थ्य होने के लिए लगातार प्रोत्साहित करते रहते हैं. इससे बीमार लोगों को बीमारी से लड़ने में ज्यादा मदद मिलती है. इस अध्ययन में अविवाहित रोगियों ने विवाहित रोगियों की तुलना में कम सामाजिक संपर्क का प्रदर्शन किया और उनके दिल की विफलता का प्रबंधन करने के लिए आत्मविश्वास की कमी थी.

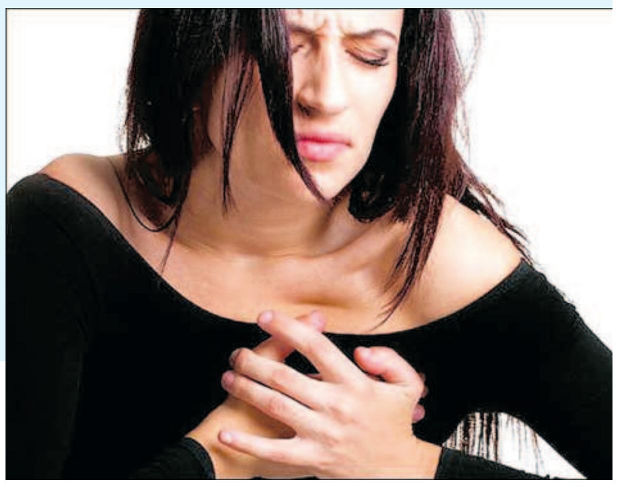

क्या आप भी रोज 3 से 5 घंटे देखते हैं टीवी? हो सकती है ये खतरनाक बीमारी

यदि आप नियमित रूप से 4 या 5 घंटे टीवी देख रहे हैं तो सावधान हो जाएं. हाल ही में हुए एक रिसर्च के मुताबिक, 3 से 5 घंटे टीवी देखने से दिल से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है.

भले ही लोगों के पास अपना फोन आ गया है. लेकिन घर में आते ही सबसे पहले उनका ध्यान टीवी पर जाता है. टीवी देखना लोगों की लाइफ का एक अहम हिस्सा रहा है. लेकिन आपको बता दें कि यदि आप लंबे समय तक टीवी देखते हैं तो इससे कोरोनरी हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ सकता है. जी हां, अभी हाल ही में एक रिसर्च सामने आई है, जिसके मुताबिक लंबे समय तक टीवी देखने से दिल से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि लंबे समय तक टीवी देखने से दिल कैसे प्रभावित हो सकता है.

यह रिसर्च कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय और हांगकांग विश्वविद्यालय की टीम द्वारा की गई है, जिसमें इस बात का खुलासा हुआ कि यदि व्यक्ति हर दिन नियमित रूप से 1 घंटे से कम समय तक टीवी देखता है तो उसे 11% तक कोरोनरी हार्ट डिजीज के जोखिम से बचाया जा सकता है. बता दें कि जो व्यक्ति लंबे समय तक बैठता है और शारीरिक गतिविधियों से दूर रहता है तो उससे दिल की बीमारी का खतरा बढ़ने लगता है. रिसर्चर्स ने यूके बायोबैंक का डाटा शेयर किया, जिसके मुताबिक स्क्रीन पर लंबे समय तक बैठे रहने से न केवल व्यक्ति के जीवन में शारीरिक गतिविधि की कमी हो जाती है बल्कि शरीर में कोरोनरी हार्ट डिजीज बढ़ सकती है.

कैसे हुई रिसर्च

5 लाख लोगों से अधिक लोगों में प्रत्येक के पॉलीजेनिक जोखिम स्कोर कम्पाइल किए, रिसर्चर्स ने देखा कि नियमित रूप से 4 घंटे से अधिक टीवी देखने वाले लोगों में हृदय रोग का खतरा सबसे अधिक है.

जबकि जो लोग प्रतिदिन दो से तीन घंटा टीवी देखते हैं उनमें हृदय रोग विकसित होने की दर 6% तक कम थी. वहीं जो लोग 1 घंटे से कम टीवी देख रहे हैं उनमें हृदय रोग विकसित होने की दर 16% कम थी.

विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर मानी जाती हैं जड़ वाली सब्जियां

शरीर को स्वस्थ और फिट बनाए रखने के लिए विशेषज्ञ सभी लोगों को स्वस्थ और पौष्टिक आहार के सेवन की सलाह देते हैं। इसमें मौसमी फलों और सब्जियों को शामिल करना सबसे आवश्यक माना जाता है। ये न सिर्फ पोषकता से भरपूर होती हैं, साथ ही शरीर को निरोगी बनाए रखने में भी विशेष भूमिका निभाती हैं।

अध्ययनों में हरी पत्तेदार सब्जियों के साथ जड़ युक्त सब्जियों के सेवन को भी काफी फायदेमंद बताया गया है। विशेषज्ञ बताते हैं कि आहार में इन्हें शामिल करके कई गंभीर रोगों के जोखिम तक को कम करने में मदद मिल सकती है।

जड़ वाली सब्जियां फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होती हैं साथ ही इनमें कैलोरी, वसा और

कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी कम होती है। रूट्स वेजिटेबल कैरोटेनॉयड्स का बेहतरीन स्रोत मानी जाती हैं, ये प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले वर्णक हैं जो कुछ प्रकार के कैंसर के जोखिम को कम कर सकते हैं। आंखों से लेकर हृदय और रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने में जड़ वाली सब्जियों का सेवन करना लाभप्रद हो सकता है। आइए इससे सेहत को होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं।

विशेषज्ञ देतें हैं रूट्स वेजिटेबल के सेवन पर जोर

हरी सब्जियों के साथ जड़ वाली सब्जियों के सेवन पर भी विशेषज्ञ काफी जोर देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि विभिन्न रंगों वाली सब्जियों को आहार में शामिल करना सबसे बेहतर होता है। ये विभिन्न पोषक तत्वों, विटामिन और खनिजों की शरीर की आवश्यकता को आसानी से पूरा कर सकती हैं।

शरीर को फिट और स्वस्थ बनाए रखने के लिए रोजाना पर्याप्त मात्रा में पोटैशियम, फोलेट, काम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट्स, विटामिन ए, बी, और सी के साथ मैंगनीज की जरूरत होती है, जिसकी इन सब्जियों से आसानी से पूर्ति की जा सकती है। आइए ऐसी ही कुछ सब्जियों और उनसे होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं।

गाजर में मौजूद होते हैं कई गुण

गाजर सबसे फायदेमंद जड़ युक्त सब्जियों में से एक माना जाता है, यह आसानी से उपलब्ध और शरीर के लिए कई प्रकार से लाभकारी हो सकता है। गाजर में बीटा कैरोटीन पाया जाता है जो इसे काफी फायेदमंद बनाती है। शरीर के अंदर, बीटा कैरोटीन विटामिन-ए में बदल जाता है। आपकी आंखों को स्वस्थ रखन के अलावा विटामिन-ए प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मजबूत बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

रीढ़ की हड्डी में परेशानी मेंटल हेल्थ पर असर डालती है

आपकी मेंटल हेल्थ खराब होने के पीछे चिंता के अलावा भी कई वजहें हो सकती हैं। हाल ही में यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन के वैज्ञानिकों ने एक रिसर्च में बताया है कि रीढ़ की हड्डी से जुड़ी परेशानी से जूझ रहे 80% लोगों को मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं भी होती हैं।

ऐसे हुई रिसर्च

इस स्टडी में वैज्ञानिकों ने दो तरह के एडल्ट्स के डेटा का एनालिसिस किया। पहले वो जिन्हें रीढ़ की हड्डी में चोट या परेशानी थी। इनकी संख्या 9 हजार से ज्यादा थी। दूसरे वो जिन्हें इस तरह की कोई समस्या नहीं थी। इनकी संख्या 10 लाख से ज्यादा थी। वैज्ञानिकों ने पाया कि रीढ़ की हड्डी से जुड़ी परेशानियों से जूझ रहे लोगों को नींद न आने और ब्रेन फॉग जैसी समस्याएं थीं।

वैज्ञानिकों ने पाया कि रीढ़ की हड्डी से जुड़ी परेशानियों से जूझ रहे लोगों को चिंता संबंधी विकारों से लेकर नींद न आने और ब्रेन फॉग तक की समस्याएं थीं। वैसे तो एंगजाइटी और डिप्रेशन जैसी परेशानियां स्पाइनल चोट का रिजल्ट नहीं होतीं, लेकिन स्वस्थ लोगों की तुलना में ऐसे लोगों में ये बीमारियां ज्यादा हो सकती है।

क्रोनिक पेन भी मानसिक बीमारियों का कारण

रिसर्च में कहा गया है कि रीढ़ की हड्डी में क्रोनिक पेन यानी लंबे समय तक रहने वाला दर्द भी इंसान में मानसिक बीमारियां पैदा कर सकता है। कई लोगों में रीढ़ की हड्डी में चोट से नहीं बल्कि लंबे समय तक रहने वाले दर्द से मेंटल हेल्थ प्रॉबलम्स देखी गईं। रिसर्च में बताया है कि रीढ़ की हड्डी से जुड़ी परेशानी से जूझ रहे 80% लोगों को मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं भी होती हैं।

क्या है इन परेशानियों का समाधान?

वैज्ञानिकों का कहना है कि डॉक्टर्स को रीढ़ की हड्डी की समस्या से जूझ रहे मरीजों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना चाहिए। यदि मरीज में मेंटल हेल्थ प्रॉबलम्स के कोई लक्षण दिखते हैं तो उन्हें प्रेरित करना चाहिए कि वे बीमारी का इलाज करवाएं।

काम में मन नहीं लगता, जम्हाई व सुस्ती घेरे रहती है

प्रश्न : मेरी उम्र 28 वर्ष है। कुछ भी खाते ही उल्टी हो जाती है। भोजन को देखते ही उबकाई आने लगती है। खाया नहीं जाने से कमजोरी आने लगी है। मेहरबानी करके इससे छुटकारा दिलवाइये।

– श्रीमती प्रभा राव, अदिलाबाद

उत्तर : यह एक प्रकार का ₹रिफ्लक्स ऐसोफेजाइटिस₹ है। अम्ल पित्त इसका कारक है। इसमें हमेशा मितली बनी रहती है। जबरदस्ती खाने पर उल्टी हो जाती है। इस का आयुर्वेद में इलाज है। भोजन के पहले चौंसठ प्रहरी पिपर 250 मिलीग्राम को मयूर चंद्रिका भस्म 125 मिलीग्राम में शहद में मिलाकर चटाएं। भोजन के बाद ऊंझा लीला विलास रस टेबलेट एवं मोती युक्त कामदुधा टेबलेट को 1 ग्राम अविपत्तिकर चूर्ण के साथ देवें इसे 40 दिन तक देते रहें। रिफ्लक्स ऐसोफेजाइटिस की यह अचूक दवा है।

औषध काल में ताजा, हल्का, सुपाच्य एवं संतुलित भोजन देवें। बेबी फूड्स (जैसे फैरक्स सेरेलैक), इटली, नरम- नरम दाल चावल दिए जा सकते हैं। अनार का रस उपयोगी है। गरिष्ठ भोजन, तैलीय या वसायुक्त भोजन, मांसाहारी भोजन से दूर रहे। हल्का व्यायाम और प्राणायाम का अभ्यास करें। धीरे-धीरे आप पूर्ण स्वस्थ हो सकती हैं।

प्रश्न : मेरी उम्र 50 वर्ष है। पिछले 5 वर्षों से मधुमेह से पीड़ित हूं। ब्लड शुगर घटती - बढ़ती रहती है। काफी कमजोरी महसूस करता हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

– सुब्रह्मण्यम शास्त्री, गुंटुर

उत्तर : प्रमेह को नजरअंदाज करने पर ही मधुमेह आता है। यह वातज प्रमेह है। अग्न्याशय यानी पैंक्रियास मैं आईलेट्स ऑफ लैंगर हैंस एक विशेष अंतःस्त्राव (हार्मोन) तैयार करते हैं, जिसे इंसुलिन कहते हैं। किसी कारण से यह हार्मोन बनना कम हो जाए या बंद हो जाए तब ब्लड शुगर का स्तर बढ़ने लगता है यानी अनियंत्रित हो जाता है। बढ़ी हुई रक्त शर्करा को नियंत्रण में आयुर्वेदिक चिकित्सा के माध्यम से लाया जा सकता है। ऊंझा का जांब्रोस टेबलेट, ऊंझा चंद्रप्रभा वटी, आरोग्यवर्धिनी रस टैबलेट को सुबह- दोपहर- शाम भोजन के बाद लेने से काफी लाभ होता है । जांबरोस में ऐसे प्राकृतिक तत्वों का समावेश है जो पैंक्रियास को सक्रिय करते हैं और बड़ी ही आसानी से बढ़ी हुई ब्लड शुगर को कंट्रोल में ला लेते हैं। इसके नियमित सेवन करने से मधुमेह के उपद्रव और कमजोरी का भी नाश होता है।

औषधि के अलावा नित्य व्यायाम, पैदल भ्रमण और प्राणायाम भी आवश्यक रूप से करें । इससे कैलोरीज खर्च होने के कारण ब्लड शुगर के नियंत्रण में बहुत मदद मिलती हैं। आपका भोजन शक्कर, गुड, मिठाई और मीठे फलों से वंचित होना चाहिए। यानी आप सभी प्रकार के मीठे पदार्थ , मीठे फल, कूल ड्रिंक्स, आइसक्रीम, कुल्फी व बेकरी के पदार्थों को नहीं खाना चाहिए। गेहूं ,जौ, रागी, जवारी, भग्गर आदि का प्रयोग करें। हरी सब्जियों खासकर करेला, भिंडी, गवार फली, मेथी आदि खाया करें। आपको मधुमेह तंग नहीं करेगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 21 वर्ष है। सुस्ती से बहुत परेशान हूं। कुछ भी काम करने का मन नहीं करता। जम्हाई आने लगती है। कृपा कर मेरा मार्गदर्शन करें।

– केशव चंद्र वर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : सुस्ती से आलस्य आता है और परिणाम में कार्य हानि होती है। अकर्मण्यता युवा शरीर का सबसे बड़ा शत्रु है ।जब शरीर की इंद्रियां शिथिल होकर अपना कार्य करना क्लान्ति के कारण बंद करने लगती है, तब भी मस्तिष्क को तो काम करना पड़ता ही है। इसी से पैदा होती है जम्हाईयां और धीरे-धीरे पूरे शरीर में आलस छाने लगता है। मन और इंद्रियों का आपस में सहयोग नहीं होने से कोई भी काम करने का मन नहीं करता।

इस स्थिति से बचा जा सकता है। आयुर्वेद में इसका उपचार है।

* कब्ज न होने दें । रात को हल्का भोजन करें । कब्ज की स्थिति में औरा का लैक्झोल पाउडर या ऊंझा का निरोग चूर्ण लेवें।

* सुबह - शाम नवरत्न कल्पामृत रस या एक्टिविट कैप्सूल को गाय के दूध के साथ लें।

* सामान्य कमजोरी की स्थिति में रजवाड़ी प्राश या कोहिनूर प्राश लेवें।

* नित्य कसरत करें। खुली हवा में घुमा करें ।

* अच्छी तनावरहित नींद लें । तनाव रहने पर सोते समय औरा टेंसट्रिम टेबलेट लेवें।

* सकारात्मक मित्रों की संगत में रहा करें।

इन उपायों के करते रहने से आलस्य समाप्त हो जाएगा शरीर में सुस्ती खत्म हो जाएगी और काम करने का मन करने लगेगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

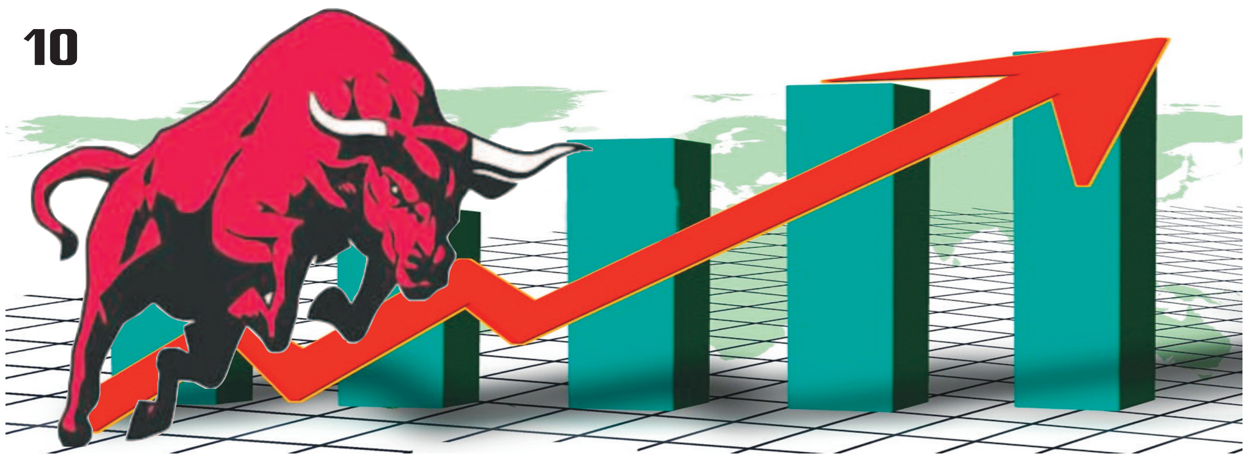

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन बाजार मजबूत

सेंसेक्स 312 अंक ऊपर, निफ्टी 97 अंक चढ़ा

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। सेंसेक्स में 312.26 अंकों की बढ़त दिखी। यह 0.52% की तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार बंद होते समय सेंसेक्स 60,105.40 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। इसके अलावा निफ्टी 50 इंडेक्स में भी तेजी दिखी। यह 97.50 अंकों (0.55%) की बढ़त के साथ 17,930.80 अंकों पर बंद हुआ।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार में बढ़िया मजबूती दिखी। इस दौरान दोनों सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही इंडेक्स हरे निशान के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 312.26 अंकों की बढ़त दिखी। यह 0.52% की तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार बंद होते समय सेंसेक्स 60,105.40 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। इसके अलावा निफ्टी 50 इंडेक्स में भी तेजी दिखी। यह 97.50 अंकों (0.55%) की बढ़त के साथ 17,930.80 अंकों पर बंद हुआ। सोमवार के कारोबारी सेशन में 2013 शेयरों में खरीदारी दिखी। वहीं, 1326 शेयरों में बिकवाली देखने को मिला। 143 शेयरों में सोमवार को कोई हलचल नहीं दिखा, ये शेयर स्थिर बने रहे। सोमवार को टॉप लूजर्स शेयरों की सूची में असाही इंडिया ग्लास (7%), ग्रिंडवेल नोर्टन (5%), इंडिया हाउसिंग फाइनेंस (3.55%) और केआईएमएस (3.25%) जैसी कंपनियों के शेयर रहे। वहीं टॉप गेनर्स की लिस्ट में केईसी इंटरनेशनल (10.2%), फाइन ऑर्गेनिक आइएनडी (9.2%), एस्ट्राजेनेका फार्मा (7.2%) और टाटा इन्वेस्टमेंट (7%) जैसे शेयर हैं। सोमवार को भारतीय रुपया 0.0600 यानी 0.0754% कमजोर हुआ। रुपये बाजार बंद होते समय 79.53 के लेवल पर बंद हुआ।

बिटकॉइन की कीमतों में तेजी ईथरईयूएम में भी आ गया उछाल

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बज्यादातर क्रिप्टोकरेंसी में सोमवार को तेजी देखी गई है. ग्लोबल क्रिप्टो मार्केट कैप पिछले दिन के दौरान 1.14 फीसदी बढ़कर 1.07 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया है.

ज्यादातर क्रिप्टोकरेंसी में सोमवार को तेजी देखी गई है. ग्लोबल क्रिप्टो मार्केट कैप पिछले दिन के दौरान 1.14 फीसदी बढ़कर 1.07 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया है.

वहीं, कुल क्रिप्टो मार्केट वॉल्यूम पिछले 24 घंटों के दौरान 2.77 फीसदी की गिरावट के साथ 70.99 अरब डॉलर हो गया है. डिसेंट्रलाइज्ड फाइनेंस में कुल वॉल्यूम 5.13 अरब डॉलर पर मौजूद है, जो कुल क्रिप्टो मार्केट के 24 घंटों के वॉल्यूम का 7.19 फीसदी है. वहीं, सभी स्टेबलकॉइन्स का वॉल्यूम 64.84 अरब डॉलर है, जो कुल क्रिप्टो मार्केट के 24 घंटों के वॉल्यूम का 91.34 फीसदी है.

मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी और लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी

बिटकॉइन की पिछले 24 घंटों के दौरान 3.15 फीसदी बढ़कर 18,20,000 रुपये पर पहुंच गई है. वहीं, ईथेरीम 24 घंटों में 1.75 फीसदी की तेजी के साथ 1,45000 रुपये हो गया है.

जबकि, तेथेर पिछले दिन के दौरान 0.92 फीसदी की थोड़ी गिरावट के साथ 83.16 रुपये पर पहुंच गई है. उधर, कार्डानो 0.36 फीसदी की तेजी के साथ 40.7000 रुपये पर मौजूद है.

दूसरी तरफ, बिनेंस कॉइन पिछले 24 घंटों में 2.66 फीसदी के उछाल के साथ 24,436 रुपये पर आ गया है. XRP की बात करें, तो इस क्रिप्टोकरेंसी में 24 घंटों के दौरान 1.36 फीसदी की गिरावट देखी गई है. यह क्रिप्टोकरेंसी मौजूदा समय में 28.9100 रुपये पर मौजूद है.

वहीं, पोल्काडॉट पिछले 24 घंटों के दौरान 0.15 फीसदी की हल्की तेजी के साथ 632.00 रुपये पर पहुंच गई है. जबकि, डॉगकॉइन 24 घंटों में 1.5 फीसदी गिरकर 5.2201 रुपये पर आ गया है.

क्रिप्टोकरेंसी की हैकिंग में बड़ा उछाल

इसके अलावा आपको बता दें कि क्रिप्टोकरेंसी की हैकिंग में बड़ा उछाल देखा जा रहा है. हैकिंग की घटना में 60 परसेंट तक बढ़ोतरी हुई है. यह आंकड़ा इस साल के शुरुआती 7 महीने के हैं. हैकिंग में 1.9 बिलियन डॉलर (लगभग 16000 करोड़ रुपये) की चपत लगी है.

डी-सेंट्रलाइज्ड फाइनेंस प्रोटोकॉल के फंड से चोरी की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली है. यह रिपोर्ट ब्लॉकचेन एनालिसिस फर्म चेनलिसिस ने मंगलवार को जारी की है. पिछले साल इसी अवधि में हैकरों ने 1.2 बिलियन डॉलर की क्रिप्टोकरेंसी की चोरी की थी. यानी एक साल में ऐसी वारदातों में लगभग दोगुने की बढ़ोतरी देखी गई है.

ब्लूमबर्ग का आंकड़ा बताता है कि मध्य जनवरी के बीच इथीरियम और बिटकॉइन दोनों में गिरावट देखी गई लेकिन फरवरी आते-आते दोनों तेजी से ऊपर उठे.

सोने में गिरावट और चांदी में तेजी

सोना फिसलकर 50,658 पर आया, चांदी 55 हजार के पार निकली

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। आज यानी 12 सितंबर को सोने में गिरावट और चांदी में तेजी देखने को मिल रही है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में सोना 219 रुपए सस्ता होकर 50,658 पर पहुंच गया है। वहीं चांदी 376 रुपए महंगी होकर 55,076 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है।

कैरेट के हिसाब से सोने की कीमत

कैरेट	भाव (रुपए/10 ग्राम)
24	50,658
23	50,456
22	46,402
18	37,993

वायदा बाजार की बात करें तो एमसीएक्सन पर दोपहर 12 बजे सोना 53 रुपए कमजोर होकर 50,476 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। वहीं चांदी की बात करें तो ये 434 रुपए महंगी होकर 55,484 रुपए पर ट्रेड कर रही थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में 1,715 डॉलर पर पहुंचा सोना

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1,715.84 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर और चांदी 19.02 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। इस हफ्ते की गिरावट बाद सोना अभी अपने ऑलटाइम हाई से करीब 5,542 रुपए नीचे आ गया है।

आपको बता दें कि सोने ने अगस्त 2020 में अपना ऑलटाइम हाई बनाया था। उस वक्त सोना 56,200 रुपए प्रति दस ग्राम के स्तर तक चला गया था। वहीं चांदी अपने उच्चतम स्तर से करीब 24,904 रुपए प्रति किलो की दर से सस्ती मिल रही है।

चांदी का अब तक का हाई 79,980 रुपए प्रति किलो है।आप सोना और चांदी का भाव आसानी से घर बैठे पता लगा सकते हैं।

अगस्त में बढ़ी रिटेल महंगाई

दाल-चावल और गेहूं के दाम बढ़ने से महंगाई 7% पर पहुंची, जुलाई में 6.7% रही थी

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। अगस्त में रिटेल महंगाई तीन महीनों की गिरावट के बाद बढ़कर 7% हो गई। जुलाई में ये 6.7% थी। एक साल पहले यानी अगस्त 2021 में ये 5.30% थी। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स आधारित रिटेल महंगाई दर के आंकड़े सोमवार को जारी किए गए हैं।

खाने-पीने का सामान खास तौर पर दाल-चावल, गेहूं और सब्जियों की कीमतों के बढ़ने की वजह से महंगाई बढ़ी है। अगस्त में फूड इन्फ्लेशन 7.62% हो गई जो जुलाई में 6.69% थी। जून में 7.75% रही थी। मई महीने में यह 7.97% और अप्रैल में 8.38% थी।

रिटेल महंगाई दर लगातार 8 महीनों से आरबीआई की 6% की ऊपरी लिमिट के पार बनी हुई है। जनवरी 2022 में रिटेल महंगाई दर 6.01%, फरवरी में 6.07%,

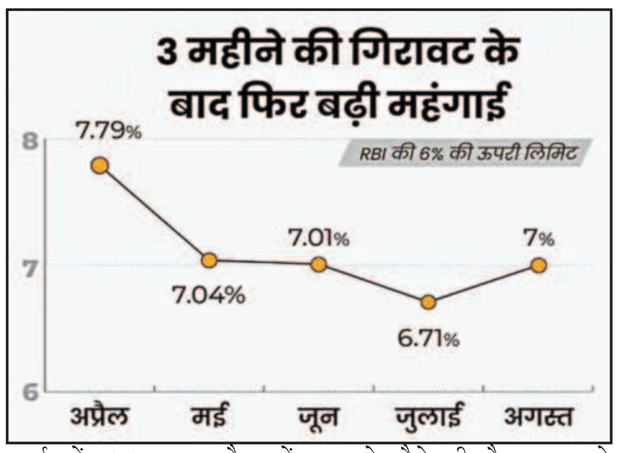

मार्च में 6.95%, अप्रैल में 7.79%, मई में 7.04% और जून में 7.01% दर्ज की गई थी।

महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर से है। उदाहरण के लिए, यदि महंगाई दर 7% है, तो अर्जित किए गए 100 रुपए का मूल्य सिर्फ 93 रुपए होगा। इसलिए, महंगाई को देखते हुए ही निवेश करना चाहिए। नहीं तो आपके पैसे की वैल्यू कम हो जाएगी।

महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वह ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी।

इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहे तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी। महंगाई कम करने के लिए बाजार में पैसों के अत्यधिक बहाव (लिक्विडिटी) को कम किया जाता है। इसके लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, रेपो रेट बढ़ाता है। बढ़ती महंगाई से चिंतित आरबीआई ने हाल ही में रेपो रेट में 0.50% इजाफा किया है। इससे रेपो रेट 4.90% से बढ़कर 5.40% हो गया है।दुनियाभर की कई इकोनॉमी महंगाई को मापने के लिए भारत में ऐसा नहीं होता। हमारे देश में डब्ल्यूपीआई के साथ ही सीपीआई को भी महंगाई चेक करने का स्केल माना जाता है।

इस सरकारी योजना में प्रतिदिन 50 रु. का करें निवेश

लाखों में मिलेगा रिटर्न

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय डाक की योजनाएं आपके लिए सबसे अच्छी हैं, क्योंकि पोस्ट ऑफिस की योजनाएं जोखिम से पूरी तरह मुक्त होती हैं. अगर आप सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं तो भारतीय डाक की योजनाएं आपके लिए सबसे अच्छी हैं, क्योंकि पोस्ट ऑफिस की योजनाएं जोखिम से पूरी तरह मुक्त हैं और अच्छे रिटर्न भी देती हैं. क्योंकि आज के समय में ग्रामीण स्तर को लोगों का सबसे ज्यादा भरोसा पोस्ट ऑफिस की योजनाओं पर ही है. हम आपके लिए सरकार की ऐसी योजना लेकर आए हैं जिसमें निवेश करने पर आप लाखों में रिटर्न प्राप्त करते हैं. पोस्ट ऑफिस की इस योजना का नाम ग्राम सुरक्षा योजना है.

बता दें कि ग्राम सुरक्षा योजना के तहत आप 50 रुपए रोजाना जमा करवाते है तो आपको 35 लाख रुपए तक का रिटर्न मिल सकता है। पोस्ट ऑफिस यानी डाकघर कई सेविंग स्कीम्स चलाता रहता है.

गोल्ड-एफडी में एकमुश्त निवेश बनाएगा मालामाल

कई गुना तक बढ़ा सकते हैं रिटर्न

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। सोने में निवेश बंपर कमाई का जरिया तो है ही, अगर उसमें और भी चार चांद लगाना हो, तो फिक्स्ड डिपॉजिट को शामिल कर सकते हैं. ये दोनों निवेश मिल जाएं तो रिटर्न कई गुना तक बढ़ जाएगा. ये दोनों निवेश सुरक्षा की दृष्टि से भी अच्छे हैं. गोल्ड और फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश आपको मालामाल बना सकता है. निवेश के इन दोनों साधनों की मांग आजकल ज्यादा है. रेपो रेट बढ़ने के बाद एफडी रेट में बढ़ोतरी देखी जा रही है. उधर कोरोना काल में सोने का निवेश सबसे सुरक्षित निवेश बनकर उभरा है. 30 जून, 2022 तक का एक आंकड़ा बताता है कि साल की पहली छमाही में सोने के दाम में 6 परसेंट तक बढ़ोतरी देखी गई जबकि 2021 में गिरावट थी. उससे पहले 2020 में जब पूरी दुनिया में कोरोना महामारी की मार थी, तब सोना सबसे सफल निवेश का साधन बनकर उभरा था. तब सोने ने 28 फीसद तक का रिटर्न दिया था. इस लिहाज से सोने में निवेश बंपर कमाई का जरिया तो है ही, अगर उसमें और भी चार चांद लगाना हो, तो फिक्स्ड डिपॉजिट को शामिल कर सकते हैं. ये दोनों निवेश मिल जाएं तो रिटर्न कई गुना तक बढ़ जाएगा. इसके बारे में एक्सपर्ट कहते हैं कि इक्विटी मार्केट में उतार-चढ़ाव को देखते हुए और कम रिटर्न की गुंजाइश के बीच सोना और एफडी में निवेश अच्छा विकल्प साबित होते हैं. एक्सपर्ट के मुताबिक, निवेश के कुल पोर्टफोलियो में सोने की मात्रा 10-15 परसेंट जरूर होनी चाहिए और यह निवेश लॉन्ग टर्म यानी कि 5-10 के लिए किया जाना चाहिए.गोल्ड में निवेश के लिए गोल्ड ईटीएफ, गोल्ड सेविंग्स फंड और सॉवरन गोल्ड बॉन्ड में निवेश किया जा सकता है. इसके अलावा सोने की छड़, सिक्के और ज्वेलरी में भी निवेश का मौका मिलता है. फिजिकल गोल्ड की तुलना में डिजिटल गोल्ड या डिजिटल बॉन्ड सुरक्षा के साथ अधिक रिटर्न देते हैं. अगर गोल्ड के रिटर्न में और भी चार चांद लगाना हो, तो एफडी में भी साथ में निवेश किया जा सकता है.

जरूरत के हिसाब से रखें क्रेडिट कार्ड

आपको कितने क्रेडिट कार्ड रखने चाहिए, ये आपके खर्च पैटर्न पर करता है निर्भर ; क्रेडिट कार्ड से जुड़ी 4 बातें याद रखें

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मेरे पास पांच क्रेडिट कार्ड हैं। हर कार्ड खास जरूरत से जुड़ा है। पहला एयर माइल्स कार्ड है जो मुफ्त एयर टिकट जैसे लाभ देता है। दूसरा ई-कॉमर्स शॉपिंग पर कैशबैक, तीसरा नो-कॉस्ट ईएमआई के जरिए शॉपिंग और चौथा पेट्रोल रिवॉर्ड देता है। पांचवा कॉर्पोरेट चार्ज कार्ड है। सारे कार्ड्स के बिल मैं हर माह पूरा चुका देता हूं। लेकिन क्या इतने कार्ड रखना सही है? बैंकबाजार के सीईओ आदिल शेट्टी कहते हैं कि असल में किसी के पास कितने क्रेडिट कार्ड होने चाहिए, इसका कोई पैमाना नहीं है। आप जितने चाहें, उतने क्रेडिट कार्ड ले सकते हैं। इसमें सही या गलत जैसा कोई मामला नहीं है। समझदारी वाली बात ये है कि आप सभी कार्ड्स

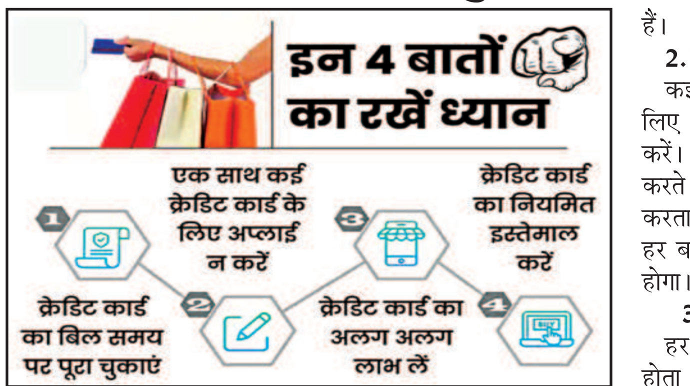

का इस्तेमाल पूरी जिम्मेदारी से करें। अपनी जरूरतों को समझें। खर्चों का स्पष्ट ब्योरा रखें। यह आंकने की कोशिश करें कि कौन से कार्ड खर्चों के साथ बचत करने में मददगार साबित हो सकते हैं। आम तौर पर क्रेडिट कार्ड्स पर डिस्काउंट, कैशबैक, EMI सुविधा, स्पेशल ऑफर आदि मिलते हैं। इनसे जीवन आसान हो सकता है।

क्रेडिट कार्ड से जुड़ी चार बातें याद रखें

1. समय पर पूरा बिल चुकाएं

आप किसी कार्ड के पूरे बेनिफिट तभी ले पाएंगे जब हर महीने बिल पूरा चुकाएंगे। यदि ऐसा नहीं हो पा रहा है तो खर्चों पर ब्याज लगेगा। ब्याज के कारण सारे लाभ बेकार साबित हो सकते हैं।

2. एक साथ अप्लाई न करें

कई क्रेडिट कार्ड या लोन के लिए सारे आवेदन एक साथ न करें। जब भी आप ऐसा आवेदन करते हैं तो बैंक क्रेडिट स्कोर चेक करता है। ऐसी सख्त चेकिंग से हर बार क्रेडिट स्कोर थोड़ा कम होगा।

3. अलग अलग लाभ लें

हर कार्ड का अपना बेनिफिट होता है। देख लें कि उसकी जरूरत आपको है भी या नहीं। यदि आप ज्यादा कार नहीं चलाते हैं तो फ्यूल कार्ड न लें।

4. नियमित इस्तेमाल करें

यदि आपने क्रेडिट कार्ड ले रखा है तो उसका इस्तेमाल करते रहें। कोई भी कार्ड एक साल से ज्यादा समय तक इस्तेमाल न करने पर वह डीएक्टिवेट हो सकता है।

सस्ता होम लोन: बजाज फिनवर्स और बैंक ऑफ इंडिया सहित कई बैंक 8% से भी कम ब्याज पर दे रहे होम लोन

नई दिल्ली, नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक के रेपो रेट बढ़ाने के बाद कई बैंकों ने होम लोन की ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर दी है। देश के सबसे बड़े बैंक SBI ने भी होम लोन पर ब्याज बढ़ाकर दिया है। अगर आप SBI ने भी होम लोन लेते हैं तो आपको कम से कम 8.05% सालाना ब्याज चुकाना होगा। हालांकि अब भी कई बैंक और वित्तीय संस्थाएं ऐसी हैं जो 8% से कम ब्याज पर लोन दे रही हैं। हम आपको इनके बारे में और यहां से लोन लेने पर कितनी किस्त देनी होगी ये भी बता रहे हैं।

कम लोन-टु-वैल्यू रेश्यो आपके लिए लोन लेना आसान कर सकता है। इसका मतलब है कि घर खरीदने के लिए आपको अपना कॉन्ट्रिब्यूशन ज्यादा रखना होगा। कम LTV रेश्यो चुनने से प्रॉपर्टी में खरीदार का कॉन्ट्रिब्यूशन बढ़ जाता है। इससे बैंक का जोखिम कम होता है। इससे आपको लोन मिलने के चांस बढ़ जाएंगे। आमतौर पर बैंक प्रॉपर्टी की कीमत का 75-90% तक का लोन देता है। ऐसे में शेष राशि को लोन लेने वाले को डाउनपेमेंट या मार्जिन कॉन्ट्रिब्यूशन के रूप में चुकाना होता है। इसके बिना आपको लोन नहीं मिलेगा।

जब हम बैंक में लोन के लिए अप्लाई करते हैं तो बैंक फिक्स ऑब्लिगेशन टु इनकम रेश्यो भी देखता है।

इससे पता चलता है कि आप हर महीने लोन की कितने रुपए तक की किस्त दे सकते हैं। पता चलता है कि आपकी पहले से जा रही ईएमआई, घर का किराया, बीमा पॉलिसी और अन्य भुगतान मौजूदा आय का कितना फीसदी है। अगर लोन दाता को आपके ये सभी खर्च आपकी सैलरी के 50% तक लगते हैं तो वह आपकी लोन एप्लिकेशन को रिजेक्ट कर सकता है। इसीलिए यह ध्यान भी रखें कि लोन की रकम इससे ज्यादा न हो।

एयर इंडिया के बाद अब 4 सब्सिडियरी कंपनियों को बेचेगी सरकार, ये है पूरा प्लान

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बर्ड ग्रुप, सेलेबी एविएशन और आई स्क्वायर्ड कैपिटल संभावित बोलीदाता हैं। सूत्र बताते हैं कि बर्ड ग्रुप, सेलेबी एविएशन और आई स्क्वेयर्ड कैपिटल ने एआईएटीएसएल का अधिग्रहण करने में रुचि दिखाई है। एयरलाइन कंपनी एयर इंडियाके बाद केंद्र सरकार अब इसकी सब्सिडियरी को भी बेचने की तैयारी कर रही है। ये चार कंपनियां हैं- एयर इंडिया एयर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (एआईएटीएसएल), एयरलाइन एलाइड सर्विसेज लिमिटेड (एएएसएल) या एलायंस एयर, एयर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (एआईईएसएल) और होटल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एचसीआई) हैं। जानकारी के लिए आपको बता दें कि इन कंपनियों में सरकार की हिस्सेदारी है।

बिजनेस टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रस्तावित बिक्री पर काम शुरू कर दिया है। बर्ड ग्रुप, सेलेबी एविएशन और आई स्क्वायर्ड कैपिटल संभावित बोलीदाता हैं। सूत्र बताते हैं कि बर्ड ग्रुप, सेलेबी एविएशन और

आई स्क्वेयर्ड कैपिटल ने एआईएटीएसएल का अधिग्रहण करने में रुचि दिखाई है।

बोलीदाताओं की डिटेलः बर्ड ग्रुप दिल्ली से बाहर स्थित सबसे बड़ी थर्ड-पार्टी ग्राउंड हैंडलिंग कंपनियों में से एक है। वहीं, सेलेबी एविएशन होल्डिंग तुर्की में स्थित एक ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी है और आई स्क्वेयर्ड कैपिटल एक निजी इक्विटी फर्म है। बता दें कि केंद्र सरकार ने इस साल की शुरुआत में एयर इंडिया के स्वामित्व को टाटा समूह को ट्रांसफर कर दिया था।

बेड़े का विस्तार करेगी एयरलाइनः इस बीच, एयर इंडिया ने बताया है कि कंपनी अपने बेड़े का विस्तार करेगी। एयर इंडिया ने बताया कि वह 30 नए विमानों को बेड़े में शामिल करेगी, जिसमें चौड़ी बॉडी वाले पांच बोइंग विमान शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक एयरलाइन ने अगले 15 महीनों में चौड़ी बॉडी वाले पांच बोइंग विमान और पतली बॉडी वाले 25 एयरबस विमानों को शामिल करने के लिए पट्टों और आशय पत्रों पर हस्ताक्षर किए हैं।

पट्टे पर लिए जा रहे विमानों में 21 एयरबस ए320 नियो, चार एयरबस ए321 नियो और पांच बोइंग बी777-200एलआर शामिल हैं। आपको बता दें कि टाटा समूह ने इस साल इंडिया का अधिग्रहण किया था।

भारत में भी बनेंगे इलेक्ट्रिक हाइवे

ट्रेनों की तरह बिजली पर दौड़ेंगे ट्रक और बस

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। एक इलेक्ट्रिक हाइवे से अर्थ ऐसी सड़क से है जो उसपर यात्रा करने वाले वाहनों को बिजली की आपूर्ति करती है. इसमें ओवरहेड बिजली की लाइन के जरिये ऊर्जा की सप्लाई शामिल है. यह व्यवस्था वैसी ही है जैसे ट्रेनों को बिजली दी जाती है. भारत में इलेक्ट्रिक हाइवे बनाए जाने का प्रस्ताव है. तेल और गैस की महंगाई को देखते हुए बिजली पर बसों और ट्रकों जैसे भारी वाहन को दौड़ाने की तैयारी है. ये ट्रक और बस इलेक्ट्रिक व्हीकल की तरह होंगे जिन्हें हाइवे पर ओवरहेड लगे बिजली के तारों से चार्ज किया जा सकेगा. सरकार के मुताबिक इस प्रस्ताव पर विचार शुरू हो गया है. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि सरकार सौर ऊर्जा के जरिये इलेक्ट्रिक हाइवे के विकास पर काम कर रही है. यह कदम अधिक माल ढुलाई क्षमता वाले ट्रकों और बसों की चार्जिंग को आसान बनाएगा.

उद्योग मंडल इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएसीसी) के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने यह बात दोहराई कि सरकार देश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बिजली चालित बनाना चाहती है. उन्होंने कहा, सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सौर और पवन ऊर्जा आधारित चार्जिंग व्यवस्था के विकास को बढ़ावा दे रही है. नितिन गडकरी ने कहा, हम इलेक्ट्रिक हाइवे के विकास पर भी काम कर रहे हैं. यह सौर ऊर्जा के जरिये संचालित होंगे. इससे भारी माल ढुलाई क्षमता वाले वाले ट्रकों और बसों को यात्रा के दौरान चार्ज करने में सुविधा होगी. एक इलेक्ट्रिक हाइवे से अर्थ ऐसी सड़क से है जो उसपर यात्रा करने वाले वाहनों को बिजली की आपूर्ति करती है.

कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने दी इस्तीफा देने की धमकी

जयपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान से कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने इस्तीफा देने की धमकी दी है। दिव्या मदेरणा ने कहा कि अगर गरीब को न्याय नहीं मिला तो वह सीएम गहलोत को इस्तीफा सौंप देंगी। इस्तीफा देने की बात सुनकर मौके पर मौजूद अधिकारियों के हालत पतली हो गई। दरअसल, ओसियां विधायक दिव्या मदेरणा का आरोप है कि पुलिस और प्रशासन निजी अस्पताल के संचालक को बचा रहे हैं। उल्लेखनीय है दिव्या मदेरणा शनिवार को चिरंजीवी योजना के तहत मरीज के उपचार को लेकर धरने पर बैठी थीं। आरोप है कि योजना के तहर फ्री में इलाज होने के बावजूद मरीज को बिल थमा दिया। जिसके विरोध में दिव्या मदेरणा ने धरना दिया। महामंदिर स्थित निजी अस्पताल में शनिवार को चिंरजीवी योजना के तहत मरीज के उपचार को लेकर धरने पर बैठी गई।

जोधपुर कलेक्टर को लिया निशाने पर

कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा लगातार जोधपुर जिला कलेक्टर की कार्यशैली को लेकर ट्वीट कर रही हैं। दिव्या मदेरणा का आरोप है कि सरकारी प्रावधानों को कलेक्टर की ओर से अनदेखा किया जा रहा है। इतना ही नहीं उन्होंने लिखा कि मेरे नंबर पर निजी अस्पताल को लेकर कभी कोई शिकायत हो तो बताए. बीते 24 घंटे में ही दिव्या मदेरणा ने कई ट्वीट कर श्रीराम अस्पताल की ओर से चिंरजीवी योजना के मरीजों से राशि लिए जाने के खुलासे करते हुए दस्तावेज शेयर किए हैं। दिव्या ने आरोप लगाया था कि पुलिस और प्रशासन के अधिकारी निजी अस्पताल संचालक को बचा रहे हैं. वे उनके सामने बाहर लेकर चले गए। दिव्या मदेरणा ने जमकर प्रशासन और पुलिस की विफलता गिनाई। मदेरणा ने कहा कि पुलिस के सहयोग से अस्पताल संचालक भाग गया। दिव्या मदेरणा का कहना है कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना मुख्यमंत्री की फ्लैगशिप योजना है, आप लोगों की नहीं है। मदेरणा के तेवर देखने के बाद प्रशासन के हस्तक्षेप से मामला शांत हो गया है। लेकिन दिव्या मदेरणा की नाराजगी बरकरार है।

मरीज को बिल थमाने से उपजा विवाद

दिव्या मदेरणा ने ट्वीट किया- जोधपुर जिला कलेक्टर ने जब मेडिकल माफिया के आगे घुटने टिका दिए। मरीज के परिवार को अपने अपने कार्यालय से कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया और वहां से निकल गए तब धरना देना पड़ा। उल्लेखनीय है कि शनिवार को ओसियां क्षेत्र के रहने वाले एक 43 वर्षीय युवक को 7 सितंबर को हार्ट अटैक आया था। उसे परिजन उपचार के लिए अस्पताल लेकर आए। लगभग मृत प्राय युवक के उपचार के लिए डॉक्टरों ने खर्च के रूप में तीन लाख बताए। इसको लेकर परिजनों ने सहमति दी। उपचार के बाद युवक के स्वास्थ्य में सुधार हो गया। अगले दिन परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन को कहा कि उपचार चिरंजीवी योजना के तहत किया जाए। आरोप लगाया जा रहा है कि अस्पताल प्रशासन ने ऐसा करने से मना कर दिया।

कांग्रेस उपाध्यक्ष राजेंद्र बोले- जनता चाहती है सचिन सीएम बनें

लोग कहते हैं पायलट को देखकर वोट दिया था, हमें ठगा गया

जयपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस में सचिन पायलट और CM अशोक गहलोत खेमों के बीच चल रही खींचतान अब बयानबाजी के रूप में खुलकर सामने आने लगी है। सचिन पायलट समर्थक नेता और कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र चौधरी ने पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की मांग उठाई है।

चौधरी ने कहा- राजस्थान की जनता सचिन पायलट को चीफ मिनिस्टर के रूप में देखना चाहती है। मुझे लोग कहते हैं। हमने तो पायलट को देखकर ही वोट दिया था। जो जनता चाहती है मैं बिना लाग लपेट के वही बात बता रहा हूं। बुजुर्ग लोग मुझे कान में कहते हैं- सोनिया गांधी को समझाइए। हमने पायलट को देखकर वोट दिए थे। हमें ठगा गया है।

जनता की बातों पर गौर करना चाहिए

सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से राजेंद्र चौधरी ने कहा- हम जनभावना को समझकर उसके अनुसार काम नहीं करेंगे तो रिजल्ट कैसे आएंगे। जनता जो चाहती है, उसकी तो हमें कद्र करनी होगी। जनता जो बातें कह रही है, उन पर गौर करना होगा। जनभावना के अनुसार फैसले नहीं करने पर नुकसान ही होता है।

जनता ने रिजल्ट दे दिया था

चौधरी ने कहा- जब हमारी सीटें 21 पर आ गई थीं। तब सोनिया गांधी ने सचिन पायलट को राजस्थान में अध्यक्ष बनाकर भेजा। पायलट ने हाड़तोड़ मेहनत की। हमने मिलकर खूब संघर्ष किया। जब विधानसभा चुनाव हुए तो पार्टी को 21 सीटों से 100 पर पहुंचाया। कांग्रेस की सरकार बनी। छह महीने बाद ही लोकसभा चुनाव हुए तो हम सभी 25 लोकसभा सीट हार गए।

मुख्यमंत्री के क्षेत्र सरदारपुरा से कांग्रेस 44 हजार वोटों से हार गई। मुख्यमंत्री के बेटे लाखों के अंतर से चुनाव हारे। छह महीने में ही सरकार ने ऐसा क्या बुरा कर दिया था। इस पर चिंतन करने की जरूरत है कि यह क्यों हुआ। जनता ने छह महीने बाद ही अपना रिजल्ट दे दिया था। यह साफ संकेत था। पायलट को सीएम नहीं बनाने पर जनता ने ऐसा किया।

पायलट के जन्मदिन पर उमड़ा जनसैलाब पैमाना है

चौधरी ने कहा- सचिन पायलट के जन्मदिन पर जिस तरह जनसैलाब उमड़ा, उसने कई इशारे कर दिए हैं। मैंने कभी वैसी भीड़ नहीं देखी। लोग अपने आप चलकर आए थे। किसी के लिए कोई साधन नहीं लगाया गया था।राजनीतिक कार्यक्रमों में लोगों को लाया जाता है, लेकिन पायलट के जन्मदिन पर लोग खुद आए थे। पायलट के जन्मदिन पर उमड़ा जनसैलाब अपने आप में एक पैमाना है कि राजस्थान की जनता का मूड क्या है? किस नेता की तरफ हैं।

गहलोत राष्ट्रीय अध्यक्ष बने तो सीएम पद छोड़ना होगा

राजेंद्र चौधरी ने कहा- अशोक गहलोत अगर राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालते हैं तो उन्हें पहले मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष का नॉमिनेशन भरने से पहले सीएम पद से इस्तीफा देना होगा। दोनों पदों पर रहना गलत होगा और अध्यक्ष पद के साथ न्याय नहीं होगा।

जन्मदिन के बहाने समर्थकों ने किया था शक्ति प्रदर्शन

कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और राजस्थान के डिप्टी सीएम रहे सचिन पायलट के जन्मदिन के बहाने उनके समर्थकों ने हफ्ते दिन पहले ही जयपुर में शक्ति प्रदर्शन किया था। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा होने के बाद बीते कुछ दिनों से पायलट गुट एग्रेसिव दिख रहा है। समर्थक विधायक दावा कर रहे हैं कि सचिन को सीएम बनाने की मांग में कई विरोधी गुट के सदस्य भी अब उनके साथ हैं।

2 हफ्ते पहले SC आयोग के अध्यक्ष ने दिया था बयान

राज्य SC आयोग के अध्यक्ष और बसेड़ी से कांग्रेस विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा ने सचिन पायलट को सीएम बनाने की खुलकर मांग की है। अब तक गहलोत खेमे में रहे खिलाड़ी बैरवा ने अब पाला बदलते हुए गहलोत की जगह पायलट की पैरवी करनी शुरू कर दी है। 2 हफ्ते पहले ही उन्होंने कहा था- पायलट को मानेसर से वादों के साथ वापस लाया गया था, अभी जो हालत है, उसमें पायलट को सीएम बनाना चाहिए। सबकी यही भावना है।

राजस्थान में पहली बार 4 जनसभा को संबोधित करेंगे ओवैसी

5 जिलों का दौरा कर करेंगे चुनावी शंखनाद, 40 विधानसभा सीटों पर नजर

जयपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव में बीजेपी-कांग्रेस के लिए एआईएमआईएम मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) राजस्थान में 40 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। प्रदेश में पार्टी को मजबूत करने के लिए एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी 14 और 15 सितम्बर को 5 जिलों का दौरा करेंगे। राज्य में पहली बार ओवैसी 4 जनसभा को संबोधित करेंगे।

एआईएमआईएम के राजस्थान स्टेट को-ऑर्डिनेटर जमील खान ने कहा- ओवैसी जयपुर, सीकर, झुंझुनूं, चूरू, नागौर के दौरे पर आ रहे हैं। राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव-2023 में पार्टी की 30 से 40 सीटों पर कैंडिडेट्स उतारकर चुनाव लड़ने की तैयारी है। माइनॉरिटी, दलित, आदिवासी, किसान, महिलाओं के साथ अत्याचार के मामले प्रदेश में बढ़े हैं। जनता बहुत उम्मीदों से नए विकल्प की ओर देख रही है।

4 जगह करेंगे जनसभा को संबोधित

खान ने कहा- ओवैसी 14 सितम्बर को दोपहर 12 बजे प्रदेश पार्टी मुख्यालय में पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। दोपहर 12.45 बजे पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। शाम 4 बजे सीकर पहुंचेंगे और कार्यकर्ताओं से मिलेंगे। शाम 5 बजे फतेहपुर में जनसभा को संबोधित करेंगे। देर शाम साढे.7 बजे खिंवासर में जनसभा होगी। रात साढ़े 8 बजे नवलगढ़ में जनसभा को संबोधित करेंगे। 15 सितम्बर को सुबह 10 बजे नागौर के लाडनूं में जनसभा को संबोधित करेंगे।

ओवैसी की पार्टी की राजस्थान में एंट्री विधानसभा चुनाव में बीजेपी से ज्यादा कांग्रेस के समीकरण बिगाड़ सकती है। राजस्थान में कई सीटों पर केवल मुस्लिम वोट बंटने से भी चुनावी समीकरण बदल सकते हैं। क्योंकि पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश में पिछले दिनों हुए निकाय चुनावों में भी एआईएमआईएम ने समीकरण बदल दिए थे। ओवैसी की पार्टी भले ही वहां 7 सीटों पर ही जीत पाई, लेकिन कई सीटों पर कांग्रेस की हार का कारण बनी।

ओवैसी के राजस्थान में आने का सबसे बड़ा कारण है, यहां का मुस्लिम वोट बैंक और पार्टी का एक्सटेंशन करना है। राजस्थान में 2011 की जनगणना में मुस्लिम जनसंख्या 9 प्रतिशत से ज्यादा थी। ऐसा माना जा रहा है, 2023 विधानसभा चुनाव तक इसमें 2 से 3 फीसदी का इजाफा हो जाएगा। 11 से 12 फीसदी मुस्लिम जनसंख्या का अनुमान है।

प्रदेश में यह कांग्रेस का परंपरागत वोट बैंक माना जाता है। हालांकि ओवैसी मुस्लिम, दलित, आदिवासी और किसान को साथ लेकर सोशल इंजीनियरिंग की बात करते हैं। फिर भी उनकी पार्टी का फोकस मुस्लिम वोट बैंक के प्रभाव क्षेत्र वाली सीटों पर ही टिका है। सूत्र बताते हैं कि बीटीपी और आरएलपी जैसी पार्टियों के साथ ओवैसी की पार्टी गठबंधन भी करना चाहती है।

मंत्री ममता भूपेश का गृहमंत्री अमित शाह पर हमला

बोलीं- सांप्रदायिक बयानबाजी करना शोभा नहीं देता, भावनाओं से खिलवाड़ न करें

दौसा, 12 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह के जोधपुर विजिट पर कटाक्ष करते हुए महिला बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने कहा नेता तो आते-जाते रहेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मेवाड़ व पूर्वी राजस्थान में कई जगहों पर मीटिंग कर चुके हैं और ये लोग सांप्रदायिक दंगा फैलाने वाले लोग हैं। भाजपा के लोग देश को फासिस्टवादी ताकतों के आधार पर चलाने वाले हैं।

सोमवार को सिकराय में ब्लॉक स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री भूपेश ने कहा भाजपा नेताओं को जिस जिम्मेदारी का पद मिला हुआ है उसके साथ जस्टिस करें, महंगाई और

बेरोजगारी से जूझ रही जनता को राहत प्रदान करें।

उन्होंने कहा भाजपा के नेता जनता से जुड़े मुद्दे पर तो बोलते नहीं हैं और सांप्रदायिक हिन्दू-मुस्लिम की बातों पर बयानबाजी करते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री को इस तरह की बातें करना शोभा नहीं देता। उनका राजस्थान में सम्मान है, लेकिन भड़काऊ भाषण देकर यहां के लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ नहीं करें।

मुद्दों को भूल गई भाजपा

वही भारत जोड़ो यात्रा पर निकले कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमलावर भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने कहा भाजपा जिन मुद्दों को लेकर सत्ता में आई थी, उन्हें पूरी तरह भूल चुकी है। पीएम ने बेरोजगारी, महंगाई व भ्रष्टाचार समेत कई मुद्दों पर काम करने का वादा करते हुए नारा दिया था कि बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार मोदी सरकार, लेकिन कहां गई आज वो बातें।

सरकारी एजेंसियों का हो रहा दुरुपयोग

मंत्री ने कहा भारत जोड़ो यात्रा के जरिए राहुल गांधी जन-जन तक जा रहे हैं, वो देश की आवाज़ बन रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की एकजुटता को देखकर भाजपा के नेता बौखला गए हैं। इसलिए भाजपा के नेता अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं, बीजेपी नेताओं को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। आज इन्होंने देश की हालत खराब कर दी है। विपक्ष की आवाज दबाने के लिए सरकारी एजेंसियों का जमकर दुरुपयोग किया जा रहा है। केंद्र सरकार के ऊपर जनता का भरोसा उठ चुका है।

2 दिन तेज बारिश का अलर्ट

सिरोही में ढाई इंच से ज्यादा बरसा पानी, बिजली चमकने से सहम गए लोग

जयपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर मानसून एक्टिव हो गया है। पिछले 24 घंटे के दौरान 9 जिलों में बरसात हुई। सिरोही के रेवदर में ढाई इंच से ज्यादा(69 MM) रिकॉर्ड हुई। मौसम विभाग ने आज 12 जिलों में बारिश होने की संभावना है। 14-15 सितंबर को 8 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है।

मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बना लो-प्रेशर सिस्टम अब डीप डिप्रेशन में बदल गया है। ये सिस्टम छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश के आसपास के क्षेत्रों के ऊपर पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि इस सिस्टम का असर पूर्वी राजस्थान में 13 से 15 सितंबर देखने को मिलेगा। हल्की से मध्यम बारिश व कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटे के दौरान नागौर, गंगानगर, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, सवाई माधोपुर, सिरोही, बीकानेर, बाड़मेर, जालोर, चूरू में डेढ़ से ढाई इंच तक बरसात हुई। सबसे ज्यादा बरसात सिरोही के रेवदर में ढाई इंच से ज्यादा(69 MM) रिकॉर्ड हुई। नागौर के कुचामन में 53, जोधपुर के ओसिया में 40 और गंगानगर में 49 MM बरसात दर्ज हुई। बाड़मेर शहर में भी 34.4MM बारिश के बाद लोगों गर्मी से थोड़ी राहत मिली। उदयपुर, बीकानेर, गंगानगर में रविवार रात को बिजली चमकने की आवाज से लोग सहम गए।

जयपुर मौसम केन्द्र के मुताबिक आज जयपुर, अजमेर, टोंक, दौसा, अलवर, भरतपुर, बीकानेर ,जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा जिलों में बादल छाने के साथ ही बूंदाबांदी हो सकती है। 13 सितम्बर को बांसवाड़ा, बारां, भीलवाड़ा, बूंदी, डूंगरपुर, कोटा, राजसमंद, सिरोही और टोंक में बिजली चमकने के साथ बारिश हो सकती है। 14 और 15 सितम्बर को बांसवाड़ा, बारां, धौलपुर, झालावाड़, कोटा, प्रतापगढ़, सवाई माधोपुर और उदयपुर जिलों में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना जताई है।

ज्वेलर परिवार की सास-बहू से तांत्रिक ने किया रेप

भूत-प्रेत का डर दिखाकर कमरे में अश्लील हरकत, 20 लाख रुपए भी ऐंठे

जयपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर में तंत्र-मंत्र और पूजा के नाम पर सास-बहू से रेप का मामला सामने आया है। भूत-प्रेत के साये और परिवार सदस्य की मौत का डर दिखाकर आरोपी तांत्रिक ने सास-बहू को पूजा में न्यूड बिठाया। फिर अश्लील फोटो-वीडियो बना लिए। इसके बाद ब्लैकमेल कर दोनों महिलाओं से तीन साल तक रेप करता रहा।

आरोपी ने दोनों से करीब 20 लाख रुपए कैश और गहने भी हड़प लिए। आखिरकार तंग आकर सास-बहू ने भांकरोटा थाने में तांत्रिक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने दोनों का मेडिकल करवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है। SHO रविन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि भांकरोटा निवासी

ज्वेलर परिवार की सास-बहू ने रेप का मामला दर्ज कराया है। 50 साल की महिला ने रिपोर्ट में बताया कि करीब 4 साल पहले उसकी तबीयत खराब हो गई थी। भांकरोटा स्थित मेडिकल स्टोर पर वह दवाई लेने जाती थी। मेडिकल स्टोर पर उसकी मुलाकात जयेन्द्र (27) से हुई। जयेन्द्र से बातचीत होने लगी। कुछ दिनों बाद ही बातचीत के दौरान आरोपी जयेन्द्र ने उसे कहा कि आपके घर में भूत-प्रेत का साया है। उसका आपको इलाज करवाना पड़ेगा।

घर पर भूत-प्रेत का साया होने की बात सुनकर वह डर गई। समस्या के निस्तारण की पूछने पर आरोपी जयेन्द्र बोला- 'मैं तांत्रिक हूं। माताजी का भक्त हूं। मैं सब ठीक कर दूंगा। तांत्रिक पूजा करने के बहाने घर पर आरोपी जयेन्द्र आने-जाने लगा। तांत्रिक पूजा करने के लिए पूजा सामग्री और घी मंगवाकर रखवा लिया।

1 दिसम्बर 2018 को घर पर वह अकेली ही थी। तांत्रिक पूजा करने के लिए आरोपी जयेन्द्र घर आया। पूजा की तैयार कर बोला- माताजी का आदेश है पूजा नग्न होकर करनी पड़ेगी। महिला के मना करने पर कहा कि अगर इस विधि से पूजा नहीं करोगे तो आपके छोटे बेटे की मौत हो जाएगी। भूत-प्रेत के साये के बाद परिवार के सदस्य की मौत की बात सुनकर वह ओर डर गई।

डर के मारने कथित तांत्रिक के कहे अनुसार पूजा में बैठ गई। पूजा में बैठने के बाद आंखे बंद करने की कहा और जब तक नहीं बोले खोलने से मना किया।

बैंसला के अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में मंत्री पर फेंके जूते

अशोक चांदना जैसे ही भाषण देने के लिए आए, शुरू हुआ हंगामा

अजमेर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। गुर्जर आरक्षण आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाले कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की अस्थियों का विसर्जन पुष्कर के 52 घाटों पर सोमवार शाम करीब चार बजे हुआ। इससे पहले पुष्कर के मेला ग्राउंड में MBC समाज (गुर्जर, रेबारी, राइका, देवासी, गड़रिया, बंजारा, गाडरी, गायरी, गाडोलिया लुहार) सभा हुई। इसमें खेल राज्य मंत्री अशोक चांदना जैसे ही भाषण देने आए लोगों ने जूते और अन्य सामान फेंककर विरोध जताना शुरू कर दिया। समर्थक सचिन पायलट जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। सोमवार को सबसे पहले गुर्जर भवन में स्थापित कर्नल बैंसला की मूर्ति का अनावरण किया गया। भरकम मूर्ति क्रेन की सहायता से लाई गई थी। इसके बाद सभा की शुरुआत सोमवार सुबह करीब 10 बजे हुई। इस दौरान कर्नल बैंसला के योगदान को याद किया गया। सभा स्थल पर गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष विजय बैंसला सहित अन्य लोगों ने व्यवस्थाएं सम्भालीं। इस दौरान सभा स्थल पर फूलों की वर्षा की गई। सचिन पायलट जिंदाबाद के नारे शुरुआत से ही लगने शुरू हो गए थे। उद्योग मंत्री शकुन्तला रावत भाषण देने आईं तो विरोध शुरू हो गया। उन्होंने करौली में कर्नल बैंसला के नाम पर कॉलेज खोलने की घोषणा की। समर्थकों ने उनको भाषण नहीं देने दिया। पायलट जिंदाबाद के नारे लगाए। फिर भी रावत ने भाषण दिया। इसके बाद खेल राज्य मंत्री अशोक चांदना भाषण देने के लिए आए। समर्थकों को यह मंजूर नहीं था। उन्होंने जूते व अन्य सामान फेंक कर हंगामा खड़ा कर दिया। फिर से पायलट जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। पुलिस व अन्य लोगों ने समर्थकों को शांत किया। चांदना को भाषण बीच में ही छोड़ना पड़ा।

लंपी कम होने तक चप्पल नहीं पहनेगी जयपुर हैरिटेज मेयर

भाजपा के प्रदर्शन के चलते मुख्यालय में रखा हवन बीच में रुका

जयपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर नगर निगम हैरिटेज में आज हवन के दौरान हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। जहां जनसमस्याओं को लेकर प्रदर्शन करने पहुंचे शहर भाजपा के कार्यकर्ता और लंपी वायरस को खत्म करने के लिए यज्ञ करने पहुंचे कांग्रेस के पार्षद आमने-सामने हो गए। वहीं, दूसरी तरफ मेयर मुनेश गुर्जर ने कहा कि लंपी का कहर कम होने तक वो चूते चप्पल नहीं पहनेंगी। भाजपा कार्यकर्ताओं प्रदर्शन करने को रोकने के लिए हैरिटेज के गेट बंद कर दिए गए। कार्यकर्ता दूसरे रास्तों से एंट्री कर गए। हवन स्थल के पास प्रदर्शन करने बैठ गए। इस बीच मेयर मुनेश गुर्जर जब हवन स्थल पर पहुंची। लंपी वायरस को खत्म करने के लिए हवन में जैसे ही आहुति डालने लगी तो विरोध शुरू हो गया। इससे गुस्साएं पंडित ने भी बीच में ही हवन बंद कर दिया।

हालांकि इस बीच मेयर मुनेश गुर्जर ने कहा कि जो प्रण उन्होंने लिया कि वह कायम रहेगा और वे तब तक पैरों में चप्पल-जूते

नहीं पहनेंगी। जब तक प्रदेश में लंपी वायरस के कहर कम नहीं हो जाता। मेयर ने कहा कि वे पैरों में चप्पल-जूतों ही नहीं बल्कि सार्वजनिक कार्यक्रमों में स्वागत सत्कार के दौरान पहनाई जाने वाली माला भी नहीं पहनेगी।

आपको बता दें कि मेयर ने आज प्रदेश में लंपी वायरस के कहर को कम करने के लिए नगर निगम हैरिटेज मुख्यालय पर यज्ञ का आयोजन रखा था, जिसमें सभी पार्षदों और अधिकारियों को शामिल होने के निर्देश दिए थे। लेकिन हवन शुरू होने से पहले ही वहां शहर भाजपा के कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन शुरू हो गया।

मेयर के सामने ही लगाए मुर्दाबाद के नारे

इधर मेयर के नगर निगम मुख्यालय पहुंचते ही भाजपा पार्षदों और कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। मेयर के पहुंचने से पहले भाजपा के कार्यकर्ता भी हवन के चारो ओर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। हालांकि बाद में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मेयर ने दोनों ने मिलकर हवन में आहुतियां दी। हालांकि इस बीच जब शोरगुल और नारेबाजी बंद नहीं हुई तो पंडित ने हवन सामाग्री फेंक दी और हवन को बीच में ही बंद की दिया।

50 हजार से ज्यादा गाय की मौत

राजस्थान में अब तक इस वायरस के कहर से 11.34 लाख गाय चपेट में आ चुकी है, जिनमें से 50 हजार 366 दम तोड़ चुकी है। ये तो सरकारी आंकड़ा है, जबकि वास्तविकता में इससे कहीं ज्यादा गाय इस वायरस की चपेट में आकर मर चुकी है। अभी तक इस वायरस का प्रकोप पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बाड़मेर, बीकानेर, चूरू, नागौर समेत अन्य जिलों में था, लेकिन अब ये वायरस धीरे-धीरे पूर्वी राजस्थान में पैर पसारते जा रहा है। जयपुर में बड़ी संख्या में गाय अब इसकी चपेट में आने लगी है।

रेवंत ने राज्य गीत के रूप में 'जय जये तेलंगाना' का प्रस्ताव रखा

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी ने आज यहां हुई पार्टी की विस्तारित समिति की बैठक में आगामी 17 सितंबर के समारोह में पार्टी नेताओं के सामने तीन प्रस्ताव रखे। उन्होंने पार्टी के सत्ता में आने के बाद वाहन पंजीकरण का संक्षिप्त नाम मौजूदा टीएस से टीजी में बदलने का प्रस्ताव रखा।

उन्होंने बैठक को बताया कि यह मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव है, जिन्होंने राज्य के गठन के बाद संक्षिप्त परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि कवि अंदेसरी द्वारा लिखित 'जय जये तेलंगाना' गीत को राजकीय गीत घोषित करने की आवश्यकता है। तीसरे प्रस्ताव के बारे में बात करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना तल्ली की एक प्रतिमा इस तरह से स्थापित की जानी चाहिए जो राज्य के सभी वर्गों की भावना को दर्शाए। उन्होंने पार्टी नेताओं से इस साल 17 सितंबर से अगले साल 17 सितंबर तक हीरक जयंती समारोह आयोजित करने के लिए सुझाव देने का आग्रह किया।

भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भगवा पार्टी सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने और राज्य में सांप्रदायिक दंगे भड़काने की कोशिश कर रही है और कहा कि भाजपा का 17 सितंबर के समारोह से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि टीआरएस और भाजपा 17 सितंबर के समारोह में कांग्रेस पार्टी के पेटेंट को हथियाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना समाज को बांटने की कोशिश कर रही टीआरएस और भाजपा दोनों का पर्दाफाश करना कांग्रेस पार्टी की जिम्मेदारी है।

केंद्र का बिजली संशोधन विधेयक देश की संघीय भावना के खिलाफ : भट्टी

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आज कहा कि भाजपा नीत राजग सरकार का बिजली संशोधन विधेयक भारतीय संघवाद की भावना के खिलाफ है। विद्युत संशोधन विधेयक और राज्य पर इसके प्रभाव के मुद्दे पर एक अल्पकालिक चर्चा में भाग लेते हुए, विक्रमार्क ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बिजली के विषय पर मनमाने ढंग से व्यवहार कर रही है, जो कि समवर्ती सूची का विषय है। भारतीय संविधान और कहा कि केंद्र अपने मनमानी कृत्यों के हिस्से के रूप में वर्तमान विद्युत संशोधन विधेयक के साथ आया था। यह स्पष्ट करते हुए कि उन्हें विधेयक पर कई आपत्तियां हैं, उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के लिए राज्यों को किसी भी कीमत पर संशोधन नियमों को लागू करने के लिए मजबूर करना उचित नहीं था और इस तरह की दबाव की रणनीति पूरी तरह से देश की संघीय भावना के खिलाफ थी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार देश की सारी संपत्ति बेचकर देश के कुछ लोगों के हाथों में सौंप रही है। यह स्पष्ट करते हुए कि देश के हर राज्य की अपनी समस्याएं हैं, उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से सभी राज्यों को सभी कृषि पंप सेटों पर बिजली मीटर लगाने के लिए कहना सही नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस दलील का जिक्र करते हुए कि देश के लोगों को मुफ्त उपहार नहीं दिए जाने चाहिए, उन्होंने मजाक उड़ाया कि केंद्र सरकार ने अपने कॉरपोरेट मित्रों को जो मुफ्त दिया है, वह देश के लोगों को दिए गए मुफ्त उपहारों से कहीं अधिक है।

श्रीश्री 1008 शांतिनाथ जी महाराज का विशाल जागरण संपन्न

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थान राजपूत समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद की ओर से श्रीश्री 1008 शांतिनाथ जी महाराज जी का विशाल जागरण वीवी फंक्शन हॉल जामबाग में आयोजित किया गया।

इसमें सभी समाज बंधुओं ने बढचढकर भाग लिया। गायक कलाकार नीता नायक एंड पार्टी (सिरोही), रमेश राधेश्याम पाली ने अपने भजनों से सभी को मंत्रमुग्धकर दिया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि गोविंद राठी, पार्षद राकेश जयसवाल, लाल सिंह, शंकर यादव, अविनाश देवड़ा आदि उपस्थित रहे। इस दौरान समाज के अध्यक्ष दीप सिंह राठौड़, अबे सिंह दीया, रडमल सिंह, भीम सिंह, मंगल सिंह, चंदन सिंह, शैल सिंह, गंगा सिंह, उदय सिंह, इंदर सिंह, भवानी सिंह, विक्रम सिंह, हुकूम सिंह, धीर सिंह, रणजीत सिंह, किशोर सिंह दलपत सिंह बाबू सिंह और सभी समाज के बंधु उपस्थित रहे।

बंडी ने प्रजा संग्राम यात्रा के चौथे चरण के शुभारंभ पर चित्तरम्मा मंदिर में की पूजा

गज्जला योगानंद ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का किया स्वागत

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय ने आज कुतुबुल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र के चित्तरम्मा मंदिर में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल के साथ विशेष पूजा कर चौथी प्रजा संग्राम यात्रा की शुरुआत की। इस अवसर पर शेरीलिंगमपल्ली विधानसभा प्रभारी गज्जला योगानंद ने इस पूजा में भाग लिया तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का स्वागत किया। इस अवसर पर गज्जला योगानंद ने कहा कि प्रजा संग्राम यात्रा को अप्रत्याशित प्रतिक्रिया मिलेगी और यदि आप यात्रा की लोकप्रियता को देखें तो यह स्पष्ट है कि तेलंगाना में भाजपा सरकार सत्ता में आएगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और यात्रा को सफल बनाने और केसीआर को भाजपा की ताकत दिखाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कंचना कृष्ण, राजू शेट्टी कुरुमा, मणि भूषण, टप्पा रघु, बिमानी विजया लक्ष्मी, बलाराजू, बी सत्य नारायण, भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

भावसार विजन इण्डिया द्वारा संयुक्त मासिक बैठक आयोजित

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भावसार विजन इण्डिया हैदराबाद और सिकंदराबाद एरिया 104 द्वारा रामगोपाल पेट ओल्ड पीएस के पीछे, होटल वैष्णवी पैलेस, केएफसी लेन एमजी रोड सिकंदराबाद पर संयुक्त मासिक बैठक पर मुख्य अतिथि सुरेंद्र कुमार राव मानकोस्कर (आईआरएस जीएसटी आयुक्त, मेडचल जीएसटी आयुक्तालय) विशेष अतिथि सतीश जाधव (बीवीआई राष्ट्रीय अध्यक्ष), सिद्धू मलाडकर (बीवीआई राष्ट्रीय मंत्री) और समाज भूषण किशन राव गडाले (बीवीआई नेशनल बोर्ड के सलाहकार) सुरेश सुत्रावे (बीवीआई राष्ट्रीय गवर्नर) उपस्थित रहे। सर्वप्रथम गणेश वंदना नाजरे शुभांगिनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में विशेष पुरस्कार, शांभवी भरडे, नाजरे शुभांगिनी, शेफाली महेन्द्रकर, बेबी लितिका गिते, सफलतापूर्वक आयोजित की गयी। इस अवसर पर समाज भूषण खटारे गौरी शंकर, एनईसी सदस्य समाज भूषण राजेश्री सुत्रावे एवं मनीष सुत्रावे, राकेश कुमार गिते, प्रवीण पतंगे, डॉ. प्रशांत नीमकर और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इसमें बीवीआई हैदराबाद अध्यक्ष मोहन राव देवथराज, मंत्राणी श्रीमती अश्विनी पतंगे, बीवीआई सिकंदराबाद अध्यक्ष हनमंत बांगरे, कोषाध्यक्ष शशिकांत पिसे आदि की महत्ती उपस्थिति रही। मंच संचालन नाजरे शुभांगिनी, सोनी भोपे ने किया।

वीवी एक्सेलसियर हाईस्कूल, जामबाग के 1981 बैच के पूर्व छात्र तथा टीआरएस राज्य महासचिव नरेन्द्रनाथ के नेतृत्व में तीसरे वर्ष का वार्षिक समारोह आयोजित किया गया। इसमें पूर्व छात्र अध्यक्ष सीताराम शास्त्री ने नरेंद्रनाथ को सम्मानित किया और पूर्व छात्र पेपर हॉकर्स एसोसिएशन, एबीड्स के सचिव श्रीधर की उपस्थिति में उन्हें धन्यवाद दिया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय की चौथी प्रजा संग्राम यात्रा से पूर्व उनसे मुलाकात कर सम्मान करते हुए वरिष्ठ नेता सतीश जाजू तथा इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं तेलंगाना के संगठन प्रभारी सुनील बंसल से प्रदेश की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करते हुए श्री जाजू।

जनसभा में भाजपा नेताओं ने सीएम केसीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार की प्रजा संग्राम पदयात्रा के चौथे चरण का शुभारंभ करने के लिए शहर में आयोजित जनसभा में राज्य भाजपा नेताओं ने आज सीएम केसीआर की खिंचाई की।

पार्टी कार्यकर्ताओं की सभा को संबोधित करते हुए, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीके अरुणा ने मज़ाक उड़ाया कि केसीआर अपने बिस्तर पर जाने से पहले ही भाजपा के बारे में सोच रहे थे और उन्होंने राज्य विधानसभा में भाजपा विधायकों पर उनके दावों का समर्थन करने के लिए सीएम की नाराजगी का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि केसीआर विश्व के सर्वश्रेष्ठ झूठे पुरस्कार के पात्र हैं। उन्होंने दावा किया कि सीएम सदन के पटल पर झूठ बोल रहे हैं। सीएम द्वारा पार्टी के विधायकों की आलोचना का जिक्र करते हुए, उन्होंने सीएम को चुनौती दी कि अगर उनमें कोई हिम्मत है तो वे अपनी पार्टी के विधायकों को घर से बाहर निकाल दें। सीएम की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए अरुणा ने कहा कि दुब्बाका और हुजुराबाद उपचुनाव में हार का सामना करने के बाद भी सीएम अपनी सभी चुनावी सभाओं में केंद्र सरकार द्वारा कृषि पंप सेटों पर बिजली मीटर लगाने का मुद्दा उठा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री जनता की समस्याओं से राज्य के लोगों का ध्यान हटाने के लिए अपनी खुद की राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी बनाने का मुद्दा उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में केसीआर के तानाशाही शासन को खत्म करेगी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और पार्टी के मध्य प्रदेश के प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव ने सीएम केसीआर के शासन में करीमनगर से तालाब, तालाब और पहाड़ियां गायब होने का मजाक उड़ाया. उन्होंने सीएम को चेतावनी दी कि वे किसी भी कीमत पर उनका सारा पैसा वसूल करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ही जमीन के दलालों के अवैध कृत्यों और नेताओं के भ्रष्टाचार को खत्म कर सकती है। उन्होंने मजाक उड़ाया कि सीएम राज्य में अपनी पार्टी के तीन विधायकों से डरे हुए हैं। पूर्व सांसद विजयशांति ने कहा कि उन्हें सीएम केसीआर के साथ तेलंगाना राज्य के अलग आंदोलन में हिस्सा लेने का पछतावा है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि भाजपा अगले चुनावों के बाद केंद्र और राज्य में सत्ता में आएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने राज्य की राजधानी हैदराबाद को पूरी तरह से नष्ट कर दिया और कहा कि शहर कचरे का केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में बरसात के मौसम में डेंगू बुखार और मलेरिया जैसे वायरल बुखार फैल रहे थे और कहा कि राज्य सरकार के अधिकारी उन्हें रोकने में पूरी तरह विफल रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने राज्य में जनता का पैसा लूटा है और कहा कि सीएम देश के अन्य राज्यों में राज्य के लोगों का पैसा बांट रहे हैं। राज्यसभा सांसद डॉ के लक्ष्मण ने कहा कि राज्य के लोग सीएम केसीआर के भ्रष्ट शासन से नाराज हैं और कहा कि उनकी पार्टी अगले विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आएगी।

गांव का पाठशाला भवन जर्जर अवस्था में, अधिकारी बने हुए मूकदर्शक

मदनूर, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल एनबुरा गांव का पाठशाला भवन जर्जर अवस्था में आ गया है तथा इसके बारे मे जानकारी रहने के बावजूद संबंधित अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं।

सोमवार के दिन पत्रकारों के साथ बातचीत में स्थानीय लोगों ने बताया कि गांव की प्राथमिक पाठशाला जर्जर आवस्था होने पर छात्र अपनी जान हथेली पर लेकर हर रोज यहां शिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि कुछ वर्ष पहले प्रदेश सरकार द्वारा पाठशाला भवन निर्माण किया गया था। यह पाठशाला आज शिथिल अवस्था में पहुंचने से पाठशाला के छात्रों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में पाठशाला की छत से पानी टपकने से कक्षा का फर्श पूरी तरह गिला होने से छात्रों को बैठने में भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं, छत के प्लास्टर कक्षा में गिरने से छात्र भयभीत हो रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि अगर अचानक किसी प्रकार की दुर्घटना हुई तो उसका पूरा जिम्मेदार प्रदेश सरकार ही होगा। स्थानीय लोगों ने प्रदेश सरकार से नया पाठशाला भवन जल्द से जल्द निर्माण करने की मांग की।

शी टीम को महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करना चाहिए : जिला एसपी

आसिफाबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला एसपी के सुरेश कुमार आईपीएस ने आदेश दिया कि शी टीम महिलाओं की सुरक्षा के लिए और अधिक काम करे। सोमवार को जारी बयान में कहा गया है कि महिलाओं पर हमले, उत्पीड़न और लड़कियों के खिलाफ गुंडों की शरारत को रोकने के लिए शी टीमों के प्रदर्शन में सुधार किया जाएगा। उन्होंने साफ किया कि अगर महिलाओं के खिलाफ हिंसा हद से ज्यादा हुई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि टीम की मुख्य जिम्मेदारी छात्राओं से छेड़छाड़ और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वाले गुंडों को गिरफ्तार करना और उन्हें कानून के अनुसार दंडित करना, पूर्व संध्या पर छेड़खानी करने वालों के माता-पिता को बुलाना और उनकी उपस्थिति में परामर्श देना और पकड़े जाने पर गंभीर मामला दर्ज करना है. फिर से। उन्होंने कहा कि जिले में शी की टीमें कड़ी मेहनत कर रही हैं और पिछले आठ माह में दर्ज मामले इसका उदाहरण हैं। महिलाओं को गाली देने वाले उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ बिना किसी झिझक के मामले दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरे जिले में चार टीमें काम कर रही हैं और नई में लगभग बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त हुई हैं, लेकिन जिले में कई जागरूकता कार्यक्रमों की स्थापना के साथ, शिकायतों की संख्या में धीरे-धीरे कमी आई है। उन्होंने कहा कि पूर्व में नाबालिग अपराध में शामिल होते थे। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में अभिभावकों की काउंसलिंग के अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। इस साल अब तक कुल 13 मामले दर्ज किए गए हैं। गुंडों और गुंडों के मामले दर्ज किए गए और शि टीम सिस्टम द्वारा परामर्श आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि अतीत में महिलाएं ऐसी नहीं थीं जो किसी को परेशान करने पर पुलिस शिकायत दर्ज कराने के लिए आगे आती थीं, लेकिन वे बहादुरी से ऑनलाइन और वेब साइटों के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने के लिए आगे आ रही हैं। अब सभी को सावधान हो जाना चाहिए कि सोशल मीडिया प्लेफॉर्म पर सबसे ज्यादा साइबर क्राइम फ्रॉड हो रहा है। किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तुरंत व्हाट्सएप नंबर 9346987214 करने के लिए संदेश कहा जाता है कि वह हमेशा महिलाओं का साथ देगी।

कवियों ने समसामयिक परिस्थितियों पर कविताओं का पाठ कर समाँ बाँधा

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गीत चाँदनी का प्रतिमास आयोजित होने वाला कवि सम्मेलन सिद्दिअंबर बाज़ार स्थित बाहेती भवन में वरिष्ठ समाजसेवी और भाग्य नगर गणेश उत्सव समिति के महासचिव डॉ. भगवंत राव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कवि गोविंद अक्षय ने संचालन करते हुए सभी का स्वागत किया और गीत चाँदनी की बहुआयामी गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी व पूर्व पार्षद एम. वैकुंठम, डॉ. प्रभास चंद्र सिंह चंदर, आर्य कन्या विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती उमा तिवारी, जियागुड़ा के पार्षद बी. दर्शन और देहाती विश्वनाथ बतौर विशेष अतिथि मंच पर मौजूद थे।

कवि सम्मेलन में राष्ट्रवाद की भावनाओं, अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों और समस्याओं तथा जीवन के अनेक पहलुओं पर आधारित सुंदर भावनाओं की कविताओं का पाठ कर कवियों ने श्रोताओं को बहुत आनंदित किया। कवियों ने देश की समसामयिक परिस्थतियों पर गीत, ग़ज़ल, हास्य-व्यंग्य और नयी कविताओं का पाठ कर समाँ बाँध दिया और श्रोताओं को जहाँ मंत्रमुग्ध किया वहीं हँसने पर मजबूर किया। कविता पाठ करने वाले कवियों में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, कुंज बिहारी गुप्ता, शोभा देश पांडेय, ओंकार महाराज काशी उत्तर प्रदेश, सविता सोनी, गोविंद अक्षय, रत्नकला मिश्र, सत्यनारायण काकड़ा, विजय लक्ष्मी बस्वा, सदानंद लाल गोगीकार, डी. प्रेमराज, दीपक चिंडालिया वाल्मीकि, पुष्पा वर्मा, सीताराम माने, रूबी मिश्रा, रामदास कृष्णा कामत, आर. दुर्गाराज पटून, बाबू गुरु, सुधा ठाकुर, हरीश काकड़ा, विजय बाला स्याल, डॉ. प्रभास चंद्र सिंह चंदर आदि के नाम सम्मिलित हैं। कार्यक्रम में सभी कवियों एवं अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। रत्नकला मिश्र के धन्यवाद ज्ञापन के साथ देर रात गये कवि सम्मेलन का समापन हुआ।

कोचिंग डिपो कार्यालय काचीगुडा में हिंदी प्रश्नमंच का आयोजन

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोचिंग डिपो/काचीगुडा में हिंदी प्रश्नमंच आयोजित किया गया। इस अवसर पर जी. श्रीनिवास राव, कोचिंग डिपो अधिकारी/काचीगुडा की अध्यक्षता में हिंदी प्रश्नमंच आयोजित किया गया। हैदराबाद मंडल की वरिष्ठ अनुवादक डॉ. रानी गीतेश काटे ने इस हिंदी प्रश्नमंच का संचालन किया तथा प्रतियोगिता के दौरान माहौल को खुशनुमा बनाते हुए विभिन्न क्षेत्रों जैसे राजभाषा, सामान्य ज्ञान, इतिहास, रेलवे आदि से संबंधित प्रश्न पूछे तथा पावर पाइंट द्वारा सुप्रसिद्ध हस्तियों के चित्र दिखाकर उनके नाम और क्षेत्र बताने के लिए कहा गया। इस प्रतियोगिता में कुल चालीस प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का वातावरण इतना मनोरम रहा कि अंत में कोचिंग डिपो के अधिकारी जी. श्रीनिवास राव जी ने भी प्रश्न पूछा। हिंदी प्रश्नमंच सुचारू रूप से आयोजित किया गया तथा प्रतिभागियों ने इसमें बढ़-चढकर भाग लिया। सभी प्रतिभागी इस प्रतियोगिता में उत्साह पूर्वक भाग लिया और इस प्रतियोगिता के अंत में सभी ने सराहा, प्रशंसा की और निकट भविष्य में ऐसे ज्ञान वर्धक प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए आशवासन भी दिया। हैदराबाद मंडल के कोचिंग डिपो/काचीगुडा के सभी अधिकारीगण, वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर तथा कर्मचारियों ने इस हिंदी प्रश्नमंच प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक आयोजित करने में राजभाषा विभाग के अमित कुमार, सुनील कुमार शर्मा और हफीज़ खान की भागीदारी रही। पी.के. रवि कुमार, वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हिंदी प्रश्नमंच सम्पन्न हुआ।

एसबीआई का एक्सपोर्ट उत्सव कल

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक, हैदराबाद सर्कल द्वारा फिक्की और एफटीसीसीआई के सहयोग से एक्सपोर्ट उत्सव का आयोजन 14 सितंबर को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक एफटीसीसीआई सुराणा ऑडिटोरियम, फेडरेशन हाउस, रेड हिल्स में किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य निर्यात क्षमताओं को बढ़ाने के लिए वित्त की उपलब्धता को आसान बनाना है। निर्यातकों को निर्यात उत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

एसबीआई, फिक्की और एफटीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी निर्यातकों के साथ बातचीत करेंगे। इसका उद्देश्य एक छत के नीचे निर्यात के लिए सहायता प्रदान करना, वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करना और निर्यातकों को विशेष दरों और उपलब्ध प्रोत्साहनों के साथ अद्यतन करना है।

एसबीआई अधिकारियों ने अपील की है कि अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए निर्यातकों को अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण कराना चाहिए और निर्यात उत्सव में भाग लेना चाहिए।

8 साल बाद श्रीलंका बना एशिया का चैंपियन

फाइनल में पाकिस्तान को 23 रन से हराया, प्रमोद मदुशन ने 4 और हसरंगा ने झटके 3 विकेट

दुबई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका ने पाकिस्तान को 23 रन से हरा दिया। टीम 2014 के बाद इस मेगा टूर्नामेंट की चैंपियन बनी है। यह श्रीलंका का छठवां टाइटल है। इससे पहले उसने 2014, 2008, 2004, 1997,1986 में यह खिताब जीता था।

पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 170 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 147 रन पर ऑल-आउट हो गई। श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा 4 विकेट प्रमोद मदुशन ने लिए। वहीं, वानिंदु हसरंगा को 3 सफलता मिली। ये तीनों विकेट 17वें ओवर में आए और यही ओवर मैच का टर्निंग पॉइंट रहा। हसरंगा ने रिजवान (55), आसिफ अली (0) और खुशदिल शाह (2) को आउट किया।

पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा 55 रन मोहम्मद रिजवान ने बनाए। वहीं, श्रीलंका की ओर से भानुका राजपक्षे ने 45 गेंद पर 71 रन की पारी खेली। हसरंगा ने सिर्फ 21 गेंद में शानदार 36 रन बना दिए। पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा 3 विकेट हारिस रऊफ ने लिए। वहीं, शादाब खान, नसीम शाह और इफ्तिखार अहमद को एक-एक विकेट मिला।

प्रमोद मदुशन की शानदार गेंदबाजी

श्रीलंका के लिए प्रमोद मदुशन ने शानदार बॉलिंग की और लगातार दो गेंदों पर बाबर आजम और फखर जमान को आउट किया। पहले उन्होंने बाबर आजम को कैच आउट कराया। फिर पहली ही गेंद पर फखर जमान को क्लीन बोल्ड कर दिया। इसके बाद पूरी तरह सेट हो चुके इफ्तिखार अहमद को उन्होंने कैच आउट करा दिया। इफ्तिखार ने 31 गेंद पर 32 रन बनाए।

पाकिस्तान को चौथा झटका चमिका करुणारत्ने ने दिया। उन्होंने मोहम्मद नवाज को 6 रन पर आउट किया।

नसीम शाह ने श्रीलंका को पहला झटका दिया। उन्होंने कुशल मेंडिस को पहले ही ओवर में क्लीन बोल्ड कर दिया। मेंडिस अपना खाता भी नहीं खोल पाए।

दूसरा विकेट हारिस रऊफ ने लिया। उन्होंने पथुम निसांका को 8 रन बनाने के बाद बाबर आजम के हाथों कैच कराया।

तीसरा विकेट भी हारिस रऊफ ने लिया। उन्होंने दनुष्का गुनाथिलिका को 1 रन बनाने के बाद क्लीन बोल्ड कर दिया।

श्रीलंका के लिए वानिंदु हसरंगा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 21 गेंद में 36 रन बना दिए। उनके बल्ले से 5 चौका और 1 छक्का निकला। उनका स्ट्राइक रेट 171.42 का रहा। हसरंगा का विकेट हारिस रऊफ ने लिया। वो विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान को कैच दे बैठे।

श्रीलंका का चौथा विकेट इफ्तिखार अहमद ने लिया। उन्होंने धनंजय डी सिल्वा को अपनी ही गेंद पर लपक लिया। धनंजय ने 21 गेंद में 28 रन बनाए।

शादाब खान ने श्रीलंका को पांचवां झटका दिया। उन्होंने श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका 3 गेंद में 2 रन बनाने के बाद बोल्ड किया।

पावर प्ले में पाकिस्तानी गेंदबाजों का दबदबा

श्रीलंकाई पारी के पावर प्ले में पाकिस्तानी गेंदबाजों का दबदबा रहा। 6 ओवर के खेल में नसीम शाह और हारिस रऊफ ने मिलकर श्रीलंका को तीन झटके। श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने 36 गेंदों पर 42 रन बनाए। हारिस रऊफ ने दो तो नसीम शाह ने एक विकेट लिया।

पाक टीम ने प्लेइंग इलेवन में दो बदलाव किए हैं। हसन अली की जगह नसीम शाह और उस्मान कादिर की जगह इफ्तिखार अहमद की वापसी हुई है। वहीं, श्रीलंका की टीम ने अपनी प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं किया है।

प्लेइंग इलेवन

पाकिस्तानः बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, फखर जमान, मोहम्मद नवाज, आसिफ अली, खुशदिल शाह, शादाब खान, इफ्तिखार अहमद, मोहम्मद हसनैन, हारिस रऊफ, नसीम शाह।

श्रीलंकाः कुशल मेंडिस, पथुम निसांका, धनंजय डी सिल्वा, दनुष्का गुनाथिलिका, दासुन शनाका (कप्तान), भानुका राजपक्षे, चमिका करुणारत्ने, वानिंदु हसरंगा, महेष तीक्ष्णा, प्रमोद मधुसुदन और दिलशान मधुशंका।

ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड पर किया क्लीन स्वीप

25 रनों से जीता आखिरी वनडे मुकाबला, स्मिथ का शानदार शतक; फिंच ने वनडे क्रिकेट को कहा अलविदा

केर्न्स, 12 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने अपने घर में न्यूजीलैंड पर वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप किया है। उसने तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में कीवी टीम को 25 रनों से हराया है। इस जीत का सेहरा पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ और मिचेल स्टार्क के सिर बंधा। मेजबान टीम ने पहला वनडे 2 विकेट और दूसरा वनडे 113 रनों से जीता था।

यहां न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने टॉस जीता और गेंदबाजी करने का फैसला लिया। शुरुआत में उनका यह फैसला सही भी हुआ। जब मेजबान टीम ने 16 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। उसके बाद नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने आए स्टीव स्मिथ ने शतकीय पारी खेलकर टीम का स्कोर 200 पार पहुंचाया। उसके बाद का काम एलेक्स कैरी, ग्लेन मैक्सवेल और कैमरान ग्रीन ने कर दिया। न्यूजीलैंड की ओर से ट्रेंट बोल्ट को दो सफलताएं मिलीं। लक्ष्य का पीछा करते हुए

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज 49.5 ओवर में 242 रन ही बना सकी। मेजबान टीम की ओर से स्मिथ के अलावा मार्नश लाबुशेन (52) ने अर्धशतक बनाया। जबकि एलेक्स कैरी ने 42 रन की पारी खेली।

आखिरी वनडे में फिंच ने बनाए 5 रन

एरोन फिंच ने अपने करियर के आखिरी वनडे मुकाबले में 5 रन बनाए हैं। यहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। 35 साल के इस टॉप आर्डर बल्लेबाज ने 145 मैचों में 87.83 के स्ट्राइक रेट और 39.13 के एवरेज से 5401 रन बनाए हैं। नाबाद 153 रन एरोन फिंच का हाईएस्ट स्कोर है। उन्होंने अपने करियर में 17 शतक और 30 अर्धशतक जमाए हैं।

स्मिथ ने जमाया 12वां शतक

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने अपने वनडे करियर का 12वां शतक जमाया। स्मिथ ने 105 रनों की शतकीय पारी खेली। 131 गेंदों की पारी में स्मिथ ने 11 चौके और एक छक्का जमाया।

पहले छक्का मारा, फिर अंपायर से नो बॉल की मांग की

शतकवीर स्टीव स्मिथ अपनी बल्लेबाजी के दौरान खूब चर्चा में रहे। ऑस्ट्रेलियाई पारी के 38वें ओवर में न्यूजीलैंड के 5 खिलाड़ी बाउंड्री पर थे। ऐसे में स्मिथ ने पहले तो जेम्स नीशम की गेंद पर शानदार छक्का जमाया। उसके बाद अंपयार से नो-बॉल और फ्री हिट की मांग की।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान

रोहित शर्मा कप्तान, हर्षल पटेल और बुमराह की वापसी; शमी, श्रेयस, बिश्नोई और चाहर स्टैंडबाय में

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है। चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे हर्षल पटेल और जसप्रीत बुमराह की टीम में वापसी हुई है। टी-20 वर्ल्ड कप 16 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में शुरू होगा। वहीं, भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 23 अक्टूबर को पाकिस्तान

2007 में आखिरी बार टीम इंडिया बनी थी टी-20 वर्ल्ड चैंपियन

के खिलाफ खेलेगी।

वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज भी खेलनी है। इन दोनों सीरीज के लिए भी भारतीय टीम घोषित कर दी गई है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टी-20 टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत, दिनेश कार्तिक, हार्दिक पंड्या, रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल, दीपक चाहर और जसप्रीत बुमराह।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टी-20 टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत, दिनेश कार्तिक, रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, हर्षल पटेल, दीपक चाहर, मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह।

रवींद्र जडेजा टीम से बाहर अक्षर पटेल को मौका

टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा वर्ल्ड कप की टीम से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह अक्षर पटेल को मौका दिया गया है। जडेजा की घुटने की सर्जरी हुई है। वो एशिया कप में चोटिल हो गए थे। जडेजा के टीम से बाहर होने के बाद भारतीय टीम पटरी से उतर गई थी और लगातार 2 मैच में हार के बाद एशिया कप से बाहर हो गई।

15 साल से नहीं जीत पाए वर्ल्ड कप

टीम इंडिया ने अपना पहला वर्ल्ड कप 2007 में जीता था। उस समय पहली बार इस मेगा टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। टीम इंडिया के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी थे। इसके बाद 6 बार इस मेगा टूर्नामेंट का आयोजन हुआ है और हम एक बार भी चैम्पियन नहीं बन पाए हैं।

इंग्लैंड ने जीती टेस्ट सीरीज

तीसरे टेस्ट में साउथ अफ्रीका को 9 विकेट से हराया, ब्रॉड और एंडरसन ने मैच में लिए 7-7 विकेट

जेम्स एंडरसन	ओसी रोबिन्सन	स्टुअर्ट ब्रॉड	बेन स्टोक्स
3 (2+1)	7 (5+2)	7 (4+3)	3

ओवल, 12 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने साउथ अफ्रीका को तीसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन 9 विकेट से हरा दिया। ओपनर जैक क्राउली के नाबाद अर्धशतक (69) की बदौलत इंग्लिश टीम ने 130 रन के टारगेट को 22.3 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। इसके साथ इंग्लैंड ने तीन टेस्ट मैचों की सीरीज को 2-1 से अपने नाम कर लिया। साउथ अफ्रीका ने पहला टेस्ट जीता था। इसके बाद इंग्लैंड ने अगले दो मुकाबले जीतकर सीरीज पर कब्जा कर लिया।

5 दिन के मुकाबले के आखिरी दिन अंग्रेजों को जीत के लिए 33 रनों की जरूरत थी और उसके हाथ में 10 विकेट थे। सोमवार को साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने एलेक्स लीस (39) को आउट किया। लेकिन, यह टीम की वापसी के लिए काफी नहीं था। 108 के टीम स्कोर पर पहला विकेट गंवाने के बाद जैक क्रॉली और ओली पॉप ने मेजबान टीम को विजयी स्कोर तक पहुंचाया।

इंग्लैंड की मेजबानी में खेली गई टेस्ट सीरीज रोमांचक रही। पहले मुकाबले को लाड्र्स में साउथ अफ्रीका ने पारी और 12 रनों के अंतर से जीता। उसके बाद मैनचेस्टर टेस्ट को इंग्लैंड ने पारी और 85 रनों से जीतते हुए सीरीज रोमांचक बना दी। एक-एक की बराबरी के बाद सीरीज के विजेता का फैसला आज हुआ है।

रॉबिन्सन-ब्रॉड ने लिए 7-7 विकेट

निर्णायक मुकाबले में जीत के हीरो तेज गेंदबाज ओली रोबिन्सन और स्टुअर्ट ब्रॉड रहे। दोनों ने एक समान 7-7 विकेट चटकाए। जैक क्रॉली और ओली पॉप ने भी अर्धशतकीय पारियां खेलीं। पहली पारी में साउथ अफ्रीका के सभी विकेट इंग्लिश तेज गेंदबाजों ने चटकाए। रॉबिन्सन (5) और ब्रॉड (4) ने मिलकर 9 विकेट चटकाए। एक विकेट जेम्स एंडरसन को मिला। वहीं, एक बल्लेबाज रन आउट हुए। साउथ अफ्रीका की दूसरी पारी में रॉबिन्सन ने 2 और ब्रॉड ने तीन विकेट लिए। स्टोक्स ने भी 3 विकेट चटकाए।

पहला टेस्ट	दूसरा टेस्ट
साउथ अफ्रीका, पारी और 12 रन से	इंग्लैंड, पारी और 85 रनों से

नहीं हो पाया था पहले दो दिन का खेल

आखिरी मुकाबले के शुरुआती 2 दिन का खेल नहीं हो सका। पहले दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ गया। दूसरे दिन का खेल महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मृत्यु के बाद रद्द कर दिया गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने दिवंगत रानी के सम्मान में काली पट्टी बांधी और मैच से पहले एक मिनट का मौन रखा।

19 साल के कार्लोस यूएस ओपन चैंपियन

स्पेन के अल्कराज ने नॉर्वे के कैस्पर रूड को हराया, दुनिया के नंबर वन प्लेयर बने

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। महिलाओं के बाद यूएस ओपन को मेंस में भी नया चैंपियन मिला है। स्पेन के 19 साल के कार्लोस अल्कारेज ने रविवार को न्यूयार्क में खेले गए फाइनल में नॉर्वे के कैस्पर रूड को 6-4, 2-6, 7-6 (1), 6-3 से मात दी। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह मुकाबला 3 घंटे 20 मिनट तक चला। इस जीत के साथ ही अल्कारेज एटीपी रैंकिंग में भी नंबर-1 पर पहुंच गए हैं। अल्कारेज का यह पहला ग्रैंड स्लैम है।

स्पेन के कार्लोस अल्कारेज से पहले 1990 में अमेरिका के पीट संप्रास ने 19 साल की उम्र में ये खिताब जीता था।

17 साल में सबसे युवा ग्रैंड स्लैम चैंपियन

पिछले 17 साल की बात करें तो इस दौरान ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी अल्कारेज ही हैं। पिछले 32 साल में यूएस ओपन का खिताब जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी हैं। उनसे पहले 1990 में अमेरिका के पीट संप्रास ने 19 साल की उम्र में यूएस ओपन का खिताब जीता था। 2005 में राफेल नडाल ने 19 साल की उम्र में फ्रेंच ओपन जीता था। अल्कारेज को पिछले साल यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में हार का समाना करना पड़ा था।

एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 पर पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी

अल्कारेज एटीपी रैंकिंग में भी नंबर-1 पर पहुंच गए हैं। वह 1973 से शुरू हुई एटीपी रैंकिंग में पहले सबसे कम उम्र के नंबर एक खिलाड़ी भी बन गए हैं। अभी तक यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के ल्यूटन हेविट के नाम दर्ज था। हेविट ने 2001 में 20 साल 8 महीने 23 दिन की उम्र में 19 नवंबर को सबसे कम उम्र के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी बने थे।

सुरेश रैना ने जिम में बहाया पसीना

इंस्टाग्राम पर लिखा- ऑफ डे बट रेडी; सचिन और युवराज ने स्विमिंग की

कानपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर के ग्रीन पार्क में 14 सितंबर को इंडियन लीजेंड्स का वेस्टइंडीज लीजेंड्स से मैच है। ऐसे में सुरेश रैना, सचिन और युवराज जमकर पसीना बहा रहे हैं। सुरेश रैना ने सोमवार को जिम में वर्क आउट किया, जबकि सचिन और युवराज ने होटल में स्विमिंग की। रैना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो भी शेयर किया है। लिखा, "ऑफ डे बट रेडी।" वीडियो में वह वर्क

आउट करते नजर आ रहे हैं। होटल मैनेजमेंट के मुताबिक, रैना रोज 2-3 घंटे वर्क आउट करते हैं।₹ इससे पहले जून में रैना का गदा के साथ वर्क आउट करने का वीडियो भी सामने आया था।

सचिन और युवराज ने की स्विमिंग

लैंडमार्क होटल के मैनेजर शैलेन्द्र ने बताया, ₹सचिन रूम से बहुत कम निकलते हैं। वह सिर्फ स्विमिंग, लंच या डिनर के लिए ही अपने रूम से बाहर आते हैं। कई बार ब्रेक फास्ट भी वो अपने रूम में मंगा लेते हैं। पिछले 2 दिनों से वह और युवराज सिंह साथ में स्विमिंग करते दिख रहे हैं। सोमवार सुबह भी दोनों लोग कुछ बात करते हुए स्विमिंग पूल पर वॉक करते देखे गए थे। इसके बाद दोनों ने करीब आधा घंटा स्विमिंग की। अन्य खिलाड़ियों की बात करें तो ज्यादातर रिलैक्स के मूड में दिख रहे हैं।

रैना-बिन्नी ने खेली थी आतिशी पारी

10 सितंबर को खेले गए मैच में मिडिल ऑर्डर में में सुरेश रैना (33) और स्टुअर्ट बिन्नी (82*) ने पारी को संभाला था। दोनों ने तीसरे विकेट के लिये 64 रनों की साझेदारी की थी। सुरेश रैना ने 22 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 33 रनों की पारी खेली जिसके बाद एडी ली ने उनका विकेट लेकर साझेदारी को तोड़ा। युवराज सिंह को वैन डार वेथ ने आउट कर सिर्फ 6 रन के स्कोर पर वापस भेज दिया था।

रैना ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेटों से 6 सितंबर को संन्यास लिया था

सुरेश रैना ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। रैना ने 6 सितंबर को ट्वीट कर ये जानकारी दी थी।

श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया लीजेंड्स को 38 रन से हराया

180 पर हुई ऑल आउट; दिलशान ने जड़ा 'रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज' का पहला शतक

कानपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका लीजेंड्स के बीच 'रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज' का तीसरा मुकाबला खेला गया। ये मैच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में हुआ। श्रीलंका के कप्तान तिलकरत्ने दिलशान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया।

श्रीलंका ने 20 ओवर में एक विकेट खोकर 218 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन दिलशान के बल्ले से निकले। उन्होंने 55 गेंद पर 107 रन की पारी खेली।

वहीं, दिलशान मुनावीरा 62 गेंद पर 93 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों खिलाड़ियों से एक से बढ़कर एक शॉट्स खेले। तिलकरत्ने दिलशान ने 19वें ओवर की तीसरे गेंद पर ब्रेट ली को चौका जड़कर शतक पूरा किया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से सिर्फ एक विकेट ब्रेटली ने लिया। ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका लीजेंड्स के बीच 'रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज' का तीसरा मुकाबला खेला गया। ये मैच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में हुआ। श्रीलंका के कप्तान तिलकरत्ने दिलशान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया।

श्रीलंका ने 20 ओवर में एक विकेट खोकर 218 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन दिलशान के बल्ले से निकले। उन्होंने 55 गेंद पर 107 रन की पारी खेली।

वहीं, दिलशान मुनावीरा 62 गेंद पर 93 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों खिलाड़ियों से एक से बढ़कर एक शॉट्स खेले। तिलकरत्ने दिलशान ने 19वें ओवर की तीसरे गेंद पर ब्रेट ली को चौका जड़कर शतक पूरा किया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से सिर्फ एक विकेट ब्रेटली ने लिया।

दूसरी पारी में बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत शानदार रही। सलामी बल्लेबाज शेन वॉट्सन और कैमरून व्हाइट ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। लेकिन पांच ओवर के बाद शेन वॉट्सन आउट हो गए।

केन्द्र का प्रस्तावित बिजली सुधार विधेयक गरीबों के लिए हानिकारक : केसीआर

सीएम ने पीएम मोदी से की बिजली सुधार विधेयक को तुरंत वापस लेने की अपील

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रस्तावित बिजली (संशोधन) विधेयक 2022 को वापस लेने की अपील की। केसीआर का दावा है कि यह देश में कृषक समुदाय और गरीब लोगों के हित को प्रभावित करेगा। मुख्यमंत्री ने आगाह किया है कि यदि केंद्र अनुरोधों पर ध्यान देने में विफल रहता है, तो उसे देश के लोगों की क्रांति का सामना करना पड़ेगा। सोमवार को विधानसभा में केंद्र के बिजली सुधारों पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए, केसीआर ने कहा कि प्रस्तावित बिजली सुधार विधेयक बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) परिवारों के लिए हानिकारक और खतरनाक होगा और ये देश के गरीबों के लिए उपयुक्त नहीं हैं। तेलंगाना ने प्रभावी उपायों को लागू करके साढ़े पांच महीने के भीतर बिजली की कमी को दूर किया है। केसीआर ने कहा कि अब तेलंगाना देश में कृषि सहित सभी क्षेत्रों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति लागू करने वाला राज्य है। उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार और राज्य में टीआरएस सरकार लगभग समान अवधि में संबंधित स्थानों पर सत्ता में आई। लेकिन, केंद्र सरकार सभी वर्गों को गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने में बुरी तरह विफल रही है जबकि टीआरएस सरकार इस संबंध में सफल रही है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार अपनी खराब नीतियों और अक्षमता के कारण उपलब्ध बिजली का अधिकतम उपयोग करने में विफल रही है। 2.42 लाख मेगावाट के बेस लोड (फर्म पावर) के साथ राष्ट्रीय स्थापित बिजली क्षमता 4.04 लाख मेगावाट है। हालांकि, देश ने इस साल 22 जून को 2.1 लाख मेगावाट का उच्चतम पीक लोड दर्ज किया। यह हमारे बेस लोड से कम है। बेस लोड के इष्टतम उपयोग के अलावा, हम तुरंत इसके अलावा कम से कम 1.65 लाख मेगावाट का उपयोग कर सकते हैं। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के अनुसार, पिछले आठ वर्षों के दौरान, तेलंगाना की प्रति व्यक्ति बिजली की खपत 2014 में 970 यूनिट से बढ़कर 2022 में 2,126 यूनिट हो गई है। हालांकि, राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति बिजली की खपत में 957 यूनिट की वृद्धि हुई है। 2014 से 1,255 यूनिट तक, जिसमें 2022 में तेलंगाना की खपत भी शामिल है। यह दर्शाता है कि केंद्र बिजली क्षेत्र से कैसे निपट रहा है। विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने केंद्र द्वारा राज्यों से परामर्श किए बिना समवर्ती सूची में शामिल शक्ति जैसे विषयों पर संसद में कई विधेयकों को पारित करने पर कड़ी आपत्ति जताई। केसीआर ने कहा, "मैं इस बात से बहुत हैरान हूं कि केंद्र सरकार तेलंगाना सरकार से कृषि क्षेत्र को मुफ्त बिजली आपूर्ति के प्रावधान को वापस लेने के लिए क्यों जोर दे रही है, जबकि बड़ी संख्या में किसान इस सुविधा से लाभान्वित हो रहे हैं।" मुख्यमंत्री ने अपने बयान में गलत संदर्भों का हवाला देकर सदन को गुमराह करने के लिए भाजपा विधायक एम रघुनंदन राव पर निशाना साधा। उन्होंने केंद्र द्वारा प्रकाशित नवीनतम राजपत्र को पढ़ा, जहां बाद वाले ने जोर देकर कहा कि, "कोई भी कनेक्शन बिना मीटर के नहीं दिया जाएगा और ऐसा मीटर स्मार्ट प्रीपेमेंट मीटर होगा।" केसीआर ने आशंका जताई कि बिल के लागू होने से अकेले तेलंगाना में करीब 98 लाख परिवार प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि सिर्फ कृषि ही नहीं, लोगों को बिजली कनेक्शन लेने के लिए स्मार्ट प्रीपेमेंट मीटर लगाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, "किसान, दलित, आदिवासी, लॉन्ड्री और सैलून, मुर्गी पालन, कपड़ा, एमएसएमई और वे सभी जिन्हें सब्सिडी वाली बिजली मिल रही है, प्रभावित होंगे।" सुधारों के नाम पर मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार लोगों को लूटने और उनके क्रोनी कैपिटलिस्ट दोस्तों को फायदा पहुंचाने के लिए कानून ला रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र बिजली कंपनियों के स्वामित्व वाली करोड़ों रुपये की संपत्ति कॉरपोरेट कंपनियों को सौंपने की कोशिश कर रहा है। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि बिजली कर्मचारियों को साजिश का एहसास होना चाहिए और केंद्र के खिलाफ लड़ाई लड़नी चाहिए, अन्यथा वे अपनी नौकरी खो देंगे क्योंकि केंद्र बिजली कंपनियों का निजीकरण करने के लिए इच्छुक है। विपक्षी दल के नेताओं द्वारा विधानसभा सत्र का विस्तार करने के अनुरोध पर, केसीआर ने वादा किया है कि राज्य सरकार कुछ समय के ब्रेक के बाद जल्द ही विधानसभा का शीतकालीन सत्र आयोजित करेगी और कहा कि आगामी सत्र 20-25 दिनों की अवधि राज्य से संबंधित सभी मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर दिया जाएगा।

युवक ने किया अवैध रूप से दुकान हटाने का विरोध

आरटीसी डीएम कार्यालय के सामने किया विरोध प्रदर्शन

आसिफाबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आरटीसी अधिकारियों द्वारा उसकी दुकान को अवैध रूप से हटाने और उसे फिर से स्थापित करने से इंकार करने पर एक युवक ने आसिफाबाद आरटीसी डीएम कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

बहादुर राठौड़ नाम के युवक ने कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के सिरपुर निर्वाचन क्षेत्र के कौटाला मंडल के केंद्र में आरटीसी यात्रा परिसर के परिसर में दुकान लगाने का टेंडर भरा था और टेंडर में उसे दुकान आने के बाद उसने दुकान आरटीसी बस स्टेशन के परिसर में लगाई। करीब 2 साल तक दुकान चलाई और इसी बीच आरटीसी के अधिकारियों ने साफ-सफाई करने के बहाने बहादुर लाल की दुकान को बगैर नोटिस दिए उसे खाली करवाई और उसे यह कह कर बरसात के मौसम में दुकान खाली करवाई थी कि साफ सफाई करने के बाद उसे फिर से दुकान बनवा कर दी जाएगी।

लेकिन कुछ दिनों के बाद जब आरटीसी अधिकारियों से दुकान का पुनर्निर्माण करने की बात कही तब आरटीसी अधिकारियों ने बहाना बनाकर पल्ला झाड़ दिया। युवक ने पहले स्थानीय आरटीसी अधिकारियों से डीएम से शिकायत की, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। तब उसने सोशल मीडिया ट्विटर के द्वारा आरटीसी के उच्च अधिकारी को इसकी शिकायत की। तब आरटीसी के उच्च अधिकारियों ने ट्विटर द्वारा इस समस्या का समाधान करने के लिए कहा।

आरटीसी के उच्च अधिकारियों के आदेश के बाद भी कार्रवाई नहीं हो रही है, यह आरोप लगाते हुए युवक ने सोमवार को आसिफाबाद आरटीसी डीएम कार्यालय के समक्ष धरना पर बैठ गया तथा उसने मांग की है कि उसे न्याय दिलाएं। बहादुर लाल राठौड़ ने सोमवार को आरटीसी डीएम कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया और कहा कि जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हो जाता, वह आंदोलन करना बंद नहीं करेंगे।

नगर में थोडा शांत हुआ वर्षा का कराल रूप

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में तीन दिनों से अधिक समय तक भारी बारिश के बाद सोमवार को बारिश में कमी आई। राज्य की राजधानी में गर्म मौसम की स्थिति बनी रही, अधिकतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस सुबह 11:30 बजे तक और आर्द्रता का स्तर 87 प्रतिशत रहा।

भारत मौसम विज्ञान विभाग-हैदराबाद ने गुरुवार तक हल्की से मध्यम बारिश / गरज के साथ सामान्य रूप से बादल छाए रहने की भविष्यवाणी की है। बारिश की कोई बड़ी गतिविधि देखने की संभावना नहीं है।

शिक्षकों ने विधानसभा में किया घुसने का प्रयास, गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीओ नंबर 317 की समीक्षा की मांग करते हुए सरकारी शिक्षकों ने आज राज्य विधानसभा में हंगामा करने का प्रयास किया। उन्होंने राज्य सरकार से अनुरोध किया कि वे वरिष्ठता के आधार पर नहीं बल्कि जन्म के आधार पर पद दें। आंदोलन कर रहे शिक्षकों ने कहा कि जीओ नंबर 317 के कारण परिवार बंट रहे हैं। इस मौके पर पुलिस ने हस्तक्षेप कर आंदोलनकारी सरकारी शिक्षकों को गिरफ्तार कर लिया। वे नाराजगी जताते हुए कर रहे थे कि जब वे मुख्यमंत्री से मिलने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें अवैध रूप से गिरफ्तार किया जा रहा है, ताकि वे जीओ नंबर 317 के कारण अपनी व्यथा की व्याख्या कर सकें। उन्होंने कहा कि उनके साथ कड़ी मेहनत से अलग तेलंगाना राज्य में अन्याय किया जा रहा है।

इस बीच, ग्राम राजस्व सहायकों (वीआरओ) ने बंजारा हिल्स में मंत्रियों के आवास पर धावा बोलने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने गेट क्रैश के उनके प्रयासों का विरोध किया। इसी को लेकर वीआरओ व पुलिसकर्मियों में तीखी नोकझोंक हो गई।

उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री केसीआर वीआरओ से किए गए अपने वादों को पूरा करें। उन्होंने यह भी मांग की कि राज्य सरकार तुरंत उनके वेतनमान को ऊपर की ओर संशोधित करे।

उन्होंने यह भी कहा कि 36 व्यथित वीआरओ ने भारी मानसिक दबाव में आत्महत्या कर ली। पुलिस ने गिरफ्तार वीआरओ को थाने भेज दिया है। वीआरओ और शिक्षक संघों द्वारा विधानसभा में धावा बोलने के आह्वान के बाद पुलिस ने अलर्ट की घोषणा की। पुलिस ने धारा 144 सीआरपीसी के तहत प्रतिबंध का आदेश भी लगाया और बंदोबस्त कड़ा कर दिया।

महाराजा अग्रसेनजी की 5146वीं जयंती पर भव्य समारोह 26 को

पूर्व राष्ट्रपति समेत कई हस्तियां पूर्व के आयोजनों में ले चुकी हैं भाग

डॉ. गिरीश संघी के अथक प्रयास से की गई थी महाराजा अग्रसेनजी की प्रतिमा की स्थापना

गृहमंत्री अमित शाह, तेलंगाना के सीएम केसीआर, संयुक्त आंध्रप्रदेश के पूर्व सीएम स्व. वाईएसआर राजशेखर रेड्डी, तेलंगाना सरकार के मंत्री केटीआर, मो. महमूद अली, हरीश राव, बिहार के तत्कालीन डिप्टी सीएम तारा किशोर प्रसाद, जम्मू विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा प्रति वर्ष के भांति इस वर्ष भी महाराजा अग्रसेनजी की 5146वीं जयंती का भव्य आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद तथा वार्ता प्रकाश समूह के प्रबंध निदेशक डॉ. गिरीश कुमार संघी की अध्यक्षता में 26 सितंबर, सोमवार को प्रातः 10:30 अग्रसेन चौक, रोड नंबर 12 पर आयोजित किया जाएगा। इस मौके सभी वैश्य बंधुओं से सपरिवार एवं मित्रों से कुलप्रवर्तक महाराजश्री के जयंती कार्यक्रम में भारी संख्या में भाग लेने एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का अनुरोध किया गया है। गौरतलब है कि हैदराबाद में हर साल महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह का बड़े पैमाने पर आयोजन किया जाता है। पूर्व के कार्यक्रम में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, केन्द्रीय कविन्द्र गुप्ता के साथ ही देश के कई राज्यों के राजनीतिक, व्यापारिक और शिक्षा जुड़ी हस्तियां भाग ले चुकी हैं। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के पॉश इलाके बंजारा हिल्स में महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा की स्थापना डॉ. गिरीश संघी के अथक प्रयास से हुई थी। इस प्रतिमा का उद्घाटन भारत की तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने तत्कालीन संयुक्त आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री स्व. वाईएसआर राजशेखर रेड्डी और देश के कई बड़े नेताओं की मौजूदगी में की थी। ज्ञातव्य हो कि महाराजा अग्रसेन वैश्य समाज के संस्थापक माने जाते हैं। महाराजा अग्रसेन अग्रोहा के एक महान भारतीय राजा थे। महाराजा अग्रसेन को पौराणिक समाजवाद के प्रवर्तक, युग पुरुष के तौर पर याद किया जाता है। महाराजा अग्रसेन पशु बलि के खिलाफ थे और इसलिए उन्होंने वैश्य धर्म स्वीकार किया था। महाराजा अग्रसेन को वैश्य समाज के पिता के रूप में पूजा जाता है और उनकी जयंती के मौके पर हैदराबाद में कई कार्यक्रम होते हैं। क्षत्रिय कुल में जन्मे महाराजा अग्रसेन जिस शहर अग्रोहा के राजा थे, वह एक व्यापारियों का शहर था। कहा जाता है कि इस शहर की स्थापना भी महाराजा अग्रसेन ने की थी। महाराजा अग्रसेन ने समाज में एकता और सद्भाव का उपदेश दिया था। यही कारण है कि मुख्य रूप से उनके अनुयायी अग्रसेन जयंती के दिन गरीबों में मुफ्त भोजन और दवाईं बाटंते हैं। महाराजा अग्रसेन के सम्मान में भारत सरकार ने 1976 में उनकी 5100 वीं जयंती पर एक डाक टिकट भी जारी किया था।

लाभार्थियों के खातों में जमा की गई दलित बंधु की राशि : खम्मम कलेक्टर

खम्मम, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वी.पी. गौतम ने बताया कि दलित बंधु योजना के तहत दी जाने वाली 10 लाख रुपये की पूंजी सहायता खम्मम जिले के सभी चयनित लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा कर दी गई है।

चिंताकणी मंडल में, जहां योजना को सैचुरेशन आधार पर पायलट परियोजना के रूप में लागू किया जा रहा है, कुल 3462 दलित परिवारों को लाभार्थियों के रूप में पहचाना गया है। उनके खातों में 346.20 करोड़ रुपये की राशि जमा कर दी गई हैं। गौतम ने कहा कि जिले के पांच विधानसभा क्षेत्रों में से चार में 100 लाभार्थियों का चयन किया गया है, जबकि व्यारा में 83 लाभार्थियों का चयन किया गया है क्योंकि निर्वाचन क्षेत्र कोठागुडेम जिले के अंतर्गत जुलुरुपाद मंडल है।

एक राशि पांच निर्वाचन क्षेत्रों के 483 लाभार्थियों के खातों में 48.30 करोड़ रुपये जमा किए गए हैं। प्रत्येक लाभार्थी को दिए गए 10 लाख रुपये में से 10,000 रुपये दलित बंधु रक्षा निधि में जमा किए गए, जो स्वास्थ्य, दुर्घटनाओं और अन्य आपात स्थितियों को संबोधित करने के लिए बनाई गई एक जमा राशि है। चिंताकणी मंडल में दलित बंधु रक्षा निधि के तहत पांच निर्वाचन क्षेत्रों में 3.46 करोड़ रुपये और 48.30 लाख रुपये आवंटित किए गए। चिंताकणी मंडल में अब तक 1052 इकाइयां जमींदोज हो चुकी हैं। गौतम ने बताया कि बाकी इकाइयों के लिए ग्राउंडिंग प्रक्रिया प्रगति पर है और इसे जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। दलितों के आर्थिक विकास को प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई दलित बंधु योजना एक बहुत ही प्रभावी योजना है, इसलिए दलितों को सरकार द्वारा प्रदान किए गए अवसर का लाभ उठाना चाहिए और आर्थिक रूप से विकसित होना चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कांस्टेबल पदों की भर्ती में एससी-एसटी उम्मीदवारों के लिए कट ऑफ अंक कम करने की घोषणा

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने पुलिस कांस्टेबल पदों की भर्ती में एससी, एसटी उम्मीदवारों के लिए कट ऑफ अंक कम करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने सोमवार को चल रहे विधानसभा सत्र में इस फैसले की घोषणा की। हालांकि, यह स्पष्ट किया गया है कि यह छूट केवल एससी और एसटी उम्मीदवारों के लिए लागू है। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा कांस्टेबल प्रारंभिक परीक्षा कट-ऑफ को कम करने के उम्मीदवारों के विरोध के मद्देनजर की। केसीआर ने यह भी वादा किया कि सभी एससी, एसटी और बीसी कल्याण छात्रावासों में सुविधाओं में सुधार और सभी कैदियों के लिए गुणवत्ता मेनू सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी छात्रावासों में सुविधाओं की समीक्षा के लिए संबंधित मंत्री जल्द ही अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

पूर्व आदिलाबाद के कुछ हिस्सों में बारिश, कहर बरपा

मंदिर नगर बासर में गोदावरी नदी उफान पर

आदिलाबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तत्कालीन आदिलाबाद जिले के कई हिस्सों में सोमवार को मध्यम बारिश दर्ज की गई, जिससे किसानों को नुकसान हुआ। निर्मल जिले की औसत वर्षा 84.5 मिमी मापी गई। लक्ष्मणचंद मंडल में सबसे अधिक 141 मिमी वर्षा हुई, इसके बाद मामाडा मंडल में 124 मिमी वर्षा हुई। कुबीर, सारंगपुर, पेम्बी, खानापुर, मुधोले, दिलावरपुर, निर्मल, बसर कद्दाम्पेदुर और निर्मल ग्रामीण मंडलों में कहीं-कहीं 70 मिमी से 114 मिमी बारिश दर्ज की गई। आदिलाबाद जिले की औसत वर्षा 80.5 मिमी आंकी गई है। नेराडिगोंडा मंडल में सबसे अधिक 124 मिमी बारिश हुई, जबकि बज़ारहतनूर, बोथ, इचोडा और सिरिकोंडा मंडल में 100 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। 1 जून से 12 सितंबर तक 941 मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले जिले की वास्तविक वर्षा 1,428 मिमी थी, जो 52 प्रतिशत से अधिक का सुझाव देती है।

कुमराम भीम आसिफाबाद और मनचेरियल जिलों दोनों की औसत वर्षा क्रमशः 69 मिमी और 59 मिमी है।

कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के कौटाला, चिंतालमनेपल्ली, बेजजुर, पेंचिकलपेट और दाहेगांव मंडलों में 100 मिमी से अधिक बारिश हुई। इस मानसून में दोनों जिलों में 68 फीसदी और 60 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई। निर्मल जिले के सोन मंडल में माडापुर और जाफरापुर गांवों के बीच परिवहन को प्रभावित करने वाले एक निचले स्तर के पुल के ऊपर एक बाढ़ की धारा बह गई। कुंतला मंडल का पेथापेंकुर गांव अपस्ट्रीम क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण जलधारा में सूजन के साथ अलग-थलग पड़ गया। यहां पहुंचने वाली रिपोर्टों के अनुसार, निर्मल जिले के कई दूरदराज के गांव मुख्यधारा से कटे हुए हैं। गोदावरी नदी मंदिर नगर बासर में उफान पर है। इस बीच, आदिलाबाद जिले के कुछ आंतरिक हिस्सों में रहने वाले लोगों को बारिश का खामियाजा भुगतना पड़ा जिससे उनकी बस्तियों से संपर्क प्रभावित हुआ। किसानों ने कहा कि बारिश के कारण खड़ी कपास, सोया और लाल चने की फसल को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से फसल क्षति का आकलन करने और मुआवजे का विस्तार करने के लिए सर्वेक्षण करने का अनुरोध किया।

भारी बारिश के कारण रामागुंडम में कोयला उत्पादन ठप

पेद्दापल्ली, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के रामागुंडम क्षेत्र में सभी खुली खदानों में कोयला उत्पादन पिछले कुछ दिनों के दौरान लगातार बारिश के कारण ठप हो गया। लगातार हो रही बारिश के कारण सभी सड़कों पर कीचड़ होने से डंपरों का आना-जाना मुश्किल हो गया है।

इसलिए, एससीसीएल प्रबंधन ने रामागुंडम क्षेत्र में चार खुली खदानों में कोयला उत्पादन को निलंबित कर दिया है। ओबी हटाने पर भी रोक लगा दी गई है। इसके अलावा, खुली खदानों की खदानों में बारिश का पानी भर गया। अधिकारी मोटर लगाकर पानी की निकासी कर रहे थे।

बाइक के ट्रक से टकराने से तीन की मौत

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके मेडचल में सोमवार की सुबह मोटरसाइकिल के ट्रक से टकरा जाने से एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई।

जिन पीड़ितों की अभी पहचान नहीं हो पाई है, उनकी उम्र 30-40 साल के बीच है। सूत्रों ने कहा कि मोटरसाइकिल के चालक, जो कथित तौर पर तेज गति से गाड़ी चला रहा था, ने आगे बढ़ रहे ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास किया, लेकिन इसे टक्कर मार दी और इसके पहियों के नीचे आ गया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। मेडचल पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के कारण व्यस्त हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई। ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक को साफ किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.